CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 11-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMHJK1 User: cci Time: 01-10-2026 23:09 Color:

मुंबई > रविवार, 11 जनवरी 2026 > पौष 22 शक संवत 1947, माघ कृष्ण नवमी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 18, संख्या 02 > मूल्य ₹6.00 > पेज 16 > आर. एन. आई. पंजीयन नंबर 27562 www.nbt.in

भारत के सामने कीवियों पर काबू पाने का चैलेंज

▸p12

NBT
संडे नवभारत टाइम्स

'AI तभी तक अच्छा, जब तक कंट्रोल हमारे हाथ में रहे'

▸p13

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

बेटी की पढ़ाई, मां की अस्पताल की ड्यूटी ने बचा ली जिंदगी

पड़ोसी के घर सहेली के साथ पढ़ाई करने के लिए गई थी दिव्या

Manish.Jha@timesofindia.com

■ मुंबई: कहते हैं, 'जाको राखे साईंया, मार सके न कोय', शनिवार रात गोरेगांव के भगतसिंह नगर, रोड नंबर-2 के सिस्टर गली (राजाराम लेन) स्थित पावसकर परिवार के तीन लोग आग में जिंदगी गवां बैठे, लेकिन पावसकर की पत्नी और छोटी बेटी दिव्या (15) की जान बच गई।

स्थानीय निवासी संतोष शाह ने बताया कि बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही दिव्या अपनी सहेली के घर पढ़ने के लिए जाती और वहीं सो जाती थी। सहेली की मां गांव गई है और उसका घर दिव्या के घर के सामने ही है। इसलिए, उसकी जान बच गई। वहीं, एक निजी अस्पताल में सफाईकर्मी दिव्या की मां शनिवार रात ड्यूटी पर थीं। शाह ने बताया कि 5 दिन से अस्पताल बंद था, इसलिए वह इतने दिन घर पर ही थी। शनिवार को अस्पताल से काम पर आने के लिए फोन आया और वह अस्पताल चली गईं, इसलिए उसकी भी जान बच गई। दिव्या के पिता संजोग दिहाड़ी कामगार थे, जबकि बड़ी बहन हर्षदा और भाई पढ़ाई करते थे। तीनों बच्चों को पढ़ाने के लिए संजोग कम आमदनी में भी काम चला रहे थे।

दिव्या की मां

दिव्या

सेकंड हैंड फ्रीज बना काल

पावसकर के पड़ोसियों ने बताया कि 2 दिन पहले संजोग ने सेकंड हैंड फ्रीज खरीदा था। वह फ्रीज भी बंद ही पड़ा हुआ था। शनिवार को पत्नी के काम पर जाने के बाद संजोग ने फ्रीज ऑन कर दिया और खाना खाने के बाद बेटी-बेटे के साथ घर के ऊपरी हिस्से (महलिया) पर सोने चले गए। आधी रात को फ्रीज में तेज धमाका हुआ और पूरा घर जहरीली गैस व धुएं से भर गया।

लोहे की सीढ़ी में आ गया था करंट

उस गली में मौजूद पावसकर का साढ़े चार हजार रुपये के भाड़े वाले घर में अंदर से ही महलिया पर जाने के लिए लोहे की सीढ़ी है। पड़ोसियों ने बताया कि आधी रात को धमाका और उसके बाद पावसकर व बच्चों की चीख-पुकार सुनकर सब घटनास्थल की दौड़े। आग की लपटें देख लोगों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को कॉल कर दिया था। इससे पहले लोगों ने बाल्टी से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। दावा है कि फ्रीज में धमाका होने और आग बुझाने के लिए फेंके गए पानी के चलते लोहे की सीढ़ी गीली हो गई। इससे सीढ़ी में करंट दौड़ने लगा। उधर, जहरीली गैस में फंसे तीनों लोगों ने जान बचाने के लिए जैसे ही सीढ़ियों पर कदम रखा, तेज झटके से उनकी मौत हो गई।

सेकंड हैंड चीजों के इस्तेमाल में बरतें सावधानियां

- पुराने उपकरणों की वायरिंग कमजोर होती है, इसलिए प्लग, स्विच और तार चेक करते रहें।
- ओवरलोड से बचें। एक ही सॉकेट में ज्यादा उपकरण न लगाएं। इससे शॉर्ट सर्किट का खतरा रहता है।
- नियमित सफाई करें। फ्रिज की कॉइल, एसी का फिल्टर, कूलर की टंकी और पंखे की ब्लेड साफ रखें।
- वोल्टेज स्टेबलाइजर का उपयोग करें। इससे फ्रिज, टीवी और एसी वगैरह सुरक्षित रहते हैं।
- असामान्य आवाज या हीट पर ध्यान दें। ज्यादा आवाज, बदबू या गर्म होने पर तुरंत जांच कराएं।
- गीले हाथों से चालू न करें। नमी के कारण करंट लगने का खतरा बढ़ जाता है।
- समय-समय पर सर्विसिंग कराएं। पुराने उपकरणों की उम्र बढ़ाने के लिए नियमित सर्विसिंग जरूरी है।
- बच्चों की पहुंच से दूर रखें और उन्हें स्विच या तारों से खेलने न दें।

'दहिसर का गणपत पाटील नगर जल्द घोषित होगा स्लम'

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: शिंदे सेना प्रमुख और उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ऐलान किया है कि दहिसर के गणपत पाटील नगर को जल्द ही स्लम घोषित किया जाएगा, ताकि वहां की जनता को अच्छी सड़क, पीने का पानी, साफ-सुथरे गटर, राशन कार्ड और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं मिल सकें।

उप-मुख्यमंत्री शिंदे ने विडियो जारी कर की सुनाई घोषणा

शनिवार को शिंदे ने दहिसर से प्रभाग नंबर-एक से पार्टी की उम्मीदवार रेखा राम यादव के चुनाव प्रचार के लिए विडियो जारी किया। उसमें उप-मुख्यमंत्री आईसी कॉलोनी में पुलिस बीट शुरू करने और क्षेत्र में चल रहे अवैध धंधों पर सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रभाग की समस्याओं का स्थायी समाधान ही शिवसेना की प्राथमिकता है। उन्होंने विकास के मुद्दों पर जनता से समर्थन की अपील की है। इलेक्शन में टाइम कम बचा है, इसलिए शिंदे विडियो जारी कर अपने प्रत्याशियों के लिए वोट मांग रहे हैं।

समान आकार के स्ट्रक्चर का दावा स्थापित हक नहीं है: हाई कोर्ट

गवर्नमेंट कॉलोनी के डिमोलिशन प्रभावित दो लोगों का मामला

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि समान आकार के स्ट्रक्चर के आवंटन का दावा करने का कोई स्थापित अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह टिप्पणी तीन लोगों को राहत न देते हुए की। तीनों लोग बांद्रा (पूर्व) में गवर्नमेंट कॉलोनी के डिमोलिशन के चलते प्रभावित हुए हैं। 90 एकड़ में फैले क्षेत्र में सरकार 30 एकड़ में हाई कोर्ट का नया कॉम्प्लेक्स बनाना चाहती है। कुछ हिस्से में सरकारी कर्मचारियों के लिए स्टाफ क्वॉर्टर का निर्माण होना है।

कोर्ट में आए तीनों लोग सरकार के पट्टेदार (लेसी) थे। उनकी दुकान गवर्नमेंट कॉलोनी के डिमोलिशन के चलते तोड़ी गई है। सरकार ने इन्हें स्लम स्कीम के तहत 225 वर्गफीट का वैकल्पिक स्ट्रक्चर आवंटित किया था। इससे असंतुष्ट तीनों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में दावा किया था कि इनके स्ट्रक्चर 375 और एक हजार वर्गफीट के थे। इन्होंने पुनर्वास में इतना ही बड़ा व्यावसायिक परिसर मांगा था।

याचिका में कहा गया था कि कई लोगों को बड़े स्ट्रक्चर दिए गए हैं, इसलिए इनके साथ भी समान व्यवहार किया जाए। सरकार को समान स्ट्रक्चर के आवंटन के संबंध में नीति बनाने के लिए कहा जाए।

'यदि संभव हो, तो...': बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी लीज को रिन्यू करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया है। जमीन का मालिकाना हक सरकार के पास है, इसलिए इस मामले में राहत नहीं दी जा सकती है। बेंच ने कहा कि यदि संभव हो, तो याचिकाकर्ताओं को बांद्रा परिसर में ही वैकल्पिक स्ट्रक्चर देने पर विचार किया जाए।

'सभी को समान प्राथमिकता नहीं'

जस्टिस एन.जे. जमादार की बेंच के सामने मामले की सुनवाई हुई। बेंच ने कहा कि समानता का अधिकार सकारात्मक आचरण पर आधारित है। इसे नकारात्मक तरीके से लागू नहीं किया जा सकता है। समान आकार के व्यावसायिक स्ट्रक्चर के आवंटन के संबंध में सरकार की कोई नीति नहीं है। ऐसे में, सरकार से नीति बनाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। अदालत से विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप अपेक्षित नहीं है। बेंच ने कहा कि कोर्ट से कानून बनाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती है। यदि कुछ लोगों को विशेष परिस्थितियों के चलते पुनर्वास में अलग प्राथमिकता मिली है, तो यह जरूरी नहीं है कि यह प्राथमिकता समान रूप से सभी को मिले।

हम जीते को पुणे मेट्रो और बस की यात्रा फ्री: अजित पवार

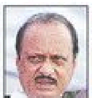

पुणे मनपा के लिए दोनों एनसीपी का संयुक्त घोषणा पत्र जारी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: पुणे मनपा का संयुक्त घोषणा पत्र जारी करते हुए उप-मुख्यमंत्री अजित पवार और सुप्रिया सुले ने वादा किया कि हमारी एनसीपी (संयुक्त रूप से) जीतती है, तो पुणे महानगर परिवहन महामंडल लिमिटेड (पीएमपीएमएल) की बसों और मेट्रो में मुफ्त यात्रा कराएगी। इसके अलावा, पुणे में 500 वर्गफीट तक के मकानों पर संपत्ति कर की छूट मिलेगी। साथ ही, विद्यार्थियों को मुफ्त कंप्यूटर और टैबलेट देंगे।

शनिवार को एनसीपी (अजित गुट) और उनके चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने पुणे मनपा चुनावों के लिए संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। अजित पवार और उनकी चचेरी बहन एवं एनसीपी (शरद गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले संयुक्त रूप से मीडिया के सामने आए। 2023 में हुए विभाजन के बाद दोनों गुटों में बढ़ती निकटता का इसे संकेत माना जा रहा है। सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में सहयोगी एनसीपी और विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी की घटक एनसीपी (एसपी) ने पुणे और पिंपरी-चिंचवड मनपा चुनाव के लिए गठबंधन किया है। सभा को संबोधित करते हुए अजित ने कहा कि घोषणापत्र पुणेवासियों से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। इसमें नल से पेयजल आपूर्ति, यातायात जाम दूर करना, गड्ढामुक्त सड़कें, स्वच्छता, अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं, प्रदूषण नियंत्रण और झुग्गी पुनर्वास का आश्वासन दिया गया है।

कुर्ला: बेस्ट की बस और बाइक में टक्कर, युवक हुआ घायल

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: कुर्ला (पश्चिम) में शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में 26 वर्षीय युवक घायल हो गया। यह हादसा रात करीब 11 बजे एलबीएस रोड पर एचपी पेट्रोल पंप के सामने हुआ। बेस्ट की रूट नंबर 411 बस की टक्कर बाइक से टक्कर हो गई, जिसमें शाहिद शेख घायल हुआ है।

बस ड्राइवर हिरासत में, एक महीने में दूसरी घटना

जानकारी के अनुसार, टक्कर के बाद बाइक सवार के सिर, हाथ और पैरों में चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे नजदीकी फौजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने कहा कि उसकी हालत स्थिर है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने बेस्ट बस चालक पवनकुमार ओझा को हिरासत में ले लिया। अधिकारी के अनुसार, हादसे की जांच की जा रही है। वाहन जब्त कर एफआईआर दर्ज की जा रही है।

बता दें कि भांडुप रेलवे स्टेशन के बाहर 29 दिसंबर को भी भीषण बेस्ट बस से हादसा हुआ था, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि आठ अन्य घायल हुए थे। ड्राइवर संतोष सावंत को गिरफ्तार कर लिया गया था। साथ ही, जांच कमिटी भी बनाई गई थी। हाल में ड्राइवर ने सेशन कोर्ट में जमानत याचिका दायर की। ड्राइवर ने अदालत में दावा किया है कि हादसा उसकी लापरवाही से नहीं, बल्कि यात्रियों की अचानक हरकत से हुआ।

मुंबई में ठंड बढ़ी, न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: 1 जनवरी को हुई हल्की बारिश ने मुंबई की ठंड को एक बार फिर बढ़ा दिया है। बारिश से हवा में बढ़ी नमी के कारण लगातार दूसरे दिन न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान घटकर 16.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम में अचानक आए बदलाव के चलते बीते दो दिनों से न्यूनतम तापमान 16 डिग्री के आसपास बना हुआ है। 9 जनवरी को न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री था, जबकि 10 जनवरी को इसमें 0.3 डिग्री की और गिरावट आई। दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के करीब था।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों तक ठंड का यह असर बना रह सकता है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 15 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हालांकि कुछ दिनों की राहत के बाद अगले सप्ताह एक बार फिर तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

'गणेश नाईक को अब वनवास पर जाना चाहिए'

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: 'महायुति में शामिल शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार गुट) के सभी नेताओं को आपसी बयानबाजी से बचते हुए गठबंधन की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। लेकिन, बीजेपी के मंत्री गणेश नाईक ने उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी कर गठबंधन की मर्यादा तोड़ी है।' यह प्रतिक्रिया शिवसेना प्रवक्ता प्रकाश महाजन ने दी है।

शनिवार को बालासाहेब भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाजन ने कहा कि गणेश नाईक को उनकी क्षमता के अनुसार ही मंत्री पद दिया गया है। अब नाईक को वनवास स्वीकार कर लेना चाहिए।

'रिश्ते को कानूनी मान्यता नहीं'

■ पेज 1 से आगे

महिला ने याचिका में दावा किया था कि वह और प्रफेसर कुछ वक्त तक पति-पत्नी की तरह रहे थे। दोनों ने संयुक्त रूप से संपत्ति भी खरीदी थी। यही नहीं, आईवीएफ के जरिए उसने एक बच्चे को भी जन्म दिया था। इस बीच जब दोनों के रिश्ते में कड़वाहट आ गई, तो महिला ने पुणे के मैजिस्ट्रेट कोर्ट में शिकायत की थी। मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने प्रफेसर को महिला को 28 हजार रुपये मेंटनेंस देने का निर्देश दिया। प्रफेसर की अपील पर पुणे सेशन कोर्ट ने मैजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर दिया, जिसके खिलाफ महिला ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील की थी।

महिला ने याचिका में दावा किया था कि उसका रिश्ता वैवाहिक संबंध की श्रेणी में आता है। हालांकि प्रफेसर ने दावा किया था कि जो फ्लैट संयुक्त रूप से खरीदा गया था, उसमें वे कभी एक साथ नहीं रहे। महिला के साथ रिश्ते को सिर्फ विवाहेतर संबंध कहा जा सकता है। महिला की आमदनी काफी ज्यादा है। उसे वित्तीय सहायता की जरूरत नहीं है।

इन दलीलों के मद्देनजर जस्टिस देशपांडे ने कहा कि महिला के रिश्ते को कानूनी मान्यता नहीं दी जा सकती है, क्योंकि संबंध बनाने से पहले महिला जानती थी कि प्रफेसर शादीशुदा है। प्रफेसर को पहली शादी से एक बच्चा भी है। यह टिप्पणी कर उन्होंने महिला की याचिका को खारिज कर दिया।

TIMES interact — To book your ad — Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) — Scan QR Code

SOCIAL EVENT

भर्ती

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

अकादमिक

शिक्षक

REQ Computer Teacher knowing MSOffice, basics for a primary section school in Thane, Dockyard, Goregaon. Tel : 98205 20034

लेखा

अकाउंटेंट (लेखाकार)

WANTED Comm. Graduate Accountant in Goregaon having Exp of 5-10 yrs knowing Tally, GST and Taxation. Email details with current salary to : rkumar403sc@gmail.com

सेवाएं

होटल उद्योग

होटल कामके लिए लड़के चाहिए किचन हेल्पर, मोरी, अनुभवी कुक. पता सुयोग मालवणी हॉटेल, विलेपार्ले पूर्व, सहार रोड. संपर्क 9920562060 / 9869377782

रिक्त पद

REQD, PWD Supervisor license holder, Engineers 2 years Exp, Estimation Engr. Mail - ksvelectricals@yahoo.in , 9892265639

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I, Lili Ganj Mother of Kulwant Minj /o Krustongri, Kunkuri, Jaspur Nagar, Chhattishgarh - 496225 have changed my name from Lili Ganj to Lili Minj vide aff. 59AB864752 dt. 09/01/2026 at Nashik

I, Sharda spouse of No 2754537Y Ex Nk Bhiva Bhosale of Vill/ PO- Turbhe Khurd, Teh- Poladpur, Dist- Raigad(MH), PIN- 402301 have changed my name from Sharda to Sharada Bhiva Bhosale and date of birth from 08 May 1961 to 01 Jan 1961 vide affidavit No. 25520418612686000027 81 dated 08 Jan 2026.

I, Swapnil Kuamr S/o Shailesh Kumar Dhuriya residing at AF Stn Kanheri Hills have changed my name from Swapnil Kuamr to Swapnil Kumar Dhuriya vide Affidavit dated 14 Nov 25 before District Court Udaipur

I, Kamlesh Devi Mother of Chandra Vir Singh r/o Gidaura, Majupur, Iglas, Aligarh, U.P-202140 have changed my name from Kamlesh Devi to Nemavati vide aff. 59AB864750 dt. 09/01/2026 at Nashik

NBT स्मृति यादों के चिराग

वैकुण्ठवास

श्री कमल केडिया

सुपुत्र: स्व. रामनिरंजनजी व स्व. सावित्रीदेवी केडिया

(17.05.1951 - 09.01.2026)

प्रार्थना सभा

सोमवार दि.12 जनवरी, 2026 | समय: शाम 5 से 7 बजे तक

FPH बैंकेट हॉल, FPH बिल्डिंग, 5वां माला,

NSCI के पास, हाजी अली, मुंबई

शोकाकुल

कमलादेवी रामनिरंजन केडिया

धर्मपत्नी: स्व. रंजनादेवी केडिया

पुत्र-पुत्रवधू: विशाल, विनीत-मेघा, वैभव-अशिता

पौत्र-पौत्री: नमन, यशमित, सान्या, नाव्या, साएशा

बहन-बहनोई: पूनम-स्व.सुभाष टिबरीवाल, नीलम-आनंद धर्ड, प्रेरणा-संदीप सराफ

एवं समस्त श्रीरामलजी केडिया - महालीरामजी सोंथालिया - विश्वनाथजी देवड़ा परिवार

NBT स्मृति यादों के चिराग

REMEMBERENCE

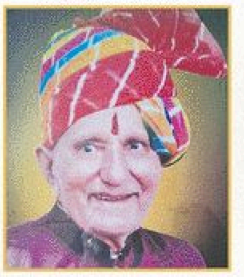

JAINARAYAN M PUROHIT (ROD JI)

11-01-1926

A lifetime full of grace, wisdom & love. Happy Centenary to a soul who made the world brighter just by having been in it.

Gone from our sight, but never from our hearts

Purohit (Guchiya) Family

प्रार्थना सभा

॥ वैकुण्ठवास ॥

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि

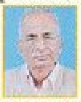

श्री शिवचरणलालजी सहल

(सुपुत्र : स्व. बलदेवप्रसादजी सहल - झुंझुनू निवासी)

का स्वर्गवास दिनांक 07-01-2026 को हो गया है।

प्रार्थना सभा

दिनांक : 11-01-2026, रविवार

समय: सायं 4 बजे से 6 बजे तक

स्थान : बाल भवन, बालकोजी वाडी रोड, राजावाड़ी, घाटकोपर (पूर्व).

मो.: 9833001913 / 9619666064

शोकाकुल

पुत्र - पुत्रवधू: राजीव - हेमलता

पुत्री - जामाता : गीता - स्व. विजय शर्मा, रेणु - संजय सिंहा

भतीजे : दिनेश, पवन, प्रदीप, शरद, विपुल, अमीत, कपिल, मिलेश

पौत्री : ज्योत्सना, आंशिका

एवं समस्त सहल परिवार

TO PLACE AN ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

आकस्मिक निधन

Om Shanti

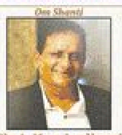

Shri. Kan Ladhani

H/o Smt. Pooja Kan Ladhani

Condolence meet from 5pm to 6pm on 11th January at Ghanshyamdas Saraf Hall, S V Rd, Sunder Nagar, Malad West, Mumbai

RSVP: 9324422488

पुण्यतिथि

18वीं पुण्यतिथि

नवरतन एम. राणावत

आपकी उपस्थिति हमें याद आती है, आपकी यादें हम सहेजते हैं। आपको हमेशा प्यार करते रहेंगे, आपको कभी नहीं भूलेंगे।

राणावत परिवार

TO PLACE AN ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

TO PLACE AN ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 11-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTM9 User: cci Time: 01-10-2026 23:27 Color:

फटाफट खबरें

खुदकुशी केस में पति, सास-ससुर पर केस

■ NBT न्यूज, नालासोपारा : तुलिंज पुलिस परिक्षेत्र में एक महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर पति, सास-ससुर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वैकुंठ नगर सोसायटी निवासी नीलम पंकज ओझा (26) अपने पति, ससुर और सास के साथ रहती थीं। गुरुवार सुबह नीलम ने बेडरूम में पंखे पर दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली।

कार की चपेट में आने से राहगीर की मौत

■ NBT न्यूज, वसई : वसई पुलिस स्टेशन क्षेत्र के रानगांव इलाके में शुक्रवार को एक कार चालक ने राह चलते व्यक्ति को टक्कर मार दी। इस हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। रानगांव स्थित रामआली निवासी हुसैन अब्बास शेख (45) शुक्रवार दौपहर पैदल घर जा रहे थे, तभी कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी।

कुएं में डूबने से 11 साल के बच्चे की मौत

■ NBT न्यूज, विरार : रायपाडा स्थित एक कुएं में डूबने से 11 साल के बच्चे की मौत हो गई। ओम साई कृपा चॉल में रहने वाले शिवम समाधान राठौड़ (11) का पैर फिसलने से वह कुएं में गिर गए, जहां उसकी डूबने से मौत हो गई।

BJP में बागियों के तेवर, लगाए आरोप

आतंकी को भी लड़ाओगे, तो अंधभक्त करेंगे वोट: घरत

निकाय चुनाव महा मुकाबला

■ NBT न्यूज, नवी मुंबई : नवी मुंबई मनपा चुनाव में टिकट न मिलने पर BJP से बगावत कर अलग-अलग प्रभागों में चुनाव लड़ रहे चार प्रत्याशियों ने एकसाथ आकर BJP के स्थानीय नेतृत्व पर जमकर निशाना साधा। सभी ने कहा कि टिकट बंटवारे में हमें अंधेरे में रखा गया और रात 3 बजे तक हमें बताया जा रहा था कि आपको टिकट दिया जाएगा, लेकिन आखिर में टिकट किसी ऐसे व्यक्ति को दे दिया गया, जिनके ऊपर कई मामले दर्ज हैं।

BJP से बगावत कर शिवसेना एकनाथ शिंदे की टिकट पर चुनाव लड़ रहे दत्त घंगाले ने कहा कि मैं बीजेपी का युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष होने के कारण कोर कमिटी में था, फिर भी मुझे धोखे में रखा गया। मुझसे चर्चा तक नहीं की गई कि किसे टिकट दिया जाएगा। मेरी शिवसेना के बड़े नेताओं से पहचान थी, इसलिए मुझे टिकट मिल गया, अन्यथा मेरा भी वही हाल होता, जो बाकी BJP के निष्ठावान कार्यकर्ताओं का हुआ।

प्रभाग-25 से चुनाव लड़ रही जयश्री चित्रे ने कहा कि मैं 11 वर्षों से बीजेपी महाराष्ट्र राज्य बुद्धिजीवी सेल की उपाध्यक्ष थी। इसके बावजूद मुझे टिकट बंटवारे के समय नजरअंदाज किया गया, इसलिए निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरी हूं।

BJP की पूर्व महिला महामंत्री मंगला घरत ने कहा कि हमें अपमानित किया जाता था कि अगर BJP के टिकट पर किसी आतंकवादी को टिकट दे दिया जाए, तो भी अंधभक्त उन्हें वोट करेंगे। इसलिए इन लोगों ने अशोक गावडे की बेटी को टिकट दिया है, जिसने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था। हम इसी विचार के खिलाफ लड़ रहे हैं।

बागियों ने कहा कि साल 2014 में हमने मेहनत कर तत्कालिक मंत्री गणेश नाईक को बेलापुर में हराया था और 2019 में सभी लोग BJP में शामिल हो गए। साल 2024 में टिकट नहीं मिलने पर बेटा अलग हो गया और तुतारी में चला गया, उनके साथ 50 लोग और भी गए थे, लेकिन हमने मेहनत कर उन्हें हरा दिया। इसीलिए इस चुनाव में उन्होंने उन सभी लोगों को टिकट नहीं दिया, जिन्होंने मंदा म्हात्रे के लिए काम किया था।

चुनाव के दौरान मोनो रेल में फायर ड्रिल

NBT रिपोर्ट, मुंबई : एक तरफ मुंबई में बीएमसी चुनाव की सरगर्मी तेज है, वहीं दूसरी तरफ मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) द्वारा शनिवार को मोनो रेल की सुरक्षा जांच के लिए मॉक ड्रिल किया। इस दौरान मोनो रेल में आग लगने की स्थिति में कैसे यात्रियों को तेजी से बाहर निकालने की तैयारी का जायजा लिया गया। बता दें कि मोनो रेल में पहले कई बार तकनीकी खामी के मामले सामने आ चुके हैं। वहीं सेवा शुरू होने के कुछ महीने बाद मोनो के रेक में आग लगने की वजह से मोनो सेवा ठप रही थी। मौजूदा समय में मोनो रेल के सिस्टम को अपडेट करने की प्रक्रिया चल रही है।

18 जनवरी मैराथन स्पेशल

ये गोल्डन वीक: फिटनेस, फोकस, और रिकवरी का संतुलन है जरूरी

Bhavin.Pandya
@timesofindia.com

■ मुंबई : रात भर जागने वाली मुंबई इस बार एक अलग ही रंग में नजर आएगी। शनिवार की देर रात शहर जल्दी सो जाएगा और रविवार, 18 जनवरी की अलसुबह लाखों कदम एक साथ दौड़ पड़ेंगे। सूरज निकलने से पहले ही मुंबई मैराथन के तय रास्तों पर जोश, अनुशासन और संकल्प की लय गूंजेगी। मैराथन से ठीक पहले का एक सप्ताह किसी भी धावक के लिए निर्णायक होता है। सही तैयारी न सिर्फ प्रदर्शन बेहतर बनाती है, बल्कि दौड़ को सुरक्षित और आरामदेह भी बनाती है।

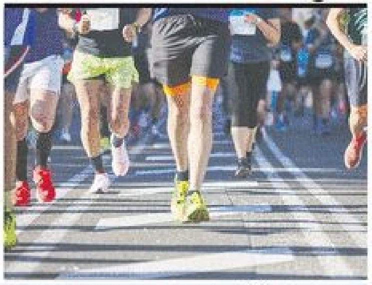

दिल की सेहत के लिए

- लंबी दूरी की रनिंग का जिसने नियमित अभ्यास किया हो, उसे ही मैराथन में हिस्सा लेना चाहिए
- बिना अभ्यास दौड़ने पर दिल में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है, जिससे सीने में दर्द या घबराहट महसूस हो सकती है
- दौड़ के दौरान और पहले पानी (हाइड्रेशन) और पोषण का ध्यान रखना उतना ही जरूरी है।

लंबी दूरी की दौड़, नए जूते, कपड़े और भारी वर्कआउट से दूरी रखें। भरपूर नींद लें। चोट से बचकर स्टार्ट लाइन तक स्वस्थ पहुंचना ज्यादा जरूरी है।
- वैभव डागा, हेड (स्पोर्ट्स साइंस, कोकिलाबेन अस्पताल)

सही ट्रेनिंग, सही पोषण और धैर्य- यही दिल को सुरक्षित रखकर आपको फिनिश लाइन तक पहुंचाते हैं।
- डॉ. कल्याण मुंडे, प्रमुख (कार्डियोलॉजी विभाग, जेजे अस्पताल)

रेस के अंतिम सप्ताह में बेहतर है कि रनर कुछ नया करने की न सोचें। हल्का, सामान्य वर्कआउट ही काफी है, जो शरीर को रेस के लिए सुरक्षित रखेगा।
- ब्रीज शर्मा, रनर (अल्ट्रा मैराथन)

हर दिन के हिसाब से तैयारी

रविवार (एक सप्ताह पहले)
- जल्द सोकर उठें और वही नाश्ता करें, जो मैराथन के दिन करने वाले हों
- तय स्टार्ट टाइम पर दौड़ शुरू करें
- 10-12 किमी ही दौड़ें

सोमवार
- अगर लंबी दूरी की रनिंग नहीं की है तो आज कर सकते हैं
- लंबी दूरी की रनिंग हो चुकी है तो इसे रेस्ट या लो-इंपैक्ट डे रखें
- मसल्स रोलिंग और हल्की स्ट्रेचिंग पर फोकस

मंगलवार
- मैराथन वाले कपड़े और जूते में रिहर्सल रन करें
- वही नाश्ता लें जो रेस डे पर लेना है

बुधवार
- 3-4 किमी की रनिंग पर्याप्त है
- शरीर पर ज्यादा जोर न डालें
- मसाज सेशन के लिए अच्छा दिन, ताकि मांसपेशियों को रेस्ट मिले

गुरुवार
- छोटी दूरी की रनिंग करें, 300-400 मीटर
- नींद की टाइमिंग फिक्स करें, जल्दी उठने की आदत डालें
- दिन भर 4-5 लीटर पानी पिएं

शुक्रवार
- 30 मिनट हल्का वर्कआउट या क्रॉस ट्रेनिंग (जैसे साइकलिंग)
- मसल्स रोलिंग और स्ट्रेचिंग जारी रखें
- कार्ब लोडिंग शुरू करें: चावल, पास्ता, आलू, ब्रेड का सेवन कर सकते हैं

शनिवार
- उत्साह पर नियंत्रण रखें, ज्यादा दौड़ न लगाएं
- आराम को प्राथमिकता दें
- पैरों को सक्रिय रखने के लिए 200-300 मीटर हल्की जॉग

मैराथन की सुबह
- समय पर उठने के लिए अलार्म लगाएं
- चाय या कॉफी ले सकते हैं
- सिंपल कार्बोहाइड्रेट लें: दलिया, पोहा, ब्रेड, इडली, उपमा
- तला-भुना और मसालेदार भोजन न करें

चोट लगने का खतरा
- ज्यादा लंबी दूरी की रनिंग न करें
- जिम में हैवी वर्कआउट न करें
- बहुत ज्यादा स्ट्रेचिंग न करें
- हर रात 8 घंटे से ज्यादा की नींद लें ताकि शरीर को रिकवरी के लिए समय मिले

मुंबई में 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी लिट फेस्ट' शुरू हुआ

विश्व हिंदी दिवस पर 5 दिवसीय आयोजन

■ NBT न्यूज, मुंबई : विश्व हिन्दी दिवस (10 जनवरी) के अवसर पर शनिवार से मुंबई 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी लिट फेस्ट' का शुभारंभ हुआ। पांच दिवसीय साहित्यिक और सांस्कृतिक महोत्सव में 10 से 14 जनवरी तक भाषा, साहित्य, सिनेमा, रंगमंच, संगीत और कला से जुड़े विविध समकालीन विषयों पर मंथन होगा।

महोत्सव का उद्घाटन इस्कॉन सभागार, जुहू में हुआ। अरुणा राने, मनोज मोरवानी, कनक दीक्षित, सुनील तिवारी, आनंद कुमार श्रीवास्तव, रवि शंकर मिश्रा ने दीप प्रज्वलन एवं राज बिसेन द्वारा गणेश वंदना से समारोह शुरू हुआ। पंडित मुलतान आरिफ ने भगवद् गीता पर आधारित अपने स्वरचित पदों का पाठ किया। सुरेश शर्मा ने हिंदी की समकालीन स्थिति और वैश्विक भूमिका पर चर्चा की। यह अंतरराष्ट्रीय हिंदी लिट फेस्ट, विश्व हिंदी अकादमी और मालवा रंगमंच समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित है। विश्व हिंदी अकादमी के अध्यक्ष केशव राय के अनुसार पांच दिवसीय आयोजन में भारत सहित 80 देशों के 100 से अधिक लेखक, विचारक, कलाकार और वक्ता भाग ले रहे हैं।

सोशल कनेक्ट धर्म। कर्म। समाज

राम आरंभ भी, अंत भी: कुमार विश्वास

गोरेगांव में राम कथा सुनने को उमड़ रहे श्रद्धालु

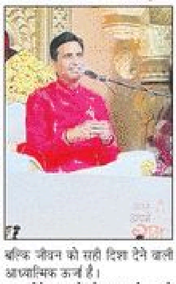

■ NBT न्यूज, मुंबई: 'भारत के युवाओं का ध्यान अब कीर्तन के कॉन्सर्ट में जा रहा। अब राम के नाम पर युवा शक्ति झूम रही है। वे इस बात को समझ रहे हैं कि राम आरंभ भी हैं, राम अंत भी और राम सभी के हैं।' यह कहना था डॉ. कुमार विश्वास का। वे गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राम कथा के पहले दिन शुक्रवार को 'अपने-अपने राम' के जरिए रामकथा सुना रहे थे।

11 जनवरी तक चलने वाली राम कथा को सुनने बड़ी संख्या में युवा भी आ रहे हैं। अध्यक्ष विनय जैन के अनुसार करीब 8,000 रामभक्त श्रोता प्रतिदिन रामकथा सुनेंगे। कवि और लेखक कुमार विश्वास ने राम का वर्णन करते हुए कहा कि आप किसी भी पिक्चर को सौ बार नहीं देख सकते, लेकिन रामकथा जितनी बार सुनो उतनी बार नयापन लगता है। रामकथा केवल आस्था से जुड़ी परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली आध्यात्मिक ऊर्जा है।

उन्होंने युवाओं से राम को अपने जीवन में ढालने और राम पथ पर चलने का भी आग्रह किया। क्लब के सेक्रेटरी संजय मालू, संयोजक सुनील काबरा और उपाध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि बताया कि संस्कृति की रक्षा और राम कथा के माध्यम से जीवन मूल्यों को युवाओं में रोपित करने से हमारा देश मजबूत और विकसित होगा।

खार्डी गांव में लाखों रुपये की अवैध शराब नष्ट

■ NBT न्यूज, भिवंडी : ठाणे ग्रामीण की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले खार्डी गांव में एक बड़ी कार्रवाई की है। खार्डी के पास झाड़ियों में विनय तागड़ी द्वारा चलाई जा रही अवैध शराब की भट्टी पर छापा मारकर पुलिस ने 43 प्लास्टिक बैरल में भरा 9,200 लीटर कच्चा माल नष्ट कर दिया। खार्डी गांव की सीमा में खार्डी के किनारे दलदली इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध शराब बनाए जाने की सूचना मिली।

क्राइम ब्रांच की टीम ने पड़ताल की, तो खार्डी के पार भट्टी दिखाई दी। पुलिस की आहट मिलते ही आरोपी नजदीकी झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से कुल 4.32 लाख रुपये का माल बरामद किया है। इसमें 46 प्लास्टिक ड्रम में 9,200 लीटर नवसागर मिश्रित गुड़ का 'वॉश' (कच्चा माल), शामिल है। प्रत्येक ड्रम में 35 लीटर तैयार अवैध देसी शराब मिली है।

डांस बार में पैसे उड़ाने वाला कॉन्स्टेबल सस्पेंड

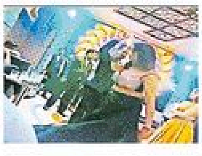

■ NBT न्यूज, नवी मुंबई : एक लेडीज बार में पैसे उड़ाते हुए एक पुलिस हवालदार का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आला अफसर हरकत में आए और संबंधित कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया। पुलिस के अनुसार विडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए कॉन्स्टेबल अनिल मांडोले को निलंबित कर दिया है। बता दें कि वायरल विडियो में कॉन्स्टेबल कथित रूप से लेडीज बार में महिला डांसरों पर खुलेआम पैसे उड़ाते नजर आ रहा है।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

आजाद भवन, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली 110002

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), विदेशों में स्थित भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों के निदेशकों के पैनल में सूचीबद्ध होने के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया क्यूआर कोड स्कैन करें या आईसीसीआर की वेबसाइट: https://iccr.gov.in/ देखें।

परिषद द्वारा प्राप्त आवेदनों की जांच की जाएगी और केवल संक्षिप्त सूची में शामिल उम्मीदवारों को ही साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उम्मीदवारों का चयन आईसीसीआर का विशेषाधिकार होगा और इस संबंध में कोई पूछताछ स्वीकार नहीं की जाएगी।

इच्छुक उम्मीदवारों के आवेदन निर्धारित प्रारूप में संबंधित दस्तावेजों के साथ ईमेल: panel-iccdir@iccr.gov.in पर या रजिस्टर्ड डाक द्वारा महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, आजाद भवन, आई.पी.एस्टेट, नई दिल्ली-110002, को 1800 hrs (IST) 02 फरवरी 2026 तक प्राप्त हो जाने चाहिए।

एस्ट्रोन्यूमरो मिरर

सद्गुरु श्री दयाल
(डॉ. स्वामी आनंदजी)
(आध्यात्मिक गुरु एवं ज्योतिषीय चिंतक)

■ **प्रश्न: गरल योग या कालकूट योग क्या है?**
- अपूर्वा खन्ना

उत्तर: जब जन्मकुंडली में शनि और चंद्रमा साथ आ जाएं, या एक-दूसरे पर दृष्टि डालें, तो इसे कालकूट योग कहा जाता है। चंद्रमा मन का अमृत है और शनि की कठोर दृष्टि उस अमृत में विष घोल देती है। यही कारण है कि यह योग जीवन में असमान, अविश्वास, मानसिक बोझ और गहरी उदासी का कारण बनता है। जिस भाव में यह योग बनता है, वहां के सुख फीके पड़ जाते हैं। हालांकि, शनि-चंद्रमा में बारह अंश से अधिक का अंतर हो, तो यह योग प्रभावहीन माना जाता है।

■ **प्रश्न: क्या अच्छी हैंडराइटिंग का भी कोई ज्योतिषीय संकेत होता है?**
-राधिका मेहता

उत्तर: हां। जब बुध तृतीय भाव में सशक्त होते हैं, तो लिखावट में स्पष्टता, सौंदर्य और आकर्षण स्वाभाविक रूप से आ जाता है।

■ **प्रश्न: लग्न में राहु हो तो व्यक्ति कैसा होता है?**
- अभिषेक मल्होत्रा

उत्तर: लग्न का राहु व्यक्ति को जुझारू और अलग सोच वाला बनाता है। मेष, सिंह या धनु में स्थित राहु धन और प्रभाव देता है, पर साथ ही अहंकार और असंतुलन की परीक्षा भी लेता है।

■ **प्रश्न: राहु और चंद्रमा की युति शुभ है या अशुभ? कोई उपाय बताएं?**
-प्रभात तिवारी

उत्तर: राहु-चंद्रमा की युति से ग्रहण योग बनता है, जो मन को अस्थिर करता है। परंपराओं में मंत्र-जप, दान और चंदन की शीतल सुगंध को मन को संतुलन देने वाला माना गया है।

■ **प्रश्न: 'च' अक्षर से नाम शुरू होने वाले लोग कैसे होते हैं?**
-चारुलता चौहान

उत्तर: 'च' नाम के लोग कभी अत्यंत दयालु प्रतीत होते हैं, तो कभी व्यवहार में स्वार्थी भी लग सकते हैं। ये कम शब्दों में, पर साफ और सटीक बात कहना पसंद करते हैं। जीवन की यात्रा में अक्सर ऊंचे पदों और जिम्मेदारियों तक पहुंचते हैं। इनका धैर्य समुद्र की तरह गहरा होता है। सद्गुरुश्री कहते हैं कि, इनमें हर क्षेत्र में सफल होने की पूरी क्षमता होती है। चतुरता इनकी पहचान है। प्रारंभिक संघर्ष के बाद इन्हें जीवन में नाम, प्रतिष्ठा, समृद्धि और सफलता सहज ही मिलने लगती है। ये जमीन से आसमान तक का सफर तय करने वाले होते हैं और समय आने पर सभी को चकित कर देते हैं। अपने लक्ष्य को लेकर ये अत्यंत सजग रहते हैं और उसे पाने के लिए आवश्यक हर प्रयास करते हैं। इनके विचार स्पष्ट होते हैं और वाणी मुखर। बाहरी रूप चाहे जैसा हो, भीतर से ये मन के सुंदर और भावनाशील होते हैं। रिश्तों के प्रति गहरी संवेदनशीलता रखते हैं और परिवार के लिए मजबूत आधार बनते हैं। प्रेम और भावनाओं का इनके जीवन में विशेष स्थान होता है। हां, नकारात्मक टिप्पणियां इन्हें भीतर तक प्रभावित कर जाती हैं। बच्चों के साथ समय बिताना इन्हें अक्सर आनंद देता है। अपनी अलग पहचान के कारण ये भीड़ में भी अलग नजर आते हैं।

सप्ताह का ज्ञान

■ वास्तुशास्त्र में पूर्व दिशा का संबंध नेत्रों से होता है। यदि इस दिशा में शौचालय, भारी वस्तुएं, कचरा या ऊंचे वृक्ष हों, तो आंखों की रोशनी पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे दोषों से दृष्टि कमजोर होना, चश्मे की आवश्यकता पड़ना, नेत्र रोग जैसे मोतियाबिंद की आशंका भी बन सकती है। पूर्व दिशा को सदा स्वच्छ, हल्का और रोशनी से भरपूर रखना नेत्र के लिए अच्छा है।

बात पते की

कुंडली का तृतीय भाव : साहस, संवाद और आत्मबल का दर्पण

कुंडली का तृतीय भाव जीवन के उस मौन द्वार का प्रतीक है, जहां मनुष्य पहली बार अपने भीतर छिपे साहस को पहचानता है। यह भाव बताता है कि व्यक्ति केवल परिस्थितियों का साक्षी है या उनके सामने खड़े होने का संकल्प रखता है। तृतीय भाव में ही पुरुषार्थ का जन्म होता है, वह शक्ति जो भय के बावजूद आगे बढ़ने का साहस देती है। यह भाव वाणी, संवाद और अभिव्यक्ति का आधार है। व्यक्ति अपने विचारों को किस प्रकार शब्द देता है, उसकी भाषा में कितनी धार है, उसकी लेखनी में कितना प्रभाव है, इन सबका सूत्र यहीं से निकलता है। जिनकी कुंडली में यह भाव सशक्त होता है, वे शब्दों से राह बनाते हैं और संवाद के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। तृतीय भाव भाई-बहनों, विशेषकर कनिष्ठ सहोदर से संबंधों को भी दर्शाता है। ये संबंध जीवन के आरंभिक संघर्ष, प्रतिस्पर्धा और सहयोग की प्रथम पाठशाला होते हैं। यहीं से व्यक्ति सीखता है कि संबंधों में संतुलन कैसे रखा जाए और संघर्ष को पराक्रम में कैसे बदला जाए। छोटी यात्राएं भी इसी भाव के अंतर्गत आती हैं। ये यात्राएं केवल दूरी तय करने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि अनुभवों और दृष्टि-विस्तार का कारण बनती हैं। तृतीय भाव का एक सूक्ष्म आयाम मानसिक साहस से जुड़ा है, ध्यान, साधना और आत्मसंयम में निरंतरता रखने की क्षमता भी इसी से आती है। तृतीय भाव जीवन की वह चिंगारी है जो मनुष्य को चलना, बोलना और अपने भाग्य को स्वयं गढ़ना सिखाती है।

नोट: अगर, आपकी कोई समस्या है, तो आप अपनी जन्म तारीख, जन्म समय और जन्म स्थान के साथ अपना सवाल nbtmumbai@timesofindia.com पर मेल कर सकते हैं। Subject: NBT AstroNumero जरूर लिखें। चुनिंदा सवालों के जवाब छापेंगे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, वृत जैसलमेर

Phone No.- 02992-251808, E mail ID- sephedjsm@yahoo.com, secircle.jsl.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक-वृत/ जैसलमेर/ निविदा / 2025-26 / 7640-51 दिनांक:- 24.12.2025

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 06 / 2025-26

NIB code PHE2526A4959

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु दर संविदा के आधार पर राज्य सरकार के नियमों के अन्तर्गत पंजीकृत/ अपंजीकृत एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों/ संस्थाओं, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूरसंचार विभागों में पंजीकृत/अपंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है

बिड संख्या	UBN NUMBER	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (रुपये) 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रुपये)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	बिड संख्या
6(1) 2025-26	PHE2526WSRC10204	200.00	4,00,000/-	3000/-	2000/-	12 माह
6(2) 2025-26	PHE2526WSRC10205	200.00	4,00,000/-	3000/-	2000/-	12 माह
6(3) 2025-26	PHE2526WSRC10206	200.00	4,00,000/-	3000/-	2000/-	12 माह
6(4) 2025-26	PHE2526WSRC10207	100.00	2,00,000/-	2000/-	1500/-	12 माह
6(5) 2025-26	PHE2526WSRC10208	100.00	2,00,000/-	2000/-	1500/-	12 माह
6(6) 2025-26	PHE2526WSRC10209	50.00	1,00,000/-	1000/-	500/-	12 माह
6(7) 2025-26	PHE2526WSRC10210	200.00	4,00,000/-	3000/-	2000/-	12 माह
6(8) 2025-26	PHE2526WSRC10211	150.00	3,00,000/-	3000/-	2000/-	12 माह
6(9) 2025-26	PHE2526WSRC10212	150.00	3,00,000/-	3000/-	2000/-	12 माह

ऑन लाईन निविदा डाउनलोड /अपलोड करने के अंतिम तिथि एवं समय	: 27.01.2026 को 06:00 पी.एम. तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि एवं समय	: 28.01.2026 को 02:00 पी.एम.

शर्तें :-

बिड से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in and eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

Sd/-
अधीक्षण अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, वृत-जैसलमेर

DIPR/C/32/2026

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति रतलाम (म.प्र.)

क्रमांक / मंडी/साफ-सफाई/निर्माण/25-26/2033 रतलाम दिनांक 09.01.2026

साफ-सफाई हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्व संबंधितों को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मण्डी समिति रतलाम के [illegible] http://www.mptenders.gov.in पर [illegible] निविदा क्रमांक 2026_MPSAM_474438_1/2026_MPSAM_474439_1 है इस हेतु इच्छुक ठेकेदार/एजेंसी [illegible] दिनांक 12.01.2026 प्रातः 10.30 से दिनांक 02.02.2026 समय 5.30 सायं तक [illegible] 03 (तीन) वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य [illegible] 10 प्रतिशत राशि [illegible] कम से कम 20.00 लाख [illegible] दिनांक 05.02.2026 समय 5.30 तक प्रस्तुत करना अनिवार्य है। [illegible] दिनांक 06.02.2026 को प्रातः 12.30 बजे खोले जावेंगे।

नोट:- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार ऑनलाईन पोर्टल पर ही प्रदर्शित की जावेगी।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति रतलाम

भार साधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति रतलाम

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 11-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMFEM User: cci Time: 01-10-2026 23:07 Color:

जब सारी दुनिया नए साल का जश्न मना रही थी तो अमेरिका वेनेजुएला पर स्ट्राइक की तैयारी में जुटा था। लेकिन यह इकलौता मिलिट्री एक्शन नहीं है जिसे इस वक्त दुनिया देख रही है। गाजा से लेकर यूक्रेन तक, कॉन्गो से लेकर सूडान तक दुनियाभर में कई संघर्ष चल रहे हैं। कहीं हवाई हमले और गोलाबारी जारी है तो कहीं बस एक चिंगारी भर की देर है जो जंग की आग लगा सकती है। ऐसी स्थिति में आप और हम भी इससे अछूते नहीं हैं। इसी मामले पर पढ़ें, पूनम पाण्डे की स्पेशल रिपोर्ट

इन दिनों पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां तनाव कभी भी वैश्विक संकट में तब्दील हो सकता है। जानते हैं इसके बारे में:

दुनिया एक बार फिर बारूद के ढेर पर

ग्लोबल वॉर ज़ोन

ईरान - अमेरिका

ईरान में लगातार सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। करीब-करीब ईरान के सभी प्रांतों में व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं। दूसरी तरफ ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर और अधिक प्रदर्शनकारियों की मौत हुई तो वहां के अधिकारियों को कड़ी सजा मिलेगी। पिछले साल ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने के बाद ईरानी शासन को आगे और कार्रवाई करने की धमकी भी दी थी।

अमेरिका बनाम वेनेज़ुएला /कोलंबिया

3 जनवरी को अमेरिका ने वेनेजुएला पर मिलिट्री स्ट्राइक की। 'ऑपरेशन एब्सल्यूट रिजॉल्व' चलाकर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर ले गए। ट्रंप ने फिर कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपनी जान बचा लें।

इस्राइल-हमास

72 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए अब तक

2100 से ज्यादा इस्राइली मारे गए अब तक

7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इस्राइल पर अचानक हमला कर दिया। इसकी भनक तक इस्राइली फोर्सेस को लग नहीं पाई थी। जिसके बाद 8 अक्टूबर 2023 को इस्राइल ने युद्ध की घोषणा कर जवाबी हमला शुरू कर दिया। हमास ने इस्राइल के नागरिकों पर हमला किया और बंधक भी बनाया। इस्राइल ने गाजा पट्टी पर एयर स्ट्राइक, जमीनी हमले के साथ सैन्य अभियान शुरू किया। इस्राइल डिफेंस फोर्सेस के मुताबिक 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में करीब 1200 इस्राइली मारे गए और सैकड़ों लोगों का अपहरण कर उन्हें गाजा ले जाया गया। साथ ही कहा कि हमारा एक ही लक्ष्य है- हमास की सैन्य और प्रशासनिक क्षमताओं को पूरी तरह खत्म करना। गाजा हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक इस्राइल-हमास संघर्ष में अब तक गाजा में 72 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इस्राइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक 2100 से ज्यादा इस्राइली मारे गए हैं। गाजा में 78 फीसदी इमारतें या तो तबाह हो गई हैं या डैमेज हुई हैं। गाजा के आधे से ज्यादा इलाके में इस्राइली फोर्स है। इस्राइल और हमास के बीच शांति योजना के पहले चरण में सहमति तो बनी है लेकिन अब भी वहां इस्राइल डिफेंस फोर्सेस और हमास के बीच जंग जारी है।

रूस-यूक्रेन

11 लाख से ज्यादा रूस के सैनिकों की मौत या घायल

4 लाख से ज्यादा यूक्रेन के सैनिकों की मौत या घायल

15 हजार नागरिकों की मौत, 38 हजार जख्मी हुए यूक्रेन के, UN के मुताबिक

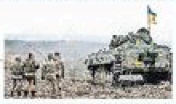

वैसे तो रूस-यूक्रेन के बीच रिश्ते 2014 से ही बिगड़ने लगे जब रूस ने क्रीमिया को बलपूर्वक अपने कब्जे में ले लिया था। फिर 24 फरवरी 2022 को रूस ने यूक्रेन पर स्ट्राइक कर दी और तब से रूस-यूक्रेन का युद्ध जारी है। रूस ने नाटो के विस्तार को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए कहा कि यूक्रेन अगर नाटो में शामिल होता है तो रूसी हितों के लिए खतरा है। यूक्रेन की आर्म्ड फोर्सेस के जनरल स्टाफ के अनुमान के मुताबिक अब तक इस जंग में रूस के 11 लाख से ज्यादा सैनिकों की या तो मौत हो चुकी है या घायल हुए हैं। यह उस नुकसान से कहीं ज्यादा है जो अमेरिका को दूसरे विश्व युद्ध में हुआ था। इसी तरह यूक्रेन के भी 4 लाख से ज्यादा सैनिक या तो घायल हैं या मृत। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार पर्यवेक्षण मिशन के अनुसार यूक्रेन में अब तक करीब 15 हजार नागरिकों की मौत हुई है और करीब 38 हजार नागरिक जख्मी हुए हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका भी बातचीत कर रहा है।

अमेरिका - ग्रीनलैंड

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर मिलिट्री स्ट्राइक के बाद कहा कि हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है। अमेरिका के पास पहले से ही ग्रीनलैंड में एक सैन्य अड्डा 'पिटुफिक स्पेस बेस' है। लेकिन ट्रंप यह पूरा द्वीप अमेरिका के कब्जे में चाहते हैं।

यहां कोई भी चिंगारी भड़का सकती है आग

चीन- ताइवान

अमेरिका के 'ऑपरेशन एब्सल्यूट रिजॉल्व' के बाद दुनियाभर में एक्सपर्ट की नजरें चीन-ताइवान पर हैं। ये चर्चा होने लगी है कि चीन भी ताइवान पर ऐसा कोई अटैक कर सकता है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और उस पर अपना दावा जताता रहा है। पिछले कुछ बरसों में चीन ने ताइवान के चारों तरफ बड़े पैमाने पर मिलिट्री एक्सरसाइज भी की है। हालांकि, एक्सपर्ट्स का यह कहना है कि इसकी संभावना कम है कि चीन तुरंत मिलिट्री एक्शन करेगा।

सूडान

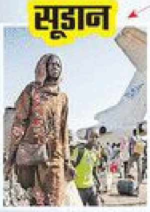

28 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं अब तक

1.5 करोड़ से ज्यादा लोग विस्थापित हुए

सूडान में वहां की राष्ट्रीय सेना (SAF) और अर्ध सैनिक बल (RSF) के बीच संघर्ष चल रहा है। 15 अप्रैल 2023 को सूडान में SAF और RSF के बीच हिंसक संघर्ष तब शुरू हुआ जब RSF ने कुछ शहरों में सैन्य गतिविधि बढ़ा दी। यह संघर्ष SAF और RSF के बीच सत्ता और नियंत्रण को लेकर है। इसमें अब तक करीब 1.5 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। इस संघर्ष को दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संकटों में से एक माना जा रहा है। पिछले साल नवंबर में अमेरिका ने मानवीय संघर्षविराम का प्रस्ताव दिया, जिसे RSF ने स्वीकार किया ताकि मानवीय सहायता पहुंच सके। लेकिन सूडानी सेना का कहना है कि RSF के आत्मसमर्पण के बिना यह युद्ध खत्म नहीं होगा। यूरोपियन यूनियन एजेंसी फॉर असाइलम के मुताबिक अब तक इस संघर्ष में 28 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

सऊदी - यमन

यमन में 2014 से हूती विद्रोहियों और वहां की सरकार के बीच गृहयुद्ध चल रहा है। हूती को ईरान का समर्थन है और सऊदी अरब का यमन सरकार को। तब से सऊदी-यमन सीमा पर मिसाइल, ड्रोन हमले होते रहे हैं।

कॉन्गो-रवांडा

7 हजार से ज्यादा लोगों की मौत पिछले साल जनवरी-फरवरी में

90 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए

अफ्रीकी देश कॉन्गो और रवांडा के बीच वैसे तो संघर्ष दशकों से चल रहा है लेकिन 2022 में फिर से पूर्वी कॉन्गो में M23 विद्रोही समूह की गतिविधियां तेज हो गईं। जनवरी 2025 में M23 ने कांगो के उत्तर किवु प्रांत की राजधानी गोमा और उसके बाद दक्षिण किवु का बुकेवु भी अपने कब्जे में ले लिया। यह एक जातीय संघर्ष है। जून 2025 में अमेरिका की मध्यस्थता में कांगो और रवांडा ने एक प्रारंभिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए लेकिन यह पूरी तरह लागू नहीं हुआ है। संघर्ष जारी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें हजारों लोग मारे गए और 90 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। UN ह्यूमन राइट्स काउंसिल के मुताबिक पिछले साल जनवरी-फरवरी में ही 7000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

थाइलैंड- कंबोडिया

इन दोनों देशों के बीच सीमा विवाद लंबे वक्त से है। पिछले साल ये भयंकर संघर्ष में तब्दील हो गया। विवाद प्रिह विहार मंदिर और उसके कुछ इलाके को लेकर है। शांतिपूर्ण समाधान के लिए ASEAN, चीन की कोशिश कर रहे हैं लेकिन स्थिति नाजुक बनी हुई है।

भारत-पाकिस्तान

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब देने और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए भारत ने पिछले साल मई में ही 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया। जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंक के 9 ठिकाने ध्वस्त किए गए। 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च हुआ फिर पाकिस्तान की गुहार के बाद दोनों देशों के DGMO ने तय किया कि 10 मई की शाम 5 बजे से सभी फायरिंग और मिलिट्री एक्शन रोक देंगे। हालांकि, भारत ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी है। मिलिट्री कमांडर्स भी कई मौकों पर कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर ट्रेलर था और फिर जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाओं की पूरी तैयारी है। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी ये कहा कि जो भी आतंकवादियों को बढ़ावा देगा, हम उसे जवाब देंगे। हमारे पास अगर बैरंग चिट्ठी भी आई तो हमें पता है जवाब किसे देना है।

कुछ बेहतरीन वॉर मूवीज

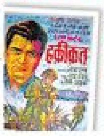

हकीकत (1964) 1962 के भारत-चीन युद्ध पर आधारित है। फिल्म में लद्दाख के मोर्चे पर तैनात भारतीय सैनिकों के बलिदान और देशभक्ति को दिखाया गया है।

Saving Private Ryan (1998) यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक सैनिक को बचाने के मिशन पर आधारित है। फिल्म युद्ध की क्रूरता को दर्शाती है।

Schindler's List (1993) यह होलोकॉस्ट पर आधारित है। फिल्म युद्ध के दौरान मानवीय करुणा और त्रासदी का मार्मिक चित्रण करती है।

Apocalypse Now (1979) यह वियतनाम युद्ध पर आधारित मशहूर फिल्म है। फिल्म युद्ध के मानसिक प्रभाव को गहराई से दर्शाती है।

Paths of Glory (1957) यह युद्ध-विरोधी सेंटीमेंट पर आधारित है। प्रथम विश्व युद्ध में फ्रांसीसी सेना में एक निरर्थक हमले के बाद कायरता के झूठे आरोप में फंसे सैनिकों की कहानी है।

कुछ बेहतरीन किताबें

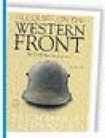

All Quiet on the Western Front लेखक: एरिच मारिया रेमार्क। यह प्रथम विश्व युद्ध में जर्मन सैनिकों के अनुभवों का चित्रण करती है।

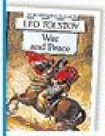

War and Peace लेखक: लियो टॉलस्टॉय नेपोलियन के रूस पर आक्रमण के दौरान रूसी समाज, इतिहास और व्यक्तिगत जीवन का एक उपन्यास है।

The Good War लेखक: स्टड्स टर्कल द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लोगों के अपने-अपने अनुभवों का एक मौखिक इतिहास है यह पूरी किताब।

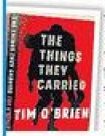

The Things They Carried लेखक: टिम ओ ब्रायन वियतनाम युद्ध के दौरान सैनिकों के भावनात्मक और शारीरिक बोझ को दर्शाती लघु कहानियों का संग्रह है।

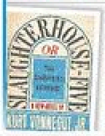

Slaughterhouse-Five लेखक: कर्ट वोनगुट युद्ध के आघात और टाइम ट्रैवल के जरिए द्वितीय विश्व युद्ध की भयावहता बताती है।

दुनियाभर में चल रहे इन युद्धों का हम पर क्या होता है असर?

कारोबार पर असर

विदेश मामलों के जानकार कमर आगा कहते हैं कि युद्ध कहीं भी हो, उसका असर पूरी दुनिया में पड़ता है। रूस-यूक्रेन युद्ध का हमें यह नुकसान हो रहा है कि रूस से आ रहे तेल की सप्लाई बंद होती जा रही है। तेल नहीं आएगा तो कीमतें बढ़ेंगी और इकॉनमी पर सीधा असर होगा। रूस-यूक्रेन दोनों जगह से हमारी सेना को मिलने वाले हथियार और उपकरण की सप्लाई पर असर हुआ है। इसी तरह इस्राइल-हमास संघर्ष का असर सिर्फ वहीं तक नहीं बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट में है। हमारे देश के कई लोग वहां रह रहे हैं। मिडिल ईस्ट के देश सऊदी अरब, UAE, इराक भारत के अहम एनर्जी पार्टनर हैं जो भारत की ऊर्जा की जरूरतें पूरी करते हैं। सप्लाई पर असर पड़ने का मतलब है कि भारत के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचता है। रेड सी के रास्ते आने वाले ट्रेड पर असर होने का सीधा मतलब है महंगाई क्योंकि तब शिपमेंट लंबे रास्ते से होकर आएगा या जाएगा। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत की संसद में विदेश मंत्रालय ने बताया था कि संघर्ष के कारण कई देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने की संभावना है।

आवाजाही पर असर

जब 'ऑपरेशन सिंदूर' चल रहा था तब भारत का एयर स्पेस बंद था। 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च होने से पहले ही सभी फ्लाइट को कैंसल कर दिया गया था। जिसका सभी लोगों पर असर हुआ। इस्राइल-हमास संघर्ष में भी दिल्ली-तेल अवीव की सीधी उड़ानों पर कई बार असर हुआ। ईरान, इराक और जॉर्डन के एयर स्पेस को भी कुछ वक्त के लिए बंद कर दिया गया था। जिससे भारत से यूरोप और अमेरिका जाने वाली इंटरनैशनल फ्लाइट का डायवर्जन हुआ और उन्हें लंबे रूट से जाना पड़ा। कई फ्लाइट कैंसल भी हुईं। जब इस्राइल ने ईरान पर मिसाइल हमले किए और पलटवार हुआ तब भी खाड़ी देशों ने अपना एयर स्पेस बंद कर दिया। 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ तो रूस ने पश्चिमी देशों की एयरलाइंस के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया, जिससे कई अमेरिकी और यूरोपीय एयरलाइनों को अपने फ्लाइट रूट बदलने पड़े। यह परेशानी आज भी बनी हुई है। युद्ध सिविल एविएशन क्षेत्र को बाधित करने वाला सबसे बड़ा फैक्टर है।

मिलिट्री पर असर

इन युद्धों ने जहां नए तरीके दिखाए वहीं दुनियाभर की मिलिट्री को नया नजरिया भी दिया। इस्राइल पर हमले के लिए हमास के लोग ग्लाइडर से आए और एक साथ अटैक किया। ड्रोन और एंटी ड्रोन का जिस तरह इस्तेमाल हुआ उससे भारत सहित दुनियाभर की सेनाओं ने एंटी ड्रोन क्षमता बढ़ाने पर काम शुरू किया। सटीक अटैक कर इस्राइल ने जिस तरह हिजबुल्लाह की पूरी लीडरशिप को खत्म किया उससे प्रिसिशन (सटीक) अटैक की क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी सबने काम शुरू किया। साथ ही जब हमास ने ताबड़तोड़ रॉकेट दागे और यह कहा जाने लगा कि इस्राइल का आयरन डोम उसे संभाल नहीं पाया, उसके बाद से दुनियाभर में एयर डिफेंस पर ज्यादा ध्यान दिया जाने लगा है। भारत ने भी एयर डिफेंस के लिए 'सुदर्शन चक्र मिशन' पर काम करने का ऐलान किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने भी ड्रोन की जरूरत को रेखांकित किया, वहीं लॉन्ग रेंज वेपन का जिस तरह इस्तेमाल हुआ। ये मान लिया गया था कि मौजूदा दौर में युद्ध 8-10 दिन से लंबा नहीं चलेगा वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध को देखते हुए लंबे चलने वाले युद्ध की तैयारी के हिसाब से मिलिट्री तैयार कर रही है।

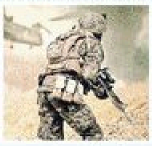

डिफेंस इंडस्ट्री की ग्रोथ

संघर्ष और युद्ध जहां मानवीय संकट लेकर आते हैं वहीं ये डिफेंस इंडस्ट्री के लिए तेजी से बढ़ने का मौका होते हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के वक्त जब भारत और पाकिस्तान को लेकर दुनियाभर में चर्चा हो रही थी कि किस देश के वेपन सिस्टम ने अच्छा प्रदर्शन किया या किस एयरक्राफ्ट को नुकसान हुआ तो ये दरअसल चर्चा से ज्यादा अलग-अलग देशों की डिफेंस इंडस्ट्री के बीच चलने वाला संघर्ष भी था और अपने प्रॉडक्ट बेचने की जंग भी।

सैन्य सामान की खरीद

40 हजार करोड़ रुपये की इमरजेंसी खरीद की पावर आर्म्ड फोर्सेस को दी गई मई 2025 में

67 हजार करोड़ रुपये के सैन्य सामान की खरीद की जरूरत को अगस्त 2025 में मंजूरी

158 हजार करोड़ रु. के सैन्य साजो सामान की खरीद की जरूरत को अक्टूबर-दिसंबर 2025 में मंजूरी

1.05 लाख करोड़ रुपये के सैन्य सामान और अपग्रेडेशन की जरूरत को जुलाई 2025 में मंजूरी

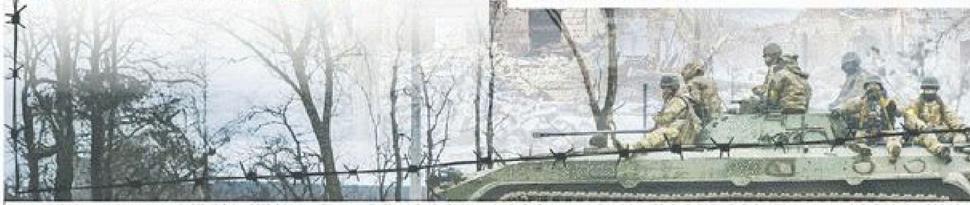

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 11-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMSEH User: cci Time: 01-10-2026 22:34 Color:

प्रेग्नेंसी में बढ़ जाए शुगर तो क्या करें?

मां बनना पहले भी चुनौती थी, आज भी है। अब खराब लाइफस्टाइल और IVF की बढ़ती जरूरत ने भी मां बनने वाली महिलाओं के शरीर मे हार्मोनल स्ट्रेस बढ़ा दिया है। लेकिन प्रेग्नेंसी मे शुगर लेवल का बढ़ना मां-बच्चे के लिए ठीक नही होता। फिर डिलीवरी के कुछ हफ्तों मे इसका स्तर सामान्य भी हो जाना चाहिए। क्या करे कि प्रेग्नेंसी के दौरान शुगर लेवल न बढ़े और बाद मे इसे कैसे मैनेज करे? इस बारे मे बता रहे है **लोकेश के. भारती**

Adobe Stock

एक्सपर्ट की राय

वैसे तो शुगर हमेशा ही काबू में करके रखना चाहिए, लेकिन प्रेग्नेंसी के दौरान शुगर का लेवल बढ़े तो इसे बहुत गंभीरता से लें। सही डाइट और दवा हमेशा वक्त पर लेनी चाहिए।

-डॉ. बिदिया गुप्ता, प्रफेसर Ob-Gyne, GTB

अगर प्रेग्नेंसी के दौरान किसी महिला का शुगर लेवल बढ़ा हुआ आया है तो यह बेहद जरूरी है कि वह महिला डिलीवरी के बाद भी अपने शुगर लेवल का ध्यान रखे।

-डॉ. नीलांचली सिंह, असोसिएट प्रफेसर, Ob-Gyne डिपार्टमेंट, AIIMS

करीब तीन-चार दशक पहले प्रेग्नेंसी के दौरान शुगर के मामले कम दिखते थे। उस वक्त महिलाओं का खानपान और लाइफस्टाइल अलग था। उन्हें पोषण की चीजें भले ही कुछ कम मिलती थी, लेकिन खानपान मे मिलावट इतनी नही थी। हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिहाज से देखें तो उनकी शादी वक्त पर ही जाती थी। इसलिए हेल्दी ओवम के साथ ही फर्टिलाइजेशन होता था। इससे मां और बच्चा, दोनों को ज्यादा चुनौतियों का सामना नही करना पड़ता था। महिलाएं फिजिकल ऐक्टिविटी करती रहती थी। घर के ज्यादातर काम खुद ही करती थी। लेकिन अब जॉब, करियर को मैनेज करने मे उनके पास अपने लिए ही वक्त कम हो गया है।

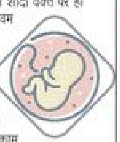

जंक फूड या पैक्ड फूड लगातार खाने से स्थिति ज्यादा खराब हो रही है। शायद इसी वजह से आजकल महिलाओं मे PCOS की परेशानी काफी बढ़ गई है। इसे Polycystic Ovary Syndrome कहते है। इसकी वजह से एग बनने की प्रक्रिया मे रुकावट आती है। इसका ठीक तरह से इलाज होना चाहिए। अपनी गाइनी डॉक्टर की सलाह माने। इलाज के बाद ही प्रेग्नेंसी की कोशिश करें। PCOS के मामले मे कई बार हार्मोन की गड़बड़ी सामने आती है। अगर स्थिति ऐसी हो कि यूटरस गर्भधारण के लायक न हो तो IVF (लैब मे फर्टिलाइजेशन कराकर) से प्रेग्नेंसी कसीव कराई जा सकती है।

प्रेग्नेंसी की प्लानिंग से पहले ये-ये टेस्ट ज़रूरी

- ब्लड ग्रुप और Rh फैक्टर टेस्ट Rh- (नेगेटिव) होने पर पार्टनर की जांच भी जरूरी
- कंप्लीट ब्लड काउंट (CBC) टेस्ट हीमोग्लोबिन, प्लेटलेट्स, आयरन के लिए
- ब्लड शुगर टेस्ट डायबीटीज का पता लगाने के लिए
- थायरॉइड फंक्शन टेस्ट (TFT) मे थायरॉइड हार्मोन TSH, T3, T4 की जांच। ये बच्चे के विकास के लिए अहम
- किडनी फंक्शन टेस्ट (KFT)
- लिवर के लिए LFT
- HIV, हेपटाइटिस B (BsAg), सिफलिस (VDRL) टेस्ट
- इनके अलावा भी कुछ टेस्ट कराए जा सकते है।

उस वक्त शुगर को काबू करना क्यों ज़रूरी

वैसे तो सभी तरह के टेस्ट अहम है। लेकिन शुगर की जांच इसलिए जरूरी है क्योंकि इसका सीधा असर मां और उनके बच्चे पर पड़ता है। प्रेग्नेंसी मे डायबीटीज होने की स्थिति को Gestational Diabetes Mellitus कहा जाता है। इसे काबू करने के वही उपाय है जो अमूमन सामान्य टाइप-2 शुगर के लिए अपनाए जाते है। सामान्य शुगर के मरीजों के मामले मे अगर शुगर काबू मे न रहे तो उनके अंगों पर बुरा असर पड़ने मे कुछ साल लग सकते है, लेकिन प्रेग्नेंसी के दौरान बढ़ी शुगर का असर मां और बच्चे, दोनों की सेहत पर जल्दी ही पड़ता है। डॉ. बिदिया गुप्ता कहती है कि अगर शुगर लेवल 200 से ज्यादा बढ़ा हुआ आए और यह लगातार बढ़ा ही रहे तो परेशानी की बात है।

5 सबसे खास बातें

1. प्रेग्नेंसी मे डॉक्टर जो टेस्ट बताए वे सभी वक्त पर जरूर करवाने चाहिए।
2. शुगर का टेस्ट बेहद अहम है। प्रेग्नेंसी के दौरान शुगर काबू मे न रहे तो मां और बच्चे पर सीधा असर पड़ता है।
3. जब बच्चे का वजन बहुत ज्यादा बढ़ता तो उसकी सेहत पर असर पड़ता है।
4. डिलीवरी के 6 से 12 हफ्ते के बाद भी शुगर काबू मे न आए तो मुमकिन है कि डायबीटीज हो चुकी है।
5. प्रेग्नेंसी के दौरान लगातार 200 से ज्यादा शुगर लेवल रहे तो भी नुकसान हो सकता है।

शुगर बेकाबू हो तो मां और बच्चे को कैसा खतरा

- प्रेग्नेंट महिला को हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है।
- महिला को बार-बार इंफेक्शन का खतरा रहता है। अक्सर ही सर्दी, खांसी और बुखार हो जाता है।
- सिजेरियन डिलीवरी की आशंका बढ़ जाती है।
- महिला को आगे चलकर टाइप-2 डायबीटीज का खतरा हो सकता है।
- प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद भी महिला का वजन काफी बढ़ जाता है।

इससे बच्चे की डिलीवरी के वक्त भी खतरा

मां के खून मे ज्यादा शुगर हो तो यह सीधे बच्चे तक पहुंचती है। डॉ. नीलांचली सिंह कहती है कि कई बार बच्चे का वजन गर्भाशय मे ही बढ़ जाता है। पैदा हुआ बच्चा बहुत ज्यादा वजन का होता है। यह 4-4.5 किलोग्राम से भी ज्यादा हो सकता है। वही एक सेहतमंद नवजात का वजन 2.5 से 3.5 किलोग्राम के बीच होना चाहिए।

- जब बच्चे का वजन ज्यादा बढ़ जाए तो उसे Macrosomia कहते है। ऐसे मामलों मे ज्यादा वजन की वजह से बच्चे की नॉर्मल डिलीवरी नही हो पाती। तब सी-सेक्शन यानी मां के पेट के निचले हिस्से और यूटरस मे चीरा लगाकर डिलीवरी कराई जाती है।
- ऐसे बच्चों की मेटाबॉलिक हेल्थ डिस्टर्ब हो सकती है।

पति या पार्टनर और परिवार की भूमिका अहम

जब नवजात घर मे आता है तो सभी खुशी मे शरीक होते है। फिर प्रेग्नेंसी के दौरान आने वाली चुनौती से निपटने मे भी सभी की भूमिका क्यों नही होनी चाहिए? मान लें, अगर डॉक्टर ने कुछ खास तरह की डाइट लेने के लिए कहा है जिसे तैयार करने की जरूरत है तो यह नही सोचना चाहिए कि यह सिर्फ उस महिला का काम है। इस बारे मे पति या परिवार को पूरी मदद करनी चाहिए।

- प्रेग्नेंसी के दौरान वॉक करना चाहिए। लेकिन यह भी ध्यान रखें कि महिला के साथ मे कोई न कोई मौजूद रहे। किसी महिला का मां बनना, सिर्फ उनकी जिम्मेदारी नही है। यह पति या पार्टनर और परिवार की भी जिम्मेदारी है। समय पर दवा ली या नही, इसका ध्यान भी परिवार वालों को रखना चाहिए।

क्या डिलीवरी के बाद भी शुगर बढ़ी रह सकती है?

- महिला को प्रेग्नेंसी से पहले शुगर नही थी पर प्रेग्नेंसी के दौरान शुगर लेवल बढ़ा तो ऐसे मे आमतौर पर डिलीवरी के कुछ हफ्तों के भीतर शुगर बिना दवा, इंसुलिन आदि के ही नॉर्मल हो जाती है। कुछ ही मामलों मे यह नॉर्मल नही होती। नॉर्मल न हो तो बाद मे भी जरूर ध्यान रखें।

प्रेग्नेंसी के दौरान शुगर काबू करने के तरीके

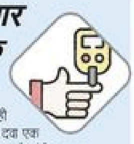

- यह दौर सामान्य नही होता, इसलिए एक्सरसाइज और डाइट पर ध्यान दें। यह सामान्य डायबीटीज मरीज वाला मामला नही होता। सामान्य डायबीटीज के मामले मे भी दवा एक बार खाना भूल जाएं तो शरीर पर असर पड़ता है, लेकिन उतना नही जितना प्रेग्नेंसी के दौरान बच्चे के विकास पर। इसलिए कोशिश हो कि हर दिन, हर डाइट के बाद डॉक्टर ने जिस तरह दवा या इंसुलिन लेने के लिए कहा हो, उसे उसी हिसाब से ले लें।

स्पेशल स्टोरी

क्या आप अपने लिए निकाल रहे हैं Me Time!

हफ्ते में 5-6 दिन काम और फिर छुट्टी का इंतजार। हममें से ज्यादातर की जिंदगी इसी लूप में फंसकर रह गई है। छुट्टी के दिन भी अपने लिए कोई वक्त नहीं बचता। लेकिन घर के बुजुर्ग और बच्चे या Gen-Z अपने लिए Me Time निकालना जानते हैं। वे हमें भी इसकी अहमियत समझाना चाहते हैं। आखिर क्यों जरूरी है Me Time, इसी बारे में बता रहे हैं **वरुण आनंद**

बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक विडियो वायरल हुआ, जिसमें बेंगलुरु मे रहने वाला 22 साल का एक लड़का अपनी फुल टाइम जॉब छोड़ने की बात कहता दिखा। विडियो के कैप्शन मे उसने लिखा कि वह अपने काम से नफरत करता है और जिंदगी जैसी चल रही है वह उसे बिलकुल भी पसंद नही है। उसने बताया कि उसके पास कोई बैकअप प्लान भी नही है, लेकिन कल जॉब छोड़ देगा। भले ही इसे बेहद बोल्ड स्टेप कहा जाए, लेकिन यह भी सच है कि हममे से ज्यादातर के मन मे ऐसी बातें चलती रहती है। हम रोजाना एक जैसी जिंदगी से ऊब जाते है और कई बार सोचते है कि सब छोड़ दिया जाए, लेकिन जिम्मेदारियां, हालात और समाज जैसे तमाम बंधन हमें रोक देते है। ऐसे मे जरूरत है Me Time को समझने और उसे जिंदगी मे शामिल करने की।

ज़िंदगी जी रहे हैं या काट रहे!

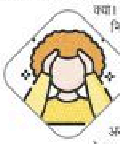

आज हममे से कई लोगों को यह पता भी नही होगा कि यह Me Time है क्या। दरअसल, इसका मतलब है खुद के लिए समय निकालना। ये ऐसे पल है, जब हम सब कुछ छोड़कर बस खुद के साथ होते है। खुद को रिलैक्स करते है, चाहे फिजिकली या मेंटली। एक प्राइवेट कंपनी के HR डिपार्टमेंट मे काम करने वाली आकृति कहती है, 'Me Time निकालने की बात कहना आसान है, लेकिन असल मे निकाल पाना मुश्किल है। हम जिम्मेदारियों मे इस तरह घिरे है कि अपने लिए 1 घंटा निकाल पाना भी मुश्किल है। जॉब के बाद घर आओ तो पति, बच्चों सबके काम होते है। मुझे क्रोशिए का शौक है। बीते दिनों इसकी फिर से शुरुआत की, लेकिन इसे आगे नही बढ़ा सकी। किसी मिडल क्लास फैमिली मे Me Time निकालना सपना है।' अर्चना की तरह ज्यादातर लोगों की यही शिकायत है। ऐसे मे सबसे पहले खुद से सवाल करना चाहिए कि हम जिंदगी जी रहे है या काट रहे है? अगर जवाब है काट रहे है तो इसे जीना शुरू करें।

अहमियत जानते हैं युवा और बुज़ुर्ग

19 साल के अतुल कहते है कि हमारे पैरंट्स को Me Time की वैल्यू बिलकुल नही पता। आज जब हर समय कुछ न कुछ काम चल रहा है तो ऐसे मे खुद को रिलैक्स करने के लिए अपना Me time निकालना बहुत जरूरी है, लेकिन पैरंट्स बस अपने काम मे जुटे रहते है। वहीं, अतुल के दादा कहते है कि हमारे टाइम मे मोबाइल नही था। हम सारे काम खुद करते थे, घंटों लाइनों मे लगते थे, फिर भी खुश थे। अपने लिए समय निकालते थे। दोस्तों के साथ बैठकर गप्पे भी मारते थे। हम तो आज रिटायरमेंट के बाद भी अपने लिए समय निकाल रहे है, लेकिन ये नौकरी और बिजनेस मे पैसों के पीछे भागने वाले टाइम मैनेजमेंट करना नही जानते। तभी ये अंदर से खुश नही दिखते।

...पर हमारा वक्त कहां गुम हो गया?

आज टेक्नॉलजी, मोबाइल आदि ने हमारे तमाम काम आसान कर दिए है। न बैंक और सिलिंडर की लाइन मे लगना और न ही राशन के लिए हर बार मार्केट जाना। हर काम चुटकियों मे। फिर भी शिकायत रहती है कि टाइम नही है तो Me Time कैसे निकालें। चीफ क्लिनिकल साइकॉलजिस्ट डॉ. नुपुर सिंघल कहती है कि हम गैरजरूरी जगहों पर टाइम देने लगे है और शिकायत करते है कि टाइम नही बचता। मोबाइल जो सुविधा का साधन था, आज सुविधा से ज्यादा मनोरंजन का साधन बन चुका है। अपने मोबाइल के स्क्रीन टाइम को ही देख लें तो समझ जाएंगे कि कहां टाइम बर्बाद कर रहे है। इसके अलावा आज हम दिखावे मे ऐसे पड़े है कि खुद को दूसरे से ऊपर दिखाने की होड़ है। अच्छे कपड़े, विदेश मे छुट्टियां मनाना आदि, ताकि सोसाइटी को दिखा सकें कि हम कितने खुश है। जब हम दिखावे और इन चीजों को प्रायॉरिटी बना लेंगे तो खुद के लिए कहां समय बचेगा। यह हमें तय करना है कि हमारी प्रायॉरिटी ये सब है या अपनी मेंटल वेलनेस।

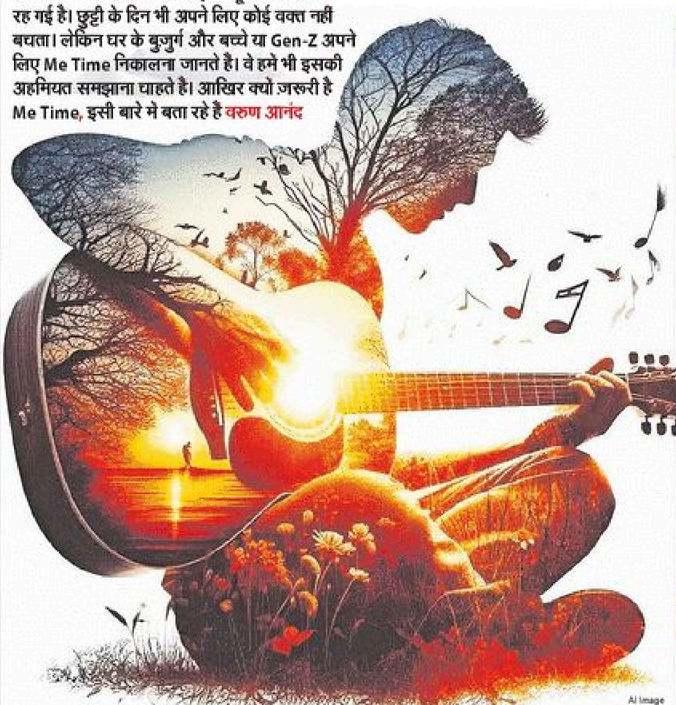

AI Image

आखिर क्यों है ज़रूरी Me Time

- **डिजिटल ओवरलोड से राहत:** फोन और सोशल मीडिया से दूरी दिमाग को हल्का करती है।
- **मेंटल ब्रेक:** लगातार काम के दबाव से दिमाग को आराम और सांस लेने का मौका मिलता है।
- **तनाव कम करना:** थोड़ी देर खुद के साथ रहने से स्ट्रेस और बेचैनी धीरे-धीरे घटने लगती है।
- **खुद से जुड़ने के लिए:** अकेले समय मे हम अपनी जरूरतों, सीमाओं को बेहतर समझ पाते है।
- **इमोशनल बैलेंस के लिए:** गुस्सा, चिड़चिड़ापन, थकान पर कंट्रोल करने मे मदद मिलती है।
- **फोकस बढ़ाने के लिए:** दिमाग रीसेट होता है और काम पर ज्यादा फोकस कर पाते है।
- **क्रिएटिविटी के लिए:** दिमाग खाली होता है तो नए आइडिया, सोच व क्रिएटिविटी जन्म लेती है।

एक्सपर्ट की राय

एक शख्स तभी खुश रह सकता है जब वह मेंटली फिट हो और इसके लिए ज़रूरी है खुद से प्यार करे, खुद की रिस्पेक्ट करे। जब हम खुद के बारे मे सोचेंगे तभी अपना ख्याल रख सकेंगे और तभी अपने लिए Me Time निकाल सकेंगे।

-डॉ. दीपक गुप्ता, सायकायट्रिस्ट, सर गंगाराम हॉस्पिटल

जिस तरह हम दांतों की सफाई के लिए समय निकालते नही है, वह हमारे रुटीन का हिस्सा होता है, उसी तरह Me Time को आदत बनाएं। दांतों की सफाई फिजिकल हेल्थ के लिए ज़रूरी है तो Me Time मेंटल हेल्थ के लिए।

-डॉ. नुपुर सिंघल, चीफ क्लिनिकल साइकॉलजिस्ट और को-फाउंडर, द थ्री सर्कल

7 तरह के रेस्ट

Me Time का मकसद रिलैक्स करना है और इसके लिए जरूरी है कि 7 तरह के रेस्ट लें: फिजिकल, मेंटल, इमोशनल, सोशल, डिजिटल, सेंसरी, क्रिएटिव

क्या-क्या कर सकते हैं Me Time में

एक प्राइवेट कंपनी मे सीनियर एग्जीक्यूटिव गणेश कहते है कि कुछ भी हो जाए मैं रात मे किताब पढ़ने के लिए समय जरूर निकालता हूं। इससे फ्रेश महसूस करता हूं। Me Time मे क्या-क्या कर सकते है? इसका जवाब सबके लिए अलग-अलग हो सकता है। साइकायट्रिस्ट डॉ. दीपक गुप्ता कहते है, 'अगर किसी ने बहुत ज्यादा फिजिकल ऐक्टिविटी की है और वह सिर्फ सोकर फिजिकली रिलैक्स करता है तो यह उसका Me Time कहा जाएगा। पर इसी के साथ उसे यह भी ध्यान रखना है कि फैमिली को भी टाइम दे, स्वार्थी न बने। Me Time के लिए लाइफ को बैलेंस करना जरूरी है।'

ऐसे चुराएं अपने लिए वक्त

- **छोटी शुरुआत करें:** रोज 10-15 मिनट भी काफी है, जरूरी नही कि घंटों का समय हो।
- **फोन से दूरी बनाएं:** उस वक्त मोबाइल, नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया से ब्रेक लें।
- **फैमिली को बताएं:** घर वालों को साफ बता दें कि यह समय हमारे लिए जरूरी है।
- **न कहना सीखें:** हर कॉल, मेसेज और काम का तुरंत जवाब दिया जाए यह जरूरी नही।
- **आदत बनाएं:** Me Time को भी रुटीन और आदत मे शुमार करें।

Gen-Z के रिलैक्स करने का फंडा

Gen-Z अपनी जिंदगी और खुशी का महत्व अच्छे से समझते है, इसलिए रिलैक्स करने के लिए अपने लिए भरपूर Me Time निकालते है। अतुल का साफ कहना है कि खुद के लिए समय नही निकाला तो जिंदगी जीने का फायदा ही क्या? वैसे Gen-Z अब Me Time से एक कदम आगे बढ़ गए है। सोशल मीडिया पर Gen-Z का 'Doing Nothing' ट्रेंड तेजी से उभर रहा है, जिसमे वे कुछ मिनटों से लेकर घंटों तक बिना कुछ किए बैठे रहने के विडियो बनाते है। न कोई बातचीत, न ऐक्टिंग। पहली नजर मे यह आलस लग सकता है, लेकिन असल मे यह लगातार प्रोडक्टिव दिखने, रील कल्चर और भागदौड़ के दबाव के खिलाफ एक खामोश जवाब है। यह ट्रेंड बताता है कि आज की पीढ़ी कुछ न करने को भी खुद के साथ रहने, दिमाग को ब्रेक देने और Me Time के एक नए रूप के तौर पर देखने लगी है।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 11-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMVIVI User: cci Time: 01-10-2026 22:34 Color:

टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत में खेलना बहुत बड़ा फायदा है। हम इन परिस्थितियों में खेलने का अनुभव हासिल करना चाहते हैं। हम निश्चित रूप से अभी वनडे सीरीज पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। -माइकल ब्रेसवेल, कप्तान, न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम

51 विकेट लिए हैं जवागल श्रीनाथ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में। वह न्यूजीलैंड और भारत के बीच हुए वनडे मैच में सर्वाधिक विकेट लेने वाले प्लेयर हैं

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड टीम का कप्तान कौन है?
A) डेरिल मिचेल B) माइकल ब्रेसवेल C) मिचेल हे D) केन विलियमसन
2. भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए वनडे मैच में सर्वाधिक विकेट किस बोलर ने लिए हैं?
A) जसप्रीत बुमरा B) शेन बॉन्ड C) टिम साउदी D) जवागल श्रीनाथ

कल के जवाब
1. C) रांची 2. D) जापान

लकी WINNER

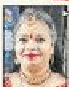

1. संगीता पुरिया, लखनऊ, यूपी
2. अयान तोमर, दाबड़ी गांव, दिल्ली
3. दिनेश वर्मा, जोगेश्वरी, मुंबई

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज, कोहली और रोहित पर होगा पूरा फोकस

भारत के सामने कीवियों पर काबू पाने का चैलेंज

भारत Vs न्यूजीलैंड
वनडे सीरीज, पहला मैच

■ **एजेंसियां, वडोदरा:** न्यूजीलैंड की टीम पिछली बार साल 2024 में जब भारत दौरे पर आई थी तब उसने घरेलू धरती पर टेस्ट फॉर्मेट में भारत के बरसों से चले आ रहे दबदबे को समाप्त किया था। अब वनडे फॉर्मेट में भारत में भारत के दबदबे को चुनौती देने के लिए न्यूजीलैंड की टीम एक बार फिर भारत में है। हालांकि न्यूजीलैंड टीम ने भारत में अभी तक न कोई वनडे सीरीज जीती है और ना ही कोई वनडे टूर्नामेंट जीता है। इसके बावजूद वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी कर रहे सितारों से सजी भारतीय टीम को अपनी पूरी ताकत के साथ नए चेहरों और युवा जोश के साथ भारत में नई उड़ान भरने पहुंची कीवी टीम की चुनौती का सामना करना होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ आज खेले जाने वाले सीरीज के पहले वनडे में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी। न्यूजीलैंड की टीम नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिए से सीरीज अहम है। अगले महीने होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के कारण वनडे सीरीज की अहमियत थोड़ी कम है लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है।

वाइट बॉल चैलेंज

आमने-सामने

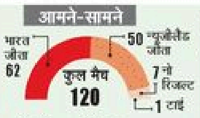

संभावित प्लेइंग XI

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रविंद्र जाडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज

न्यूजीलैंड: डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), निक केली, विल यंग, डेरेल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जेमीसन, माइकल रे और आदित्य अशोक

पिच व मौसम: वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में यह पहला मेंस वनडे इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। यहां खेले गए दो डे-नाइट विमिंस वनडे मैचों में फ्लडलाइट्स के नीचे भारतीय पेसर्स को मदद मिली थी और भारत ने दोनों मुकाबले 100 से ज्यादा रन के अंतर से जीते थे। मौसम खेल के अनुकूल रहेगा। तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा और बारिश की कोई संभावना नहीं है।

टेलिकास्ट: दोपहर 1:30 बजे से स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोहॉटस्टार पर

श्रेयस प्रयोग पर लगाएंगे लगाम: पिछले साल के अंत में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था। श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लगने की उम्मीद है और 31 वर्षीय इस बल्लेबाज का एक बार फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है। केएल राहुल की विकेटकीपर-बैटर के रूप में भूमिका जारी रहने से ऋषभ पंत के इलेवन में शामिल होने की संभावना कम है।

1 शतक लगाते ही विराट कोहली भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे मैचों में सर्वाधिक सेंचुरी का रेकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। फिलहाल वह और वीरेंद्र सहवाग 6-6 शतक के साथ टॉप पर हैं

15 फिफ्टी प्लस पारियां खेली हैं विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में खेली 33 पारियों में। ये सर्वाधिक है। सचिन तेंडुलकर (13) लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं

गिल को तकदीर पर पूरा भरोसा

बड़ोदरा: टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर किए जाने के बाद भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने शनिवार को कहा कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी मौका मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती वनडे से पहले गिल ने कहा, 'मेरा मानना है कि मैं वहीं हूं जहां मुझे होना चाहिए। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। जाहिर है एक खिलाड़ी के तौर पर आपको यह विश्वास होता है कि अगर आप वर्ल्ड कप में खेलते हैं। तो आप अपनी टीम के लिए और अपने देश के लिए जीत हासिल करेंगे।' गिल ने कहा, 'मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूं और टी20 टीम को मेरी शुभकामनाएं। मुझे पूरी उम्मीद है कि वे हमारे लिए वर्ल्ड कप जीतेंगे।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस से

कप्तान बनने के बाद यह गिल के लिए वनडे में सिर्फ दूसरी सीरीज होगी

जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम से बाहर किए जाने का उन पर मानसिक रूप से बुरा असर पड़ सकता है, तो गिल ने कहा, 'एक खिलाड़ी होने के नाते सब कुछ वर्तमान में जीने के बारे में है। आप जितना अधिक वर्तमान में रहेंगे जीत की उतनी संभावनाएं बढ़ जाएंगी।'

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

खास रेकॉर्ड कर रहा इंतजार

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज में दो शतक जमाने वाले विराट कोहली जब न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में उतरेंगे तो कई रेकॉर्ड उनका इंतजार कर रहे होंगे। विराट अभी तक दुनिया के 34 अलग अलग मैदान पर वनडे इंटरनैशनल में कुल 53 शतक लगा चुके। न्यूजीलैंड के खिलाफ आज से शुरू हो रही सीरीज के तीन वेन्यू वडोदरा, राजकोट और इंदौर हैं और इन तीनों ही मैदान पर विराट के बल्ले से वनडे में एक भी शतक नहीं आया है। फिलहाल विराट सर्वाधिक वेन्यू पर शतक लगाने के मामले में सचिन तेंडुलकर के साथ संयुक्त शीर्ष पर हैं। यदि वह इस सीरीज में एक भी शतक लगा लेते हैं तो सर्वाधिक वेन्यू पर वनडे शतक का इंटरनैशनल रेकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे।

जॉर्जिया के ऑलराउंड खेल से जायंट्स जीते

■ **एजेंसियां, नवी मुंबई:** कप्तान एश्ले गार्डनर (65 रन, 41 बॉल, 6 फोर, 3 सिक्स) और जॉर्जिया वेयरहैम (27 रन, 10 बॉल, 1 फोर, 3 सिक्स, 2/30) की बदौलत गुजरात जायंट्स ने विमिंस प्रीमियर लीग (WPL) के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को यूपी वॉरियर्स को 10 रन से मात दी। ऑस्ट्रेलिया की युवा बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड की 40 गेंद में खेली गई 78 रन की शानदार पारी भी यूपी को जीत नहीं दिला सकी।

शतकीय साझेदारी: पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी जायंट्स ने चार विकेट पर 207 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम को तेज शुरुआत सोफी डिवाइन (38 रन, 20 बॉल, 5 फोर, 2 सिक्स) ने दिलाई, लेकिन वह छठे ओवर में आउट हो गईं। इसके बाद अनुष्का शर्मा (44 रन, 30 बॉल, 7 फोर) और कप्तान गार्डनर ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी की। अंतिम ओवरों में वेयरहैम ने सिर्फ 10 गेंद में नाबाद 27 रन ठोकते हुए स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। भारती फुलमाली सात गेंद में 14 रन बनाकर नाबाद रहीं।

विमिंस प्रीमियर लीग 2026

पहले ओवर में ही लगा झटका: लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वॉरियर्स की शुरुआत खराब रही और किरण नवगिरे पांचवीं गेंद पर रेणुका सिंह ठाकुर का शिकार बन गईं। इसके बाद कप्तान मेग लैनिंग (30) और लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर उम्मीद जगाई। हालांकि दसवें और 11वें ओवर में यूपी ने महज एक रन के भीतर लैनिंग, हरलीन देओल (0) और दीप्ति शर्मा (1) के विकेट गंवा दिए, जिससे टीम दबाव में आ गई। लिचफील्ड ने आठ फोर और पांच सिक्स के साथ संघर्ष जारी रखा लेकिन उनके आउट होते ही जायंट्स हावी हो गए।

जॉर्जिया बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

ब्रीफ स्कोर

गुजरात जायंट्स: 207/4 रन (एश्ले गार्डनर 65, अनुष्का शर्मा 44 रन, सोफी एक्लेस्टन 2/32, शिखा 1/29)
यूपी वॉरियर्स: 197/8 (लिचफील्ड 78 रन, मेग लैनिंग 30 रन, रेणुका सिंह 2/25, जॉर्जिया वेयरहैम 2/30)

हरमनप्रीत और ब्रंट ने खेली धमाकेदार पारी

भारतीय स्टार हरमनप्रीत कौर और नैट स्किवर-ब्रंट ने यह साबित कर दिया कि वे सीमित ओवरों के क्रिकेट में सबसे खतरनाक बैटर्स में क्यों गिनी जाती हैं। दोनों ने शानदार नाबाद अर्धशतक जड़ते हुए दिन के दूसरे मैच में मुंबई इंडियंस को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 विकेट पर 195 रन के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। हरमन ने आठ चौके व तीन छक्कों की मदद से 42 गेंदों में नाबाद 74 रन जड़े। ब्रंट ने 46 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 70 रन बनाए।

फटाफट खबरें

भारत पहुंची फीफा ट्रॉफी

■ **नई दिल्ली:** फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ट्रॉफी शनिवार को भारत पहुंची। राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और फीफा एंबेसडर और ब्राजील के पूर्व खिलाड़ी गिल्बर्टो सिल्वा ने ट्रॉफी का अनावरण किया। इस मौके पर ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे भी मौजूद थे।

सबालेंका फाइनल में

■ **ब्रिस्बेन:** वर्ल्ड नंबर-1 आरिना सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनैशनल टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कैरोलिना मुखोवा को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने चौथे मैच पॉइंट पर जीत पक्की की। फाइनल में उनका सामना यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक से होगा। मेंस सिंगल्स फाइनल डेनियल मेदवेदेव और ब्रैंडन नाकाशिमा के बीच होगा।

मोरक्को सेमीफाइनल में

■ **रबात:** ब्राहिम डियाज के गोल की बदौलत मोरक्को ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के क्वॉर्टर फाइनल में कैमरून को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। डियाज ने 27वें मिनट में बढ़त दिलाई, जबकि इस्माइल सैबरी ने 74वें मिनट में दूसरा गोल किया। अन्य क्वॉर्टर फाइनल में सेनेगल ने माली को 1-0 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

प्लेयर्स के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है असर: नजमुल

■ **एजेंसियां, ढाका:** बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने अगले महीने भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बनी अनिश्चितता पर चिंता जताते हुए कहा है कि इसका असर खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, लेकिन टीम हालात को ऐसे संभालने की कोशिश कर रही है जैसे 'सब कुछ सामान्य है।' भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी उस वक्त विवादों में आ गई, जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए ICC से अपने मैच भारत से बाहर कराने की मांग की। शंटो ने कहा, 'आप देखेंगे कि हर वर्ल्ड कप से पहले कुछ न कुछ जरूर होता है। तीन वर्ल्ड कप खेलने के अनुभव से मैं कह सकता हूं कि इसका असर पड़ता है। मैं इतना जरूर कहूंगा कि ऐसी परिस्थितियों में अभिनय करना भी मुश्किल होता है। सही मानसिकता के साथ अगर हम वर्ल्ड कप में जाएं और कहीं भी खेलें, तो हमारा ध्यान इस पर होना चाहिए कि टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ कैसे दें।' शंटो ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के निदेशक एम नजमुल इस्लाम द्वारा पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को 'भारत का एजेंट' बताए जाने की कड़ी आलोचना की।

वर्ल्ड कप वेन्यू विवाद

बांग्लादेश टेस्ट कप्तान नजमुल शंटो

पाइपर्स का खिताब पर कब्जा

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** एसजी पाइपर्स ने श्राची बंगाल टाइगर्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर विमिंस हॉकी इंडिया लीग (WHIL) का खिताब अपने नाम किया। नियमित समय में दोनों टीम के बीच 1-1 से मुकाबला ड्रॉ रहा था। यह इस सीजन तीसरा मौका था, जब पाइपर्स और बंगाल टाइगर्स के बीच मुकाबले का नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। लीग स्टेज के दौरान बंगाल टाइगर्स ने दोनों मुकाबले पेनल्टी शूटआउट में जीते थे।

विमिंस हॉकी इंडिया लीग

पाइपर्स की टीम पिछले सीजन पॉइंट्स टेबल में चौथे और आखिरी स्थान पर रही थी, लेकिन इस सीजन टीम ने खिताब जीतने का कमाल किया। वहीं, पिछली बार तीसरे स्थान पर रहने वाली बंगाल टाइगर्स इस साल रनर अप रही। एसजी पाइपर्स की गोलकीपर बांसरी सोलंकी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

बंगाल को शुरुआती बढ़त: फाइनल का दबाव दोनों टीमों पर बराबर दिख रहा था। दोनों टीमों ने खिताबी मुकाबले के पहले क्वॉर्टर में संयम दिखाया। इस क्वॉर्टर में एक भी गोल नहीं हुआ। हालांकि, दूसरा क्वॉर्टर बंगाल टाइगर्स के लिए लकी साबित हुआ, जहां उनकी ओर से लालरेमसियामी ने गोल दागा।

आखिरी क्वॉर्टर में राहत की सांस: पाइपर्स एक गोल से पीछे थी और उसके खेमे में बेचैनी बढ़ रही थी। बंगाल को जीतने के लिए सिर्फ लीड कायम रखनी थी, लेकिन प्रीति दुबे ने विपक्षी टीम के डिफेंस में सेंध लगाते हुए पाइपर्स को बराबरी पर ला खड़ा किया।

जश्न में डूबी पाइपर्स की प्लेयर्स

टीम पर पूरे मैच के दौरान भरोसा था। हमें पता था कि हम आखिरी मिनट तक गोल कर सकते हैं। लीग स्टेज में बंगाल से शूटआउट में हारे थे, लेकिन फाइनल में हमने बाजी पलट दी। - *नवनीत कौर, कप्तान, एसजी पाइपर्स*

स्कोरलाइन
पाइपर्स 1, बंगाल टाइगर्स 1

सेमीफाइनल में थम गया सिंधु का सफर

■ **एजेंसियां, कुआलालंपुर:** भारतीय शटलर पीवी सिंधु का सीजन के पहले टूर्नामेंट मलेशिया ओपन सुपर 1000 में सफर शनिवार को सेमीफाइनल में थम गया। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु को विमिंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में चीन की वर्ल्ड नंबर-2 वांग झियी के खिलाफ सीधे गेम में 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। पैर की चोट के कारण पिछले साल अक्टूबर से कोर्ट से बाहर रहीं सिंधु इस टूर्नामेंट में वापसी कर रही थीं। अगले सप्ताह इंडिया ओपन सुपर 750 की तैयारी कर रही सिंधु ने मैच के बाद कहा कि वह अब आराम करने और टूर्नामेंट की तैयारी करने पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगी।

मलेशिया ओपन

शटलर पीवी सिंधु

नीरज ने कोच यान के साथ करार किया खत्म

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट भारतीय स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने चेक रिपब्लिक के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी को एक सीजन के बाद समाप्त करने का फैसला किया है। नीरज ने करार खत्म करने के पीछे की वजह नहीं बताई, लेकिन इस सफर को उन्होंने 'प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा जुनून' से भरा बताया। जैवलिन थ्रो में वर्ल्ड रेकॉर्ड धारी जेलेज्नी के मार्गदर्शन में ही नीरज ने पिछले सीजन में पहली बार 90 मीटर के मार्क को पार की थी। नीरज ने कहा कि बचपन से जिस ऐथलीट को वह अपना आदर्श मानते थे, उन्हीं से ट्रेनिंग लेना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा। नीरज ने कहा, 'यान जेलेज्नी के साथ काम करने से मुझे कई नए विचार मिले। तकनीक, लय और मूवमेंट को लेकर उनकी सोच अद्भुत है। हर सेशन से मैंने बहुत कुछ सीखा।' 59 वर्षीय जेलेज्नी ने भी इस साझेदारी को सकारात्मक अनुभव करार दिया।

नीरज चोपड़ा और यान जेलेज्नी

सर्द रात के बीच बॉक्सर्स से खाली करवा दिए गए कमरे

■ **पीटीआई, ग्रेटर नोएडा:** नैशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल से एक दिन पहले मुकाबलों से लौटने के बाद शुक्रवार रात कई टीमों के बॉक्सर्स, कोचों और सपोर्ट स्टाफ को उनके आवंटित आवास खाली करने के लिए कह दिया गया, जिससे ठंड भरी रात में प्लेयर्स असहज स्थिति में पहुंच गए। यह समस्या लगातार दूसरे दिन सामने आई जिसमें कई अधिकारियों ने दावा किया कि उनके कमरों की बुकिंग की पुष्टि नहीं हुई है।

रिसेप्शन में रखा था सामान: टीम के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'जब हम प्रतियोगिता स्थल से लौटे तो हमें कमरे खाली करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि हमारी बुकिंग नहीं हुई थी।' एक अन्य अधिकारी ने आरोप लगाया कि दिन के मुकाबलों के बाद जब वे लौटे, तो उनका सामान पहले ही पैक कर रिसेप्शन में रख दिया गया था। दस डिग्री सेल्सियस से भी कम तापमान में रात के समय बाहर खड़े मुक्केबाजों और कोच की तस्वीरें मुक्केबाजी समुदाय में वायरल हुईं। एक कोच ने कहा, 'हमारे कमरों में ताले नहीं थे। जब हम इवेंट से लौटे, तो हमारे बैग पहले ही पैक कर रिसेप्शन में रख दिए गए थे।' उन्होंने यह भी कहा कि आयोजकों से बार-बार संपर्क करने के प्रयास व्यर्थ रहे।

BAI ने की व्यवस्था: भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (BAI) ने कहा कि स्थिति की जानकारी मिलने के बाद उसने तुरंत कदम उठाए। BAI ने कहा, 'तत्काल कदम उठाए गए हैं ताकि प्रभावित खिलाड़ियों को आवास प्रदान किए गए।'

नैशनल बॉक्सिंग में अव्यवस्था

कमरे से बाहर किए जाने के बाद आवास के बाहर नई व्यवस्था का इंतजार करते बॉक्सर्स

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज आपके कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इससे व्यथित होकर आपके साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। रात्रि में प्रियजन के स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी हो सकती है। सायंकाल में स्थिति में सुधार होगा।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आज का दिन परिजनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सायंकाल के समय कोई पुराना दोस्त अतिथि बनकर आ सकता है, जिससे आपको हर्ष होगा। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होंगे।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आज का दिन शुभ है। पिता के आशीर्वाद तथा उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, कार्य उत्साह से करें। सायंकाल से लेकर रात्रिपर्यंत किसी भी प्रकार के वाहनों के प्रयोग से सावधानी बरतें।

CANCER 22 Jun - 22 Jul
राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का प्रभाव होकर परिश्रम आज अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा। व्यावसायिक योजनाओं को भी गति मिलेगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। जोश व भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है।

LEO 23 Jul - 22 Aug
आज आपको राजनीतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। शासन के प्रति उचित पूर्ति भी होगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे, रुका हुआ कार्य भी संपन्न होगा। स्वास्थ्य के मामले में थोड़ी सावधानी बरतें। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के साथ बिताएंगे। खान-पान का विशेष ध्यान रखें।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज के दिन तत्परता से जिस भी कार्य को करेंगे उसमें लाभ होगा। परिजनों से सुख मिलेगा और मंगल कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें। घर की समस्या सुलझ जाएगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आपकी आय के नए स्रोत बनेंगे। जनप्रिय आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें। जीवनसाथी का सहयोग व सान्निध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद रहेगी।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, कीर्ति की वृद्धि कराएगा। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा और प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सायंकाल में प्रियजनों से भेंट एवं रात्रि में सैर-सपाटे का अवसर प्राप्त होगा।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज सुखोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्च होगा। स्वास्थ्य सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में कर्मचारी या किसी संबंधी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये-पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। दिन में कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। सायंकाल में धार्मिक स्थानों की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
राशि स्वामी शनि की द्वितीय स्थिति के कारण आज परिवार में किसी को अचानक शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय-विक्रय से पहले उसके सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सायंकाल में परिजन के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
वैवाहिक जीवन आनंददायक बीतेगा। आज पास व दूर की सत्संगीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनेस में पार्टनर से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक भार से छुटकारा मिलेगा। उनकी मेहनत रंग लाएगी। सायंकाल के समय घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका दिमाग भी रचनात्मक होगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष आपको राजपाट से प्रारंभ हो रहा है। वर्ष के स्वामी गुरु, मंगल बह बने हैं। जीवन साझिनी-देहधारी प्रधान बह वर्षपति बुध की उत्तम स्थिति जनवरी शेष में आकस्मात राज्य कृपा कारक है। फरवरी में काफी समय से टल रही योजनाएं पूरी होंगी। इष्ट मित्रों से सहयोग का समाचार मिलेगा। मार्च महीने की शुरुआत से लेकर अप्रैल महीने के अंत तक में नई खोज करेंगे। इस दौरान रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी। साथ ही राज समाज में सम्मान बढ़ेगा, प्रतियोगिता में विजय होगी। मई महीने में न चाहते हुए भी कहीं जाना पड़ेगा। जून-जुलाई में सभी लोग आपके कार्य कौशल की प्रशंसा करेंगे। अगस्त महीने से लेकर सितंबर महीने तक आपके रहन-सहन का स्तर बढ़ेगा। अक्टूबर और नवंबर के मध्य में रोग-ऋण से मुक्ति मिलेगी। दिसंबर से आर्थिक पक्ष सुदृढ़ रहेगा। 1 जनवरी 2027 से धार्मिक स्थानों पर पर्यटन का भी योग है। अधिक सफलता के लिए स्नान उपरांत सूर्य नारायण को अर्घ्य जल प्रदान करें। हनुमान चालीसा का पाठ भी कल्याणकारी सिद्ध होगा।
-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग
(सोमवार, 12 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति पौष 22, शक संवत 1947, माघ कृष्ण, नवमी, सोमवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 29, रजब 22, हिजरी 1447 (मुस्लिम) एवं अनुसार अंग्रेजी तारीख 12 जनवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल प्रातः 7 बजकर 30 मिनट से 9 बजे तक। नवमी तिथि मध्याह्न 12 बजकर 43 मिनट तक उपरांत दशमी तिथि का आरंभ। स्वाति नक्षत्र रात्रि 9 बजकर 25 मिनट तक उपरांत विशाखा नक्षत्र का आरंभ। धृतिमान योग सायं 6 बजकर 12 मिनट तक उपरांत शूल योग का आरंभ। गर करण मध्याह्न 12 बजकर 43 मिनट तक उपरांत विष्टि करण का आरंभ। चंद्रमा दिन-रात तुला राशि पर संचार करेगा।

आज के व्रत और त्योहार
उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में मकर।

सुडोकू

6			8		5			3
	5			3			2	
		8			2	7		
3		6						5
	9						1	
4						2		8
		9	4			5		
	8			6			3	
5			7		9			1

TELEVISION

big magic

09:00	हप्पू हलवा	13:30	भ से भाई
10:00	चंद्रगुप्त मुखबंध	14:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
11:00	रुद्र के रक्षक	15:00	लिटिल कृष्णा
12:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा	17:00	हप्पू हलवा
12:30	हम पांच	19:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
13:00	रुद्र के रक्षक		

'AI तभी तक अच्छा, जब तक कंट्रोल हमारे हाथ में रहे'

पर्दे पर शिप ऑफ थीसियस और तुंबाड जैसी दार्शनिक फिल्में रचने वाले फिल्मकार आनंद गांधी अब अपनी सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म माया लेकर आ रहे हैं। खास बात ये है कि माया के जरिए वह सिर्फ दर्शकों को एक सिनेमैटिक एक्सपीरिएंस ही नहीं देना चाहते बल्कि गेम्स से लेकर ग्राफिक नॉवेल के रूप में एक पूरा मल्टीवर्स क्रिएट कर रहे हैं। पढ़िए, उनसे यह खास बातचीत:

Upma.Singh@timesofindia.com

कभी सास भी कभी बहू थी और कहानी घर-घर की जैसे सुपरहिट डेली सोप लिखने वाले आनंद गांधी जब फिल्ममेकर बने तो शिप ऑफ थीसियस जैसी दार्शनिक फिल्म बनाकर सबको हैरान कर दिया। लेकिन उसके बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरने वाली फिल्म एन इनसिग्निफिकेंट मैन से लेकर अपनी पिछली फिल्म तुंबाड तक, हर बार कुछ नया कहने, नया रचने की कोशिश की। इसी कड़ी में अब वह माया के रूप में एक बहुत महत्वाकांक्षी मल्टीवर्स रचने जा रहे हैं।

आज के समय की महागाथा है माया

शासन और शासनः आजादी जैसे चर्चित बोर्ड गेम के क्रिएटर जैन मेमन के साथ मिलकर माया की दुनिया रचने वाले आनंद इसकी शुरुआत के बारे में बताते हैं, 'इसकी शुरुआत बहुत गहरे सोच के तहत हुई कि सदियों से हम ऐसी दुनिया की कल्पना कर रहे हैं जहां सब मिलकर रहें, खुशहाल रहें। ऐसे समाज की परिकल्पना बार-बार हुई है। आज जब तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि हम स्पेस में जाकर खाना उगा सकते हैं, हमारे पास ऐसा यंत्र है जो किसी भी सवाल का जवाब दे सकता है, फिर भी वह समाज हम क्यों नहीं बना पा रहे हैं? क्यों हम सौ करोड़ की आबादी तक खाना, पानी, दवाई जैसी मूलभूत चीजें नहीं पहुंचा पा रहे हैं? ये दिक्कतें क्यों हैं?, ऐसे में, अगर आज महर्षि वाल्मीकि या व्यास होते तो किस तरह की महागाथा लिखते? कैसी महाभारत लिखते, क्योंकि समाज में महाभारत आज भी चल रही है तो माया समकालीन समाज की एक महागाथा, महाउपन्यास है। इसे फिल्म, गेम्स, नॉवेल, ग्राफिक नॉवेल, मतलब कहानी कहने के जितने माध्यम हमारे पास हैं, उन सब में पिरोया जाएगा। इस फिल्म पर हम चार साल से काम कर रहे हैं, जबकि जिस स्केल पर हम इसे बनाना चाहते हैं, उसमें चार साल और लगेंगे। इसे हम अवतार, प्लैनेट ऑफ द ऐप्स के लेवल का बनाना चाहते हैं। इसे हर भाषा में अनुवाद किया जाएगा, जो तकनीक के चलते आज बहुत आसानी से किया जा सकता है। अभी माया पर उपन्यास आ चुका है, इसके बाद बहुत बड़े स्तर पर बोर्ड गेम्स बन रहा है, फिर डिजिटल गेम और एक मिनी सीरीज आएगी।'

AI का कंट्रोल अपने हाथ में रखना जरूरी

तकनीक की बात चली तो हमने आनंद से AI के फायदे-नुकसान पर राय जाननी चाही तो उन्होंने कहा, 'एआई वो बिल्ली है, जिसे वापस बिल में नहीं डाल सकते। इसका इस्तेमाल तो होगा ही, जरूरी ये है कि इसका कंट्रोल हमारे हाथ में रहे। अगर ये कंट्रोल हमने खो दिया तो गड़बड़ हो जाएगी, क्योंकि अभी एल्गोरिदम को चलाने वाले तो इंसान ही हैं। वे अपने आप तो नहीं चल रहे हैं पर यह भी सही है कि उसमें इतना मैनिपुलेशन हो रहा है, इतनी गलत जानकारी दी जा रही है कि लोगों के विश्वास तक से खिलवाड़ हो रहा है। इसलिए, यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई हमारी मदद करे, न कि हम एआई के लिए काम करने लगें।'

मैं किसी सिनेमा इंडस्ट्री में नहीं हूं

आनंद ने हर बार सिनेमा की मुख्यधारा से अलग कहानियां चुनी हैं। ऐसे में, इंडस्ट्री के भीतर क्या चुनौतियां रहती हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता कि हम किसी इंडस्ट्री में हैं। हम कुछ आइडिया लेकर आए हैं जो कहानी के माध्यम तक से ज्यादा लोगों तक पहुंच सकती है, इसलिए हम इसे सिनेमा के माध्यम से कह रहे हैं। जैसे, आप कबीर को ये नहीं कह सकते कि वह कविता की इंडस्ट्री में थे या बुद्ध पब्लिशिंग इंडस्ट्री में राइटर नहीं थे तो मेरी बात अलग है। मेरी कोशिश ये है कि आज के सत्य को कहानी के माध्यम से दिखा पाए।'

आनंद गांधी

सही नीयत से नहीं बन रहा तुंबाड का सीक्वल

आनंद गांधी निर्देशित फिल्म तुंबाड के सीक्वल की भी चर्चा है, लेकिन आनंद का मानना है कि यह सीक्वल नहीं बनना चाहिए। बकौल आनंद, 'मैं तुंबाड के सीक्वल से नहीं जुड़ा हूं। इफैक्ट जिन लोगों ने असल में तुंबाड बनाई थी, सिनेमैटोग्राफर पंकज कुमार, को-डायरेक्टर राही अनिल बर्वे, उनमें से कोई भी यह सीक्वल नहीं बना रहा है तो मुझे बिल्कुल नहीं लगता कि इस सीक्वल के साथ न्याय हो पाएगा। जो लोग ये बना रहे हैं, मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं लेकिन मुझे बिल्कुल नहीं लगता कि इसे इस तरह से बनाना चाहिए। मेरा मानना है कि हम तुंबाड की पूरी कहानी ऑलरेडी बता चुके हैं। उसे सीक्वल की जरूरत ही नहीं है। अब चूंकि लोग उस दुनिया के बारे में और ज्यादा देखना चाहते हैं तो सीक्वल बना लो, इस तरह से फिल्म नहीं बनाई जानी चाहिए। मेरे हिसाब से इस बार फिल्म बनाने की नीयत में वह ईमानदारी नहीं है जिसके साथ हमने बनाई थी।'

बहन के संगीत-हल्दी में मां संग झूमी कृति

संगीत फंक्शन के दौरान मां संग कृति सेनन

अपनी बहन नुपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन के प्री-वेडिंग फंक्शंस में कृति सेनन भी मां संग खूब झूमीं। उदयपुर की शानदार लोकेशन में होने वाले इन प्री-वेडिंग फंक्शंस की कुछ फोटोज, विडियोज वायरल हो रहे हैं। इनमें से संगीत फंक्शन के एक विडियो में दिख रहा कि कृति बहन के इस खास दिन पर कई बॉलिवुड गानों गानों पर डांस कर रही हैं। एक विडियो में कृति अपनी मां संग भी डांस कर रही हैं और होने वाले दुल्हा-दुल्हन सामने बैठे इन गानों पर झूम रहे हैं।

एक अन्य विडियो में वह वरुण शर्मा के साथ ठुमके मार रही हैं। शादी से पहले परिवार के इस खुशनुमा माहौल को फैंस भी काफी एंजॉय कर रहे हैं। वहीं एक अन्य विडियो में खुद दुल्हन नुपुर भी परफॉर्म करती दिख रही हैं जबकि स्टेबिन उनकी परफॉर्मेंस को एंजॉय कर रहे हैं। दूसरी ओर इन दोनों की हल्दी फंक्शन के विडियो भी सामने आए हैं जिनमें नुपुर के साथ बहन कृति और स्टेबिन बेन डांस करते दिख रहे हैं। शादी में शामिल हुए कुछ लोगों ने तस्वीरें और विडियोज शेयर किए हैं जिसमें पूरा परिवार डांस फ्लोर पर मस्ती करता दिख रहा है। नुपुर और स्टेबिन बेन की शादी में बॉलिवुड से कम ही लोगों को न्योता दिया गया है और परिवार व करीबी लोगों के बीच ही शादी की रस्में निभाई जा रही हैं।

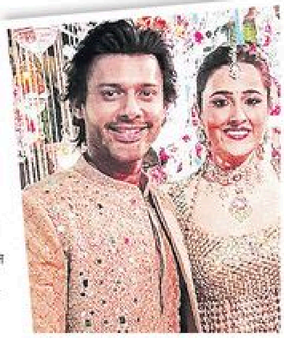

भारतीय इतिहास के मजबूत दस्तावेज़ से लिपटी सीरीज

Upma.Singh@timesgroup.com

वेब-सीरीज
फ्रीडम ऐट मिडनाइट 2 (13+)
रेटिंग ★★★½
निर्देशक: निखिल आडवाणी
कलाकार: सिद्धांत गुप्ता, राजेंद्र चावला, चिराग वोहरा, आरिफ जकारिया, इरा दुबे, आरजे मलिष्का, ल्यूक मैकगिब्नी आदि।
स्ट्रीमिंग साइट: सोनी लिव
अवधि: 7 एपिसोड (45 मिनट)
जॉनर: पीरियड ड्रामा

लेखक विलियम एल शीरर की किताब राइज ऐंड फॉल ऑफ थर्ड राईख की शुरुआती लाइन है, 'दोज हू फॉरगेट हिस्ट्री आर कंडेम्ड टू रिपीट इट' यानी जो अपना इतिहास भूल जाते हैं, वे उसे दोबारा दोहराते हैं। इसलिए, फिल्मकार निखिल आडवाणी फ्रीडम ऐट मिडनाइट के जरिए 1947 के उस ऐतिहासिक लेकिन विवादित पन्ने को पलटते हैं, जब देश को आजादी की कीमत बंटवारे के अब तक रिसने वाले जख्मों से चुकानी पड़ी थी। लैरी कॉलिन्स और डोमिनिक लैपियर की इसी नाम से लिखी चर्चित किताब पर आधारित इस सीरीज का दूसरा सीजन आ चुका है। इसमें निखिल ने हिंदुस्तान और पाकिस्तान के स्वतंत्र अस्तित्व में आने के दौरान हुई हिंसा और उसके बाद के राजनीतिक-सामाजिक हालातों, चुनौतियों को बहुत गहराई और संवेदनशीलता से दिखाते हैं।

इसकी शुरुआत 1947 के उस ऐतिहासिक दौर में ले जाती है, जब देश आजादी से कुछ कदम दूर है। जब पंडित नेहरू, सरदार पटेल जैसे नेता आजाद भारत के स्वरूप और भविष्य की नींव रख रहे होते हैं। जैसे-जैसे बंटवारा करीब आता है, भारत-पाक की सरहदें तय करने के लिए खींची गई रेडक्लिफ लाइन के दोनों ओर भयावह पलायन शुरू हो जाता है। धर्म के नाम पर हिंसा, लूटपाट, बलात्कार और हत्याएं शुरू हो जाती हैं। निखिल आडवाणी ने लोगों के पलायन का मार्मिक चित्रण किया है। श्वेत-श्याम रंग और अमृता प्रीतम की आज अक्खां वारिस शाह नूं जैसी पंक्तियां उस खौफनाक मंजर के दर्द को गहरा करती हैं। इसके बाद कहानी रजवाड़ों के विद्रोह, 565 रियासतों के भारत में विलय, कश्मीर की जंग और आखिर में महात्मा गांधी की हत्या तक जाती है। सीरीज की बड़ी खूबी ये है कि एक ओर जहां इतिहास के घटनाक्रमों का सशक्त दस्तावेजीकरण है, वहीं दूसरी ओर यह एक संवेदनशील ह्यूमन ड्रामा भी है। फिर वो अपना घर-बार, खानों के दौलत-घर से बिछड़ने वाले सिखों-मुस्लिमों का दर्द हो या आदर्शवादी नेहरू और प्रैक्टिकल सरदार पटेल के वैचारिक विमर्श या अपने अहिंसा के मूल्यों को अपने ही देश में कमजोर होते देखने वाले महात्मा गांधी का दुख। इसके चलते सीरीज आपको बांधे रखती है, साथ ही सोचने पर भी मजबूर करती है। सीरीज का एक बड़ा सशक्त पहलू कलाकारों की ऐक्टिंग है। आदर्शवादी नेहरू के रूप में सिद्धांत गुप्ता ने यादगार अभिनय किया है। सख्त और व्यावहारिक सरदार पटेल की भूमिका में राजेंद्र चावला ने भी जान डाल दी है। मेज की पेटियों के दम पर रजवाड़ों की रियासतों को भारत में जोड़े रखने की उनकी कूटनीति देखने लायक है। चिराग वोहरा ने भी महात्मा गांधी के रूप में बढ़िया काम किया है, तो आरिफ जकारिया जिन्ना की रूप में पानी की तरह ढल गए हैं। हालांकि, अपने विषय वस्तु के चलते सीरीज कहीं-कहीं जटिल लग सकती है, फिर भी, यह देखी जानी चाहिए।

क्यों देखें
हिंदुस्तान के इतिहास और राजनीति में रुचि हो तो यह सीरीज देखी जानी चाहिए।

मेरा गांव मेरे पास

कानपुर। मेरठ। आगरा। गाजियाबाद। अलीगढ़। सहारनपुर। मथुरा। सतना। रीवा। छिंदवाड़ा। दतिया। खंडवा। अलवर। सीकर। धौलपुर। कोटा। अजमेर। भीलवाड़ा। पलवल। मेवात। जींद। सोनीपत। चंबा। कांगड़ा। कुल्लू। मंडी। सिरमौर। पिथौरागढ़। रुद्रपुर। बेगूसराय। भागलपुर। भोजपुर। सिवान

मनोरंजन

PVR·INOX G7 मूवीटाइम रसाज Maxus cinépolis

और अन्य सिनेमाघरों में।

श्रद्धालुओं से करें अच्छा व्यवहार, मेले में रहे साफ-सफाई : योगी

मकर संक्रांति समेत अन्य स्नान पर्वों को लेकर की गई तैयारियों की समीक्षा

■ NBT रिपोर्ट, प्रयागराज: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या समेत अन्य स्नान पर्वों को लेकर की गई तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड को ध्यान में रखते हुए शहर व मेला क्षेत्र में पर्याप्त अलाव की व्यवस्था की जाए और जरूरतमंदों को कंबल उपलब्ध कराया जाए। मेला व शहर क्षेत्र की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए और बेवजह सड़कों को बंद न किया जाए। सीएम ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के

लिए पुलिसकर्मियों को लगातार गश्त करने और संदिग्धों पर नजर रखने के निर्देश दिए।

सीएम ने कहा कि 14 से 18 जनवरी के बीच कम समय में दो महत्वपूर्ण स्नान पर्वों को सकुशल सम्पन्न कराना एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए अभी से सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी व तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्नानपर्वों को सकुशल ढंग से संपन्न कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में साफ सफाई व्यवस्था उच्च स्तर की रहनी चाहिए। कहा कि श्रद्धालुओं के स्नान के लिए घाटों के स्नान क्षेत्र व सर्कुलेटिंग एरिया को और बढ़ाया जाए, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु एक साथ स्नान कर सकें। उन्हें स्नान करने में कोई समस्या न हो। उन्होंने कहा कि कोई भी श्रद्धालु कपड़े, प्लास्टिक थैली अथवा पूजा सामग्री को गंगा नदी में न फेंके। शनिवार की सुबह प्रयागराज भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले संगम नोज पहुंचकर स्नान व पूजा-अर्चना की।

'सुरक्षा के लिए रहें तत्पर'

मुख्यमंत्री ने कहा कि माघ मेले में लगे हुए स्वच्छताकर्मियों के मानदेय का भुगतान समय से किया जाए, उन्हें और उनके बच्चों को शिक्षा आदि की सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। सीएम ने नगर निगम से कहा कि रोड पर अतिक्रमण न होने पाए। रोड व पाथवे को खुला रखा जाए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक एवं अवैध रूप से लगी हुई होर्डिंग्स को तुरंत हटाया जाए। सीएम ने कहा कि पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए नियमित रूप से पट्रोलिंग करें, ताकि किसी को भी दिक्कत न हो।

यही नायक समाज के महानायक बनेंगे: ओझा

नया नेतृत्व तैयार करने की पहल

■ NBT रिपोर्ट, ऋषिकेश: देव भूमि उत्तराखंड में ऋषिकेश के वानप्रस्थ आश्रम में शनिवार को देश भर से आए तकरीबन 500 ब्राह्मणों ने एक अनोखा संकल्प लिया। उन्होंने देश की सभी जातियों और वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने में सहयोग करने और समाज के सभी वर्गों को एकजुट कर जातियों की जकड़न तोड़ने का संकल्प लिया। इस कार्य को शिक्षा, संस्कार और रोजगार के माध्यम से नई मजबूती देने के लिए विप्र फाउंडेशन ने ऋषिकेश में शनिवार से दो दिवसीय आरोहण नायक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। यहां देशभर से चयनित 500 कार्यकर्ताओं को नेतृत्व, संगठन क्षमता और सामाजिक दायित्वों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

दो दिवसीय आरोहण नायक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने कहा कि आरोहण से ही नेतृत्व का उदय होगा और आने वाले समय में समरसता के माहौल में यही नायक समाज के महानायक बनेंगे। फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि सर्व समाज को साथ लेकर श्रेष्ठ कार्य किए जाएं, तभी समाज का मान बढ़ेगा। वहीं, अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता ने कहा कि समाज को आगे ले जाने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

अगर टाइगर नजदीक आया, तो मोबाइल पर आएगा अलर्ट

Deep.Singh@timesofindia.com

■ लखनऊ: मानव-वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग अर्ली वार्निंग सिस्टम की मदद लेगा। जैसे ही टाइगर या अन्य खतरनाक वन्य जीव कैमरे के 100 मीटर के दायरे में आएगा, तो सेंसर के जरिए कैमरा मोबाइल पर अलर्ट भेज देगा। प्रमुख स्थानों पर लगे सायरन भी बजने लगेंगे। इससे वन्य जीवों को रेस्क्यू करने और आम लोगों को अलर्ट करने में आसानी होगी। 'टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व' प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के चार जिलों में वन विभाग इसकी शुरुआत करेगा।

'टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व' प्रोजेक्ट होगा शुरू

ये है प्रोजेक्ट: भारतीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के सहयोग से 'टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व' प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। सबसे पहले देश के 10 राज्यों के 80 वन प्रभागों में शुरू की जा रही है। यूपी में यह योजना पहले चार जिलों में शुरू होगी। ये जिले हैं बिजनौर, पीलीभीत, लखीमपुर और बहराइच। यहां पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह योजना तैयार की जाएगी।

इस योजना का मुख्य मकसद मानव वन्य जीव संघर्ष और वन्य जीवों के शिकार को रोकने के लिए बेहतर निगरानी तंत्र तैयार करना है।

ऐसे काम करेगा वार्निंग सिस्टम

अर्ली वॉर्निंग सिस्टम इस योजना का एक अहम हिस्सा है। इसमें टाइगर रिजर्व के बाहर हाई क्वालिटी कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे खास तौर से ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जो मानव वन्य जीव संघर्ष की दृष्टि से ज्यादा संवेदनशील हैं। संघर्ष की ज्यादातर घटनाएं जंगल से सटे गन्ने के खेतों में होती हैं। उन स्थानों को चिह्नित करके कैमरे लगाए जाएंगे।

बीमारी से परेशान बुजुर्ग ने गोली मारकर की आत्महत्या

■ NBT रिपोर्ट, बदायूं: बदायूं जिले के सैदपुर में 92 साल के एक बुजुर्ग विद्यासागर रस्तोगी ने शनिवार को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि विद्यासागर काफी दिन से बीमार थे।

पश्चिमी रेलवे
गत्ते साइन बोर्ड और स्टेशन नाम बोर्ड उपलब्ध कराना
Sr.DEE/P/मुंबई सेंट्रल, मुंबई ई-टेंडर नंबर: EL-81-935-WA-76 तारीख 08-01-2026 को आमंत्रित करता है। काम और जगह: मुंबई डिवीजन-डिवीजन वर्कशॉप और दूसरे चर्चगेट के महालक्ष्मी डिपो में गत्ते साइन बोर्ड और स्टेशन नेम बोर्ड उपलब्ध कराना। काम की अनुमानित लागत: ₹ 4,18,86,158/- ईएमडी : ₹ 3,59,400/- जमा करने की तारीख और समय: 06.02.2026, 15:00 बजे तक। खुलने की तारीख और समय: 06.02.2026 को 15:30 बजे। ज्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।
facebook.com/WesternRly

पश्चिमी रेलवे
रखरखाव कार्य
Sr.DEE/TRS/BL, इलेक्ट्रिक लोको शेड, वलसाड ई-टेंडर नोटिस नंबर: EL/TRS/BL/25-26/WO/04 तारीख: 06/01/2026 को आमंत्रित करता है। काम: सभी ELS/वलसाड-बेस्ड लोकोमोटिव के ई-मॉड्यूल ... दो साल के लिए। काम की अनुमानित लागत: ₹ 4,92,540/- ईएमडी : ₹ 98,500/- जमा करने की तारीख और समय: 30.01.2026, 12:00 बजे तक। खुलने की तारीख और समय: 30.01.2026 को 12:30 बजे। टेंडर की जानकारी www.ireps.gov.in
facebook.com/WesternRly

पश्चिम मध्य रेल
विद्युत (परियोजना) कार्य निविदा ... परियोजना, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
नोटिस www.ireps.gov.in

पूर्व रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. एसओईएलपी-272-156-टी-61, दिनांक 07.01.2026 ... ई-निविदा के खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 30.01.2026 को 15.30 बजे। ... www.ireps.gov.in
CON-62/2025-26
हमें यहां देखें: @EasternRailway facebook @easternrailwayheadquarter

NBT AI टाइम मशीन

जब सिगरेट हुआ था जानलेवा घोषित

आज ही के दिन 1964 में US के डॉ. लूथर टेरी (Luther Terry) ने तंबाकू को कैंसर से जोड़ती एक रिपोर्ट जारी की। करीब 7,000 वैज्ञानिक लेखों की समीक्षा के बाद, रिपोर्ट ने पहली बार आधिकारिक रूप से माना कि धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण है। इसके बाद ही सिगरेट पैकेटों पर चेतावनी अनिवार्य हुई और टीवी विज्ञापनों पर बैन लगा। इसने तंबाकू को 'ग्लैमरस' छवि से हटाकर 'जानलेवा' घोषित किया।

NBT

संडे नवभारत टाइम्स। मुंबई

Front Page-2

11 जनवरी 2026, पेज 14

भविष्य में बिना दर्द के कैंसर ठीक होगा

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में कैंसर जानलेवा बीमारी नहीं होगी। ज्यादातर मामलों में बीमारी शुरुआती स्टेज में ही पकड़ ली जाएगी। AI, जीन एडिटिंग और नैनो-टेक्नोलॉजी से इलाज व्यक्ति के DNA के अनुसार होगा। इलाज दर्द के बिना होगा, बिना कीमो जैसी भारी तकलीफ के। शुरुआत में इलाज महंगा हो सकता है, लेकिन समय के साथ सस्ता और सबकी पहुंच में आएगा। सिगरेट लगभग खत्म हो जाएगी, धूम्रपान पर कड़ी पाबंदी होगी और वह इतिहास बन जाएगी।

AI Images

SPEED News

यूक्रेन के ड्रोन हमले के कारण रूस के दक्षिणी वोल्गोग्राद क्षेत्र में एक तेल डिपो में आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

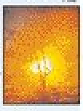

File

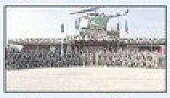

पाकिस्तान, अमेरिका पंजाब प्रांत में स्थित एक आतंकवाद-रोधी केंद्र में दो सप्ताह का अभ्यास कर रहे हैं। अफसरों ने कहा कि यह अभ्यास आतंकवाद के खिलाफ किया जा रहा है।

पाकिस्तान नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में एक युद्धाभ्यास के दौरान सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। सेना ने कहा यह युद्ध तत्परता को दर्शाता है।

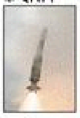

पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में 11 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने बताया कि कार्रवाई जारी है।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

निर्वासन के 50 साल बाद ईरान वापसी करेंगे पूर्व क्राउन प्रिंस

रजा पहलवी ने आंदोलन तेज़ करने और राष्ट्रव्यापी हड़ताल का किया आह्वान

■ NBT रिपोर्ट

ईरान में जारी व्यापक सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच देश के पूर्व क्राउन प्रिंस रजा पहलवी (Reza Pahlavi) ने संकेत दिया है कि वे लगभग पचास साल के निर्वासन के बाद स्वदेश लौटने की तैयारी कर रहे हैं। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में रह रहे पहलवी ने यह बात शनिवार को एक विडियो संदेश और सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए कही। उनके इस बयान को मौजूदा आंदोलन से सीधे जोड़कर देखा जा रहा है।

रजा पहलवी ने कहा कि मैं भी अपने वतन लौटने की तैयारी कर रहा हूं, ताकि हमारी राष्ट्रीय क्रांति की जीत के समय मैं आपके साथ, ईरान की महान जनता के बीच रह सकूं। मुझे विश्वास है कि वह दिन बहुत नजदीक है। उनके इस संदेश के बाद कई शहरों में प्रदर्शनकारियों के बीच उत्साह देखा गया, जहां खुले तौर पर उनकी वापसी की मांग की जा रही है।

हड़ताल और कब्जे की अपील, पहलवी का बड़ा ऐलान

अपने संदेश में पहलवी ने ईरानियों से आंदोलन को और तेज करने की अपील की। उन्होंने लोगों से कहा कि वे केवल सड़कों पर मौजूद रहने तक सीमित न रहें, बल्कि आर्थिक दबाव बनाएं और सार्वजनिक स्थलों पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने की तैयारी करें। उन्होंने परिवहन, तेल, गैस और ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों से राष्ट्रव्यापी हड़ताल शुरू करने का आह्वान किया। पहलवी का कहना था कि अब लक्ष्य सिर्फ विरोध दर्ज कराना नहीं, बल्कि शहरों के केंद्रों पर पकड़ बनाना है।

उन्होंने उन लोगों की सराहना की जो धमकियों और दमन के बावजूद सड़कों पर डटे हुए हैं। पहलवी ने हालिया प्रदर्शनों को नेतृत्व के लिए 'करारा जवाब' बताया। साथ ही उन्होंने सशस्त्र और सुरक्षा बलों के उन सदस्यों को भी संबोधित किया, जिन्होंने प्रदर्शनकारियों के प्रति सहानुभूति जताई है।

AP

रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक अधिकारी ने चेतावनी दी कि पैरेंट्स अपने बच्चों को प्रदर्शनों से दूर रखें, अगर उन्हें गोली लगे तो शिकायत मत करना।

> राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खेल मत खेलिए, जब वह कुछ कहते हैं तो कर गुजरते हैं। ईरान के बहादुर लोगों का अमेरिका समर्थन करता है।
> – मार्को रुबियो, US विदेश मंत्री

> विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने वाले किसी भी व्यक्ति को 'ईश्वर का शत्रु' माना जाएगा, जिसके लिए मृत्युदंड दिया जा सकता है।
> –अटॉर्नी जनरल, ईरान

कौन हैं रजा पहलवी?

रजा पहलवी ईरान के अंतिम शाह मोहम्मद रजा शाह पहलवी के बेटे हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के समय वे अमेरिका में फाइटर पायलट प्रशिक्षण ले रहे थे और तभी से निर्वासन में हैं। अब 65 वर्षीय पहलवी का कहना है कि वे जबरन राजशाही बहाल नहीं करना चाहते, बल्कि शांतिपूर्ण बदलाव और राष्ट्रीय जनमत संग्रह के जरिए ईरान के भविष्य का फैसला होना चाहिए।

सिगरेट से खामेनेई का तस्वीर जलाने का ट्रेंड

■ **NBT रिपोर्ट:** ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें महिलाएं देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की जली हुई तस्वीरों से सिगरेट जलाती दिख रही हैं। ये दृश्य मौजूदा आंदोलन का सबसे तीखा और प्रतीकात्मक रूप माना जा रहा है। हालांकि टाइम्स ऑफ इंडिया ने इन तस्वीरों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है। ईरान में खामेनेई की तस्वीर जलाना कानूनन गंभीर अपराध माना जाता है। इससे पहले नवंबर में एक कार्यकर्ता ने जब खामेनेई की तस्वीर जलाने का विडियो साझा किया था, तो उसके घर पर सुरक्षा बलों ने छापा मारा था, जिसके बाद उसे छिपना पड़ा। इसके अलावा, महिलाओं का सार्वजनिक रूप से सिगरेट पीना भी लंबे समय से प्रतिबंधित या हतोत्साहित किया जाता रहा है। मानवाधिकार संगठनों का आरोप है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की है।

ये आंदोलन का सबसे तीखा रूप माना जा रहा है

आदित्य-L1 ने सोलर स्टॉर्म का रहस्य बताया

■ **पीटीआई, बेंगलुरु:** इसरो ने कहा है कि उसके सौर मिशन आदित्य-L1 ने यह समझने में अहम जानकारी दी है कि शक्तिशाली सोलर स्टॉर्म पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को कैसे प्रभावित करते हैं। दिसंबर 2025 में प्रकाशित एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने अक्टूबर 2024 के बड़े स्पेस वेदर घटनाक्रम का विश्लेषण किया। इसके मुताबिक, सोलर स्टॉर्म के अशांत हिस्से ने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को असामान्य रूप से संकुचित कर दिया, जिससे कुछ उपग्रहों को कठोर अंतरिक्ष परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

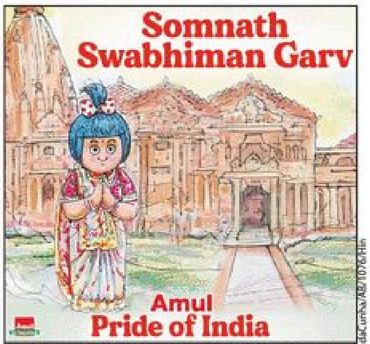

सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूरे होने का जश्न!

ट्रंप के करीबी सर्जिओ भारत पहुंचे

एक साल बाद US एंबेसी के पद पर तैनाती, गोर का रोल अहम

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: भारत में** करीब एक साल से खाली पड़े अमेरिकी राजदूत के पद को आखिरकार नया चेहरा मिल गया है। पूर्व राजदूत एरिक गार्सेटी (Eric Garcetti) के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले सर्जिओ गोर (Sergio Gor) दिल्ली पहुंच चुके हैं और अगले हफ्ते औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। गोर ऐसे समय में यह अहम पद संभाल रहे हैं, जब भारत-अमेरिका संबंध बीते कुछ समय से असहज दौर से गुजर रहे हैं।

हाल के महीनों में राष्ट्रपति ट्रंप के अप्रत्याशित बयानों और लंबित ट्रेड डील को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी देखी गई है। ऐसे में सर्जिओ गोर की नियुक्ति को द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह गोर का दूसरा भारत दौरा है। इससे पहले अक्टूबर में वह भारत आए थे, तब उनकी नियुक्ति को अमेरिकी सीनेट की मंजूरी नहीं मिली थी। वाइट हाउस में शपथ ग्रहण के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने सर्जिओ गोर को अमेरिका की सबसे अहम द्विपक्षीय साझेदारी की जिम्मेदारी सौंपने की बात कही थी। ट्रंप ने यह भी कहा था कि भारत के साथ अमेरिका के पहले से मजबूत रिश्तों को गोर और गहरा करेंगे।

दक्षिण एशिया की जिम्मेदारी

भारत में राजदूत की भूमिका के अलावा सर्जिओ गोर को दक्षिण और मध्य एशिया का विशेष दूत भी बनाया गया है। इस क्षेत्र में भारत के साथ-साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश शामिल हैं। कुछ देशों में अमेरिका का स्थायी राजनयिक प्रतिनिधि न होने के कारण यह जिम्मेदारी और भी अहम हो जाती है। गोर से उम्मीद की जा रही है कि वे पारंपरिक कूटनीतिक चैनलों से इतर भारत की बात सीधे अमेरिकी नेतृत्व तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अमेरिका: गोलीकांड का नया विडियो जारी

एपी, मिनियापोलिस: अमेरिका के मिनेसोटा में इमिग्रेशन अधिकारी द्वारा की गई गोलीबारी का एक नया विडियो सामने आया है। गोलीबारी में रेनी गुड नाम की महिला की मौत हो गई थी। नए विडियो में महिला इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (IEC) एजेंट को अपनी गाड़ी से कुचलने की कोशिश करती दिख रही है। ट्रंप ने भी पहले कुछ ऐसा ही दावा किया था। नया विडियो एक आईसीई अधिकारी ने शेयर किया है। इसमें दिखता है कि अधिकारी कार के आसपास घूमते हुए अपने फोन से विडियो रिकॉर्ड कर रहा है। कार रोकने की कोशिश के दौरान महिला कार चलाने लगती है, जिसके बाद अधिकारी गोली चला देता है। मामले में जांच जारी है।

पुलिस विशेषज्ञों का कहना है कि वीडियो से यह सवाल उठता है कि अधिकारी एक हाथ में बंदूक और दूसरे में मोबाइल लेकर वीडियो क्यों बना रहा था। उनका मानना है कि इससे स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो सकती थी।

नाम उजागर करने के लिए FIR

■ **NBT रिपोर्ट, देहरादून :** अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित 'वीआईपी' का नाम उजागर करने के लिए पर्यावरणविद पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने गृह विभाग और डीजीपी को शिकायती पत्र सौंपा। इसके बाद डीजीपी ने देहरादून के एसएसपी को जांच सौंपी। उनके आदेश पर बसंत विहार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने शुक्रवार को लिखे पत्र में कहा था कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में कुछ अज्ञात लोगों (जिनको वीआईपी के रूप में संदर्भित किया जा रहा है) पर एक स्वतंत्र अपराध में शामिल होने का आरोप लग रहा है।

अंकिता हत्याकांड मामले में शिकायती पत्र सौंपा

कॉर्बेट पार्क में फोन बैन

■ **NBT रिपोर्ट, देहरादून :** कॉर्बेट नैशनल पार्क में रात्रि विश्राम और जंगल सफारी के दौरान पर्यटक, जिप्सी ड्राइवर और नेचर गाइड अपने साथ मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। पार्क प्रशासन ने यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुपालन में लिया है। नियम लागू होने के बाद सफारी पर जाने से पहले मोबाइल पर्यटन गेट पर ही जमा करने होंगे। सफारी और रात्रि विश्राम से लौटने पर मोबाइल मिल जाएंगे। कॉर्बेट के उपनिदेशक राहुल मिश्रा ने बताया कि मोबाइल रखने की व्यवस्था की जा रही है। जल्द यह इसे लागू होगा। हालांकि, मोबाइल पर रोक के बावजूद कैमरा साथ ले जाने की इजाजत रहेगी।

नाइजर की कैद से रिहा हुए झारखंड के पांच मजदूर

■ **आईएएनएस, रांची:** पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजर में हथियारबंद दहशतगर्दों की कैद में पिछले आठ महीनों से फंसे झारखंड के 5 मजदूर आखिरकार रिहा हो गए हैं। झारखंड सरकार के राज्य प्रवासी कंट्रोल सेंटर ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के हवाले से शनिवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। बगोदर प्रखंड के दोन्दलो गांव के फलजीत महतो, राजू महतो, संजय महतो, चंद्रिका महतो और मुंडरो गांव के उत्तम महतो कल्पतरु ट्रांसमिशन लाइन कंपनी के तहत नाइजर में काम कर रहे थे। 25 अप्रैल 2025 को हथियारबंद लोगों ने कंपनी साइट से करीब 25 से 30 किलोमीटर दूर तेलाबारी इलाके से इन सभी का अपहरण कर लिया था।

बांग्लादेश: BNP अध्यक्ष से मिले भारतीय हाई कमिश्नर

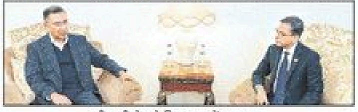

बीएनपी ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया।

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: बांग्लादेश में** भारतीय हाई कमिश्नर प्रणय वर्मा ने शनिवार को बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के साथ मुलाकात की। बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी की ओर से तारिक रहमान की बतौर पार्टी अध्यक्ष नियुक्ति के एक दिन बाद वर्मा ने ये मुलाकात की। बैठक 40 मिनट चली। बीएनपी की ओर से इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया गया।

दरअसल, रहमान की नियुक्ति उनकी मां और पार्टी अध्यक्ष खालिदा जिया के निधन के कुछ दिन बाद की गई है। इस संबंध में शुक्रवार को एक बैठक में बीएनपी की स्थायी समिति ने तारिक रहमान को पार्टी अध्यक्ष नियुक्त करने को मंजूरी दी थी।

लंदन में 17 वर्षों के निर्वासन के बाद तारिक रहमान 25 दिसंबर को ही बांग्लादेश लौटे हैं। तीन बार बांग्लादेश की पीएम रह चुकीं और बीएनपी की प्रमुख नेता खालिदा जिया का 30 दिसंबर को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद संवाद की राह

वेनेज़ुएला-अमेरिका कूटनीति फिर से बहाल करने की तैयारी

■ **एएफपी, काराकास: वेनेज़ुएला ने** अमेरिका के साथ कूटनीतिक संबंधों को बहाल करने की दिशा में औपचारिक बातचीत शुरू करने की पुष्टि की है। यह पहल ऐसे समय सामने आई है, जब कुछ ही दिन पहले अमेरिकी बलों ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाकर हिरासत में ले लिया था। काराकास में अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ वार्ता प्रस्तावित है, जिसे दोनों देशों के बीच सहयोग की दिशा में पहला ठोस कदम माना जा रहा है।

वेनेज़ुएला ने कहा, US राजनयिक राजधानी में मौजूद है

वेनेज़ुएला सरकार ने बताया कि अमेरिकी राजनयिक राजधानी में मौजूद हैं। विदेश मंत्री इवान गिल ने एक बयान में कहा कि अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार ने अमेरिका के साथ कूटनीतिक प्रक्रिया की एक खोजी प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों में राजनयिक मिशनों की पुनर्स्थापना है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, कोलंबिया में तैनात शीर्ष अमेरिकी राजनयिक जॉन मैकनमारा और अन्य अधिकारी काराकास पहुंचे हैं ताकि चरणबद्ध तरीके से अमेरिकी मिशन की बहाली का प्रारंभिक आकलन किया जा सके। इसके जवाब में वेनेज़ुएला ने भी वॉशिंगटन एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की घोषणा की है। हालांकि, रोड्रिगेज ने अमेरिका की सैन्य कार्रवाई की कड़ी निंदा भी की। उन्होंने इसे गंभीर, आपराधिक, अवैध और नाजायज हमला बताते हुए कहा कि वेनेज़ुएला इस आक्रमण का जवाब कूटनीतिक रास्ते से देता रहेगा।

AFP

US दूतावास फिर से खोलने पर विचार

■ **एपी, ग्वातिरे (वेनेज़ुएला):** ट्रंप प्रशासन का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को वेनेज़ुएला पहुंचा और काराकास में अमेरिकी दूतावास को फिर से खोलने की संभावनाओं का आकलन किया। 2019 में रिश्ते टूटने के बाद अमेरिका ने अपना दूतावास बंद कर दिया था। वेनेज़ुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि अमेरिका के साथ कूटनीतिक प्रकृति की खोजी प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों में राजनयिक मिशनों की पुनर्स्थापना है। इस पहल को दोनों देशों के रिश्तों में अहम मोड़ माना जा रहा है।

ट्रंप बोले, मादुरो जैसा कदम पूतिन पर नहीं

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: अमेरिकी राष्ट्रपति** डॉनल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पूतिन को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए साफ कहा है कि वे पूतिन को वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति मादुरो जैसी कार्रवाई का निशाना बनाने के पक्ष में नहीं हैं। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, वाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसकी जरूरत पड़ेगी।

बोले- मैं निराश हूं, लेकिन इसकी जरूरत नहीं

ट्रंप का यह बयान उस सवाल के जवाब में आया, जिसमें उनसे पूछा गया था कि क्या अमेरिका रूस के राष्ट्रपति पूतिन को भी उसी तरह पकड़ने का आदेश दे सकता है, जैसे हाल ही में मादुरो को पकड़ा गया। ट्रंप ने कहा कि पूतिन के साथ अमेरिका के रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं, लेकिन मौजूदा हालात से वे 'बहुत निराश' हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने पहले आठ युद्ध सुलझाए हैं और उन्हें उम्मीद थी कि यह संघर्ष अपेक्षाकृत आसान होगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 11-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMHJK2 User: cci Time: 01-10-2026 23:13 Color:

51 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम वोटर हैं प्रभाग क्रमांक 170 में।

जनता की मांग

4 से 5 स्पीडब्रेकर होने चाहिए

विलेपार्ले पूर्व के प्रभाग क्रमांक 84 में पार्ले तिलक स्कूल के पास 4 से 5 स्पीडब्रेकर होने चाहिए। संबंधित मेंटेनेंस डिपार्टमेंट के असिस्टेंट इंजिनीयर तथा कमिश्नर को कई बार यह बात लिखित में बताई गई। लेकिन यहां सिर्फ एक टूटा-फूटा स्पीडब्रेकर बनवाया गया है। इस ब्रेकर पर जेब्रा क्रॉसिंग पट्टी न होने से यह खतरनाक साबित हो रहा है। इसका दुष्परिणाम है कि यहां आए दिन हादसे होते हैं। उम्मीदवारों को इस समस्या की तरफ ध्यान देना चाहिए। -उत्कर्ष बोरले

भेजें वॉर्ड की समस्याएं

आपके वॉर्ड या प्रभाग के क्या मुद्दे हैं? क्या समस्याएं हैं, जिनके समाधान की आप अपने नवनिर्वाचित नगरसेवक से उम्मीद रखते हैं, हमें अपने नाम, वॉर्ड और प्रभाग के साथ लिख भेजें वॉट्स ऐप नंबर 9967397376 पर। हम उन्हें नवभारत टाइम्स (NBT) के माध्यम से 'जनता की मांग' कॉलम के तहत पहुंचाएंगे निकाय चुनाव उम्मीदवार तक।

'लोकल का किराया बढ़ाए बिना सफर आसान होगा'

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कीं घाटकोपर और धारावी में जनसभाएं, किए कई वादे

धारावी में ही मिलेगा 350 फीट का घर, केबल ब्रिज से जुड़ेगा कुर्ला-घाटकोपर

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : बीएमसी चुनाव प्रचार अपने चरम पर पहुंच है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उद्धव ठाकरे और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे सहित अन्य दलों के नेताओं ने चुनाव प्रचार का फोकस मुंबई हो गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने शनिवार को मुंबई में धारावी और घाटकोपर में जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय मुद्दों को अपने भाषण में तरजीह दी और कहा कि मुंबई के विकास का रोडमैप तैयार कर लिया गया है। इस बार बीएमसी में हमारा महापौर बनेगा। धारावी में प्रभाग नंबर 185 के उम्मीदवार रवि राजा के समर्थन में पहुंचे सीएम फडणवीस ने कहा कि धारावी करों को 350 फुट का घर धारावी में ही मिलेगा। वहीं घाटकोपर में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि कुर्ला-घाटकोपर को केबल स्टेड ब्रिज से जोड़ा जाएगा।

> प्रभाग 185 के उम्मीदवार रवि राजा के समर्थन में प्रचार को पहुंचे

धारावी में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि धारावी के सिर्फ नीचे वाले घर मालिकों को ही नहीं, ऊपर वालों को भी उनका पक्का घर मिलेगा। सीएम ने कहा कि एक रुपया बढ़ाए बिना मुंबई में लोकल ट्रेन के सफर को आसान बनाया जाएगा।

शनिवार को आयोजित चुनावी सभाओं में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि लोकल ट्रेन के सभी डिब्बे एसी करने पर काम चल रहा है।

पीएम को बुलाएंगे

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि धारावी में बनने वाले घरों के भूमिपूजन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी लाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान महाराष्ट्र ने विकास, सुरक्षा, अधोसंरचना के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की नीतियों और योजनाओं का उद्देश्य केवल कागजों तक सीमित न रहकर नागरिकों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है। इस दौरान उन्होंने धारावी के समग्र विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं और सुरक्षित भविष्य को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई गई। लोकल के सभी डिब्बे एसी करने पर काम चल रहा है। हम केंद्र के साथ सेंट्रल गवर्नमेंट की जमीन पर स्लम के रीडेवलपमेंट के लिए बातचीत कर रहे हैं।

1635 करोड़ की लागत से ब्रिज बनाया जाएगा

घाटकोपर में देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कुर्ला और घाटकोपर को केबल स्टेड ब्रिज से जोड़ा जाएगा। 1635 करोड़ की लागत से यह ब्रिज बनाया जाएगा। यह लोगों की आवाजाही को आसान बनाएगा। फडणवीस ने शनिवार को घाटकोपर में आयोजित एक सभा के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास की दिशा में हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इलाके की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए मेट्रो 8 को मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। मेट्रो आठ का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। जल्द ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। क्षेत्र की ट्रैफिक और परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ईस्टर्न फ्री वे को आगे तक लाया जाएगा। मुंबई में बेहतर ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी हमारा लक्ष्य है। रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई को झोपड़पट्टी मुक्त बनाने की दिशा में जोर-शोर से काम शुरू है। मुंबई में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का जाल बिछाया जाएगा। ताकि नालों का गंदा पानी साफ करके समुद्र में छोड़ा जा सके। एसटीपी का काम चरणबद्ध तरीके से दो साल में पूरा किया जाएगा। जो शहर की सीवरेज की समस्या के निदान के लिए काफी अहम साबित होगा। भाषण के दौरान मुख्यमंत्री ने कचरे घोटाले का भी उल्लेख किया।

9 साल में 1,868% बढ़ गई मकरंद नार्वेकर की संपत्ति

पूर्व शिवसेना विधायक सदा सर्वणकर के बेटे समाधान सर्वणकर ने 46.59 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की

- विधानसभा अध्यक्ष के भाई ने 124 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है
- पूर्व महापौर श्रद्धा जाधव के पास भी 46.34 करोड़ रुपये की संपत्ति

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के छोटे भाई मकरंद नार्वेकर बीएमसी चुनाव में सबसे धनी उम्मीदवारों में से एक हैं। उनकी घोषित संपत्ति 124.4 करोड़ रुपये है। बीजेपी के टिकट पर प्रभाग 226 से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे मकरंद सबसे धनी उम्मीदवार हो सकते हैं। 'सबसे अधिक संपत्ति' वाले अन्य उम्मीदवारों में पूर्व शिवसेना विधायक सदा सर्वणकर के बेटे समाधान सर्वणकर ने 46.59 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है, जबकि शिवसेना (UBT) की उम्मीदवार और पूर्व महापौर श्रद्धा जाधव ने 46.34 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। निर्वाचन आयोग के समक्ष दायर किए गए हलफनामे के अनुसार, मकरंद नार्वेकर की संपत्ति (जिसमें उनकी पत्नी की संपत्ति भी शामिल है) नौ साल पहले की तुलना में 1,868% बढ़ गई है।

2012 में 3.67 करोड़ थी संपत्ति

बीजेपी के टिकट पर 2017 में मनपा का चुनाव लड़ते समय मकरंद नार्वेकर ने 6.3 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी। संपत्तियों में तेजी से हुई वृद्धि और आंकड़ों की सटीकता के बारे में जानने के लिए NBT ने मकरंद नार्वेकर से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। गौरतलब है कि 2012 में जब उन्होंने पहली बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में निकाय चुनाव लड़ा था, तब उनकी संपत्ति 3.67 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2025-26 में यानी इस एक साल में अब तक उनकी कुल आय 2.77 करोड़ रुपये है।

सुना है कि... ...लेकिन है तो अपना ही आदमी, जीत गया तो भी काम आएगा

BJP ने बगावत कर चुनाव लड़ने वाले अपने नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। लेकिन अंदरखाने उनके संपर्क में भी हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि भले ही बगावत करके वह लड़ रहा है, लेकिन अपना आदमी ही है। चुनाव में यदि जीत जाता है, तो अपने ही साथ आएगा। गौरतलब है कि मुंबई में बीजेपी ने 26 नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया है। इसमें से कई के जीतने की भी संभावना है। वे पूरा जोर लगा रहे हैं।

मानखुर्दः AIMIM की एंट्री से जंग त्रिकोणीय

Akhilesh.Tiwari@Timeofinda.com

■ मुंबई: जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, मानखुर्द-शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र में प्रचार जोर पकड़ गया है। मानखुर्द-शिवाजी नगर में प्रभाग 134 से कांग्रेस ने बेनजीर इरफान दिवटे को मैदान में उतारा गया है। यहां उनका मुकाबला सपा की पूर्व नगरसेविका सायरा फहद आजमी से है। इस सीट को कांटे का मुकाबला माना जा रहा है। वहीं AIMIM ने भी मेहजबीन अतीक अहमद खान को उतारा है।

- **प्रभाग 136 :** AIMIM भी मानखुर्द-शिवाजी नगर में किस्मत आजमा रही है। पार्टी ने जमीर कुरैशी को उम्मीदवार बनाया है। जमीर कुरैशी पहले सपा में रहे हैं और क्षेत्र में उनकी सक्रियता के चलते यहां त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना बनती दिख रही है। यहां सपा से रुकसाना नाजिम सिद्दीकी मैदान में है, तो वहीं कांग्रेस साहेबे आलम चुनाव लड़ रहे हैं।
- **प्रभाग 137:** यहां से आयेशा रफीक मैदान में है, जो समाजवादी पार्टी छोड़कर शिवसेना शिंदे गुट से चुनाव लड़ रही हैं। उनकी स्थानीय पकड़ मजबूत मानी जाती है। उनके सामने शिंदे सेना के महादेव आंबेकर हैं, जो पिछली बार दूसरे स्थान पर रहे थे और इस बार जीत के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं।
- **प्रभाग 138:** कांग्रेस ने निजामुद्दीन राईन को टिकट देकर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाया है। प्रभाग 138 को बचाने के लिए सपा ने महफूज आजमी को उम्मीदवार बनाया है। विधायक अबू असीम आजमी खुद यहां प्रचार में सक्रिय हैं।
- **प्रभाग 139:** यहां भी मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है। यहां शिवसेना शिंदे गुट की जरीना अख्तर कुरैशी, एनसीपी (AP) नागरत्न बनकर और सपा की तस्नीम मोहम्मद के बीच त्रिकोणीय संघर्ष की संभावना जताई जा रही है।

9 में से 5 जीती थी सपा ने

2017 के बीएमसी चुनाव में यहां की 9 सीटों में से सपा ने 5 सीटें जीती थी, AIMIM की एंट्री, कांग्रेस, शिंदे सेना और बीजेपी यहां कड़ी टक्कर दे रही है।

MMR में चुनने हैं एक से अधिक प्रत्याशी

समझें पैनल सिस्टम से कैसे करना है वोट

■ अरविंद त्रिपाठी, कल्याण : इस बार एमएमआर के मनपा चुनाव एक नए और महत्वपूर्ण बदलाव के साथ होने जा रहे हैं। पैनल सिस्टम के तहत चुनाव कराए जा रहे हैं। किसी प्रभाग में तीन, तो किसी में चार सीट हैं। यानी जितनी सीट उतने नगर सेवक। मतदाता को तीन या चार नगरसेवक चुनने हैं। जिसे पैनल कहा जाता है। जरूरी नहीं है कि आप एक ही पार्टी के उम्मीदवार को चुनें। अलग-अलग पार्टियों के उम्मीदवार को भी चुन सकते हैं। ऐसा दावा है कि इस नई चुनावी व्यवस्था को विकास कार्यों में तेजी लाने और प्रतिनिधित्व को अधिक संतुलित बनाने के उद्देश्य से लागू किया गया है। पैनल सिस्टम को मल्टी-मेंबर वॉर्ड सिस्टम भी कहा जाता है। हर प्रभाग में वे नगरसेवक एक पैनल के रूप में अपने प्रभाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में इस प्रणाली को पहली बार बड़े स्तर पर अपनाया जा रहा है।

जैसे कल्याण-डोंबिवली और उल्हासनगर मनपा के अधिकतर प्रभागों में चार सीटें होंगी, जिन्हें A, B, C और D के रूप में दर्शाया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि एक ही प्रभाग से विभिन्न सामाजिक वर्गों, क्षेत्रों और विचारों का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके।

एक नहीं, तीन या चार वोट डालने हैं

मतदान प्रक्रिया भी इस बार थोड़ी अलग होगी। मतदाता को अपने प्रभाग की प्रत्येक सीट A, B, C और D या कहीं-कहीं A,B,C के लिए अलग-अलग वोट डालना होगा। ईवीएम मशीन पर प्रत्येक सीट नंबर और उम्मीदवार का चुनाव चिह्न स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। मतदाता को उतने ही वोट डालने होंगे, जितनी सीटें हैं। यदि कोई मतदाता कम या अधिक वोट डालता है, तो उसका वोट अमान्य होने की आशंका रहती है।

'BMC चुनाव जीते, तो अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशियों से कब्जा खाली कराएंगे'

कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा से NBT की खास बातचीत

पिछले तीन दशक से मुंबई की राजनीति में सक्रिय मलबार हिल के विधायक व राज्य के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने बीएमसी के कई सारे चुनावों बहुत करीब से देखा है। उनका दावा है कि मुंबई मनपा पर इस बार महायुति का झंडा बुलंद होगा। कैबिनेट मंत्री लोढ़ा से राजकुमार सिंह ने बात की। पेश हैं उनसे बातचीत के प्रमुख अंश:

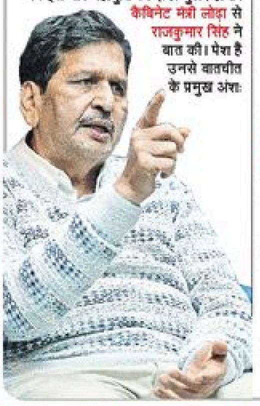

Q बाकी के मनपा चुनावों से यह चुनाव किस तरह से अलग है?

A पहले राजनीतिक दल मुंबईकरों के भावनाओं के साथ चुनाव लड़ते थे। कोई डराता था कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग किया जाएगा, मराठी माणूस को शहर से भगा दिया जाएगा, मराठी अस्तित्व की लड़ाई का हवाला दिया जाता। लेकिन यह चुनाव विकास के मुद्दे पर लड़ा जा रहा है। लोग शहर का विकास चाहते हैं।

Q कई दल मुंबई से महाराष्ट्र को अलग करने और मराठी अस्तित्व पर लड़ रहे हैं?

A तभी तो लोग उन्हें पसंद नहीं कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने एक नहीं, कई बार चैलेंज देकर कहा कि मुंबई को महाराष्ट्र से कोई माई का लाल अलग नहीं कर सकता। फिर तो बात ही खत्म हो जाती है। इससे पहले इतने साफ और कड़े शब्दों में किसी मुख्यमंत्री ने नहीं कहा था, इसलिए लोग मुख्यमंत्री पर विश्वास कर रहे हैं। दूसरी बात लोग यह भी बहुत अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में ही मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिलाया। उद्धव सेना के राज में जो मराठी माणूस मुंबई से बाहर चला गया, उसे मुंबई में फिर से बसाने का काम मुख्यमंत्री कौन कर रहे हैं।

Q इस चुनाव में आपको किस दल से चुनौती मिल रही है?

A इस चुनाव में चुनौती, कहां से, कौन दे रहा है? कोई चुनौती नहीं है। चुनाव प्रचार ही देख लें। हमारे बीजेपी के कार्यकर्ता से लेकर पदाधिकारी, विधायक, मंत्री घर-घर जा रहे हैं। लोगों से मिल रहे हैं। सभाएं कर रहे हैं। पदयात्राएं कर रहे हैं। यहां तक कि मुख्यमंत्री मुंबई में ही तीन से ज्यादा चुनावी सभाएं कर चुके हैं। दूसरी ओर कौन से विरोधी दल की सभा हुई है। उनके उम्मीदवारों का कोई अता-पता भी नहीं है। कहीं उनका चुनाव प्रचार नहीं दिख रहा।

Q आप कौशल विकास मंत्री हैं। आपका विभाग मुंबईकरों को कैसे फायदा पहुंचा रहा है?

A आस्ट्रेलिया, जर्मनी, नीदरलैंड जैसे कई सारे देश हमारे यहां से कुशल, निपुण लोगों की मांग कर रहे हैं। राज्य की सरकारी व गैर सरकारी आईटीआई के माध्यम से युवाओं को आधुनिक प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्हें कुशल, निपुण बना रहे हैं। वे जहां जाना चाहते हैं उस देश की भाषा सीखने की व्यवस्था भी हमारी सरकार ने की है। इसका फायदा एक साल के बाद दिखाई देगा।

Q कितनी सीटें बीजेपी जीतेगी?

A मैं यह पूरे विश्वास के साथ कहता हूं कि मुंबई का मेयर महायुति से ही बनेगा। जिस तरह से बीते विधानसभा में महायुति जीती थी, उसी तरह मनपा के चुनाव में जीतेंगे।

Q प्रश्न -आपने मुंबई में अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी थी, उसका क्या हुआ?

A मुंबई की सुरक्षा सर्वोपरि है। उससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यहां बसे बांग्लादेशी और रोहिंग्या इस शहर के लिए, हिंदुत्व के लिए बहुत बड़ा खतरा है। मैंने मालाड के मालवणी में आंदोलन किया, जिसमें मुझे सभी का समर्थन मिला। बीएमसी में बीजेपी की सत्ता आने पर मुंबई में जहां कहीं भी रोहिंग्या और बांग्लादेशी ने जबरन कब्जा जमा रखा है, उसे खाली कराएंगे।

हॉट सीट | किसमें कितना है दम | प्रचार ने पकड़ा जोर

शिंदे सेना, NCP और UBT आमने-सामने

रश्मि मालुसरे | प्रज्ञा भूतकार | पल्लवी

Priya.pandey@Timesofindia.com

■ मुंबई: बीएमसी चुनाव के रणक्षेत्र में बांद्रा पूर्व के प्रभाग क्रमांक 94 में शिंदे सेना की पल्लवी पै-सरमलकर, एनसीपी की रश्मि मालुसरे और यूबीटी की प्रज्ञा भूतकार के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। वहीं कांग्रेस की सुप्रिया पाठक भी रेस में पीछे नहीं है।

> **प्रभाग 94** में हर वोट बनेगा निर्णायक, कांग्रेस भी भर रही दम

यह मुकाबला इसलिए भी रोमांचक होता जा रहा है, क्योंकि साईं बाबा रोड, गोलीबार रोड और मराठा कॉलोनी में रहने वाले लोगों में मराठियों के साथ-साथ मुस्लिम, उत्तर भारतीय और गुजराती ज्यादा हैं। पिछली बार इस सीट पर प्रज्ञा भूतकार ने जीत हासिल की थी। लेकिन इस बार उनकी राह में कई चुनौतियां हैं। अन्य प्रत्याशी भी चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इसी के साथ ही सभी उम्मीदवार जनता से संवाद साधने के लिए दो भाषाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस प्रभाग की कुल जनसंख्या 59,998 है।

जनता का कहना है...

इस प्रभाग के मतदाताओं का कहना है कि हमें हमारे क्षेत्र का विकास चाहिए। छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान होना चाहिए। यही वजह है कि प्रभाग 94 में सभी पार्टियों ने सड़क, गटर,पानी, शौचालय और सुरक्षा का ही मुद्दा उठाया है। स्थानीय नागरिक राकेश शर्मा कहते हैं कि इस बार विकास एक बड़ा मुद्दा है।

यहां कांग्रेस दे रही शिंदे सेना को चुनौती

शैला लांडे | सोनू जैन

Pankaj.Pandey@Timesofindia.Com

■ मुंबई : चांदिवली विधानसभा के प्रभाग 163 पर शिंदे सेना और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है। कांग्रेस ने इस सीट पर चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) सोनू जैन को उतारा है, उनका मुकाबला शिंदे सेना उम्मीदवार और स्थानीय विधायक दिलीप लांडे की पत्नी शैला लांडे से है। 2017 के चुनाव में 1,775 मतों के अंतर से कांग्रेस के हाथ से यह सीट निकल गई थी। लेकिन इस बार कांग्रेस ने जोर लगा रखा है। 2017 में एमएनएस से दिलीप लांडे ने जीत दर्ज की थी। 2025 में प्रभाग 163 महिला आरक्षित होने के बाद दिलीप ने अपनी पत्नी को चुनावी मैदान में उतारा है। जबकि कांग्रेस ने युवा उम्मीदवार सोनू जैन को उतारा है।

> **प्रभाग 163** में सीए प्रत्याशी और MLA की पत्नी में मुकाबला

इस सीट पर जीत या हार तय करने में मुस्लिम वोटर अहम भूमिका में होते हैं। यहां करीब 33.27% मुस्लिम वोटर हैं। जबकि करीब 29.35% मराठी वोटर हैं। जीत के लिए दोनों ही पक्ष मुस्लिम और मराठी वोटरों को आकर्षित करने में जुटे हुए हैं।

ऐसा है जीत का गणित

प्रभाग 163 में कुल 38,671 वोटर हैं। 2017 के चुनाव में केवल 17,405 वोटरों ने ही अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। मौजूदा समय में यहां 12,265 मुस्लिम, 11,006 मराठी और 5 हजार उत्तर भारतीय समेत अन्य वोटर हैं। सभी उम्मीदवारों का दावा है कि वह मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं।

यहां हिंदी भाषियों के बीच दिलचस्प मुकाबला

Suraj.Pandey@timesofindia.com

■ मुंबई: बीएमसी चुनाव के लिए अब चार दिन शेष रह गए हैं। सभी प्रभागों में प्रचार जोरों पर है। घाटकोपर के प्रभाग 31 में भी चुनावी माहौल गर्म है, क्योंकि यहां तीन हिंदी भाषियों के बीच नगरसेवक बनने की लड़ाई है। एक ओर पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव की बेटी मनीषा यादव बीजेपी की उम्मीदवार हैं, तो दूसरी ओर कांग्रेस की प्रत्याशी भाग्यलक्ष्मी राजपुरोहित और पूर्व कांग्रेसी बीना सिंह निर्दलीय हैं। इसके अलावा शिवसेना (यूबीटी) की ज्योति मोरे भी जोर आजमा रही हैं। प्रभाग 31 से 3 बार कमलेश यादव और एक बार उनकी पत्नी नगरसेविका रह चुकी हैं। बीजेपी ने कमलेश यादव की बेटी मनीषा को मौका दिया है। वहीं कांग्रेस की नेता रह चुकी बीना सिंह टिकट न मिलने के बाद निर्दलीय लड़ रही हैं। उन्हें इस बार टिकट की आस थी, लेकिन भाग्यलक्ष्मी राजपुरोहित को दे दिया गया।

> **प्रभाग 31** में चार महिलाओं के बीच नगरसेवक बनने की लड़ाई

प्रभाग में कुल वोटर्स की संख्या 46,000 है, जिसमें लगभग 50% उत्तर भारतीय, शेष 50% मराठी, गुजराती, दक्षिण भारतीय हैं। इस बार काफी रोमांचक लड़ाई है, अब यह देखना होगा कि बीजेपी के गढ़ में कोई सेंध लग पाता है या नहीं।

ज्योति मोरे

बीना सिंह

भाग्यलक्ष्मी

मनीषा

क्या कहते हैं उम्मीदवार

बीजेपी उम्मीदवार ने सड़कों के मिसिंग लिंक को पूरा करने की बात कही है, तो कांग्रेस ने स्लम रिहैबिलिटेशन स्कीम से वंचितों को न्याय दिलाने की बात कही। वहीं बीना सिंह ने शिक्षा और नौकरी से जुड़ी समस्याओं का निवारण करने की बात कही। यूबीटी की प्रत्याशी ने भी बुजुर्गों के लिए वेस्टर्न टॉयलेट, बच्चों के लिए लाइब्रेरी और महिलाओं के लिए सैनिटरी पैड और हेल्थ चेकअप की बात कही।

BJP भर रही दम, NCP (SP) भी नहीं है कम

■ NBT रिपोर्ट, दिंडोशी: दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र में प्रभाग 43 में चुनावी सरगर्मी जोर पकड़ रही है। गली-मोहल्लों से लेकर सोसाइटियों तक में सभी 11 उम्मीदवार मतदाताओं से सीधा संवाद कर अपने पक्ष में वोटर्स को साधने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रभाग में बीजेपी उम्मीदवार विनोद मिश्रा और एनसीपी शरद पवार गुट के अजित रावराणे के बीच सीधी टक्कर है। सभी उम्मीदवार स्थानीय स्तर पर विकास, बेहतर कानून व्यवस्था और हर वर्ग के वोटर्स के दम पर जीत का दावा कर रहे हैं। पदयात्रा, नुक्कड़ सभा और घर-घर जाकर संपर्क साधते हुए प्रचार किया जा रहा है।

> **प्रभाग 43** में विनोद मिश्रा का एनसीपी (एसपी) के रावराणे से मुकाबला

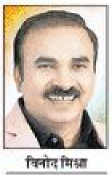

विनोद मिश्रा

अजित रावराणे

पूर्व नगरसेवक विनोद मिश्रा कहते हैं कि वह विकास के नाम पर वोट मांग रहे हैं। एरिया में सफाई, पानी, सड़क, शौचालय की समस्या को हमने दूर किया। वहीं एनसीपी (एसपी) के उम्मीदवार अजित रावराणे युवा मतदाताओं और सामाजिक संगठनों से संवाद कर वोटर्स को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस उम्मीदवार सुदर्शन सैनी, बहुजन समाज पार्टी के जयेश पांडे, आम आदमी पार्टी के इरफान खान, कांग्रेस के सुदर्शन सैनी भी मैदान में डटे हुए हैं।

करीब 30% उत्तर भारतीय

प्रभाग नंबर 43 में कुल 11 उम्मीदवार हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला बीजेपी के विनोद मिश्रा और एनसीपी शरद गुट के अजित रावराणे के बीच ही माना जा रहा है। यहां 30% उत्तर भारतीय, 35% मराठी, 15% मुस्लिम और शेष में गुजराती और अन्य समाज के लोग निवासरत हैं। गौरतलब है कि यहां कुल मतदाताओं की संख्या 45,628 है।

इलेक्शन ब्रीफ

शिवाजी पार्क में आज गरजेंगे ठाकरे बंधु

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : बीएमसी चुनाव मिलकर लड़ रहे उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे रविवार को दादर के शिवाजी पार्क में संयुक्त रैली करेंगे। ठाकरे बंधु शिवाजी पार्क से बीएमसी चुनाव का अजेंडा सेट करेंगे। उद्धव सेना के प्रवक्ता आनंद दुबे ने बताया कि शिवसेना शिवाजी पार्क में दशहरा रैली से पूरे राज्य की राजनीति तय करती है। बीएमसी चुनाव की दिशा भी शिवाजी पार्क की रैली से बदल जाएगी। बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव सेना, मनसे और शरद पवार गुट ने गठबंधन किया है। उधर, मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने बताया कि 11 जनवरी को हम महायुति का संकल्प पत्र जारी करेंगे, जिसमें मुंबई के विकास का पूरा खाका होगा।

चुनाव अवकाश लागू कराएगी विजलेंस टीम

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: बीएमसी चुनाव के मद्देनजर 15 जनवरी को घोषित सार्वजनिक छुट्टी को कड़ाई से लागू करने के लिए विजिलेंस टीम का गठन किया गया है, जो मुंबई और उपनगर में यह सुनिश्चित करेगा कि चुनाव के दिन सरकारी-अर्धसरकारी, सार्वजनिक उपक्रम,बैंक और दूसरे प्रतिष्ठान बंद रहें। हाल ही में इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से शासनादेश जारी किया गया था। फैक्ट्री, दुकानों, मॉल, होटल औद्योगिक उपक्रम और निजी कंपनियों पर शासनादेश लागू होगा। यदि कर्मचारियों को पूरे दिन छुट्टी देना संभव नहीं हो,तो उनको वोट डालने के लिए दो से तीन घंटे की सहुलियत दी जाए। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मतदान के लिए कर्मचारियों को छूट न देने वाले संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 11-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMFP User: cci Time: 01-10-2026 23:47 Color:

महानगर > मुंबई > रविवार, 11 जनवरी 2026 > पौष 22 शक संवत 1947, माघ कृष्ण नवमी, विक्रम संवत 2082
WATCH GOD WATCHDOG
वर्ष 18, संख्या 02 > मूल्य ₹6.00 > पेज 16 > आर. एन. आई. पंजीयन नंबर 27562
www.nbt.in

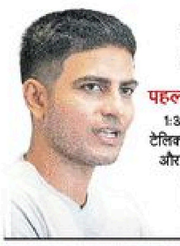

भारत vs न्यूज़ीलैंड
पहला वनडे आज
1:30pm से, वडोदरा, टेलिकास्ट स्टार स्पोर्ट्स और जियोहॉटस्टार पर
▸p12

NBT संडे नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

बहन नुपुर के संगीत-हल्दी में झूमी कृति सेनन
▸p13

खबरों के अंदर की बात
NBT Lens
देखें पेज 5, 12

अंतर्ज्ञान

क्षमा करना आत्मा का उच्चतम रूप है। यह दूसरों के लिए नहीं, खुद के लिए जरूरी है। जब हम किसी के प्रति क्रोध रखते हैं, तो वह हमारे भीतर विष की तरह पलता है। क्षमा करने का मतलब भूलना नहीं, बल्कि उस स्मृति से मुक्त हो जाना है। यह स्वीकार करना कि अतीत हमारे नियंत्रण में नहीं, पर भविष्य है। क्षमा वही कर सकता है, जो खुद को चोट से बड़ा समझता है। क्षमा करने वाला व्यक्ति प्रकाश फैलाता है, क्योंकि वह अंधकार नहीं ढोता। क्षमा आत्मा की चिकित्सा है। यह घाव मिटाती नहीं, उन्हें अर्थ देती है। जब आप माफ करते हैं, तो ईश्वर आपके भीतर मुस्कराने लगता है। क्षमा में जीना, दिव्यता में जीना है।

WPL आज के मैच
दिल्ली कैपिटल्स vs गुजरात जॉयंट्स
7:30pm से, नवी मुंबई में
गुजरात जॉयंट्स ने यूपी वॉरियर्स को 10 रन से हराया
टेलिकास्ट स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

फटाफट खबरें

PM मोदी ने मंदिर में ओंकार मंत्र जपा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को अपने तीन-दिवसीय गुजरात दौरे के तहत सोमनाथ पहुंचे। प्रधानमंत्री ने शनिवार शाम को मंदिर में 'ओंकार मंत्र' का जप किया। इसके बाद वहां आयोजित ड्रोन शो में भी हिस्सा लिया, जिसमें करीब 3,000 ड्रोन से मंदिर के इतिहास से जुड़े प्रसंग दिखाए गए।

साकीनाका के जैन मंदिर में मिली लाश

साकीनाका स्थित एक जैन मंदिर के ऊपरी हिस्से में शनिवार को एक व्यक्ति की लाश मिली। पुलिस ने बताया कि मृतक की शिनाख्त हरीश कुकरेजा के रूप में हुई है। पुलिस एडीआर दर्ज कर जांच कर रही है। डीसीपी दत्ता नलावडे ने हत्या के एंगल को खारिज किया है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच जारी है।

तारिक रहमान BNP के नए अध्यक्ष नियुक्त

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने तारिक रहमान को पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनकी मां और पार्टी अध्यक्ष खालिदा जिया के निधन के कुछ दिन बाद की गई है। शुक्रवार को हुई एक बैठक में बीएनपी की स्थायी समिति ने तारिक रहमान को पार्टी अध्यक्ष नियुक्त करने को मंजूरी दी।

देरी से चली लोकल ट्रेनें, यात्री हुए परेशान

बोरीवली और कांदिवली के बीच चल रहे छठी लाइन के काम के चलते शनिवार को पश्चिम रेलवे पर 101 लोकल ट्रेनें रद्द रहीं। इससे यात्री काफी परेशान हुए। शाम को भी लोकल काफी देरी से चल रही थीं। नतीजतन ऑफिस से घर जाने वाले यात्री देर से घर पहुंचे। आज भी करीब 153 लोकल ट्रेन रद्द रहेंगी। ▸▸पेज 3

मौसम

कोलाबा	29.8	19.5
सांताक्रूज	31.4	16.2
सूर्यास्त रविवार	6:18 बजे	
सूर्योदय सोमवार	7:15 बजे	

NBT संडे नवभारत टाइम्स — सामान्य ... 100 रुपया मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिले के बाहर।

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले, चीन-रूस कर लेंगे कब्जा

ग्रीनलैंड लेंगे, चाहे आसानी से मिले या मुश्किल से: ट्रंप

■ आईएएनएस, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात फिर दोहराई। ट्रंप ने चेतावनी दी, हम ग्रीनलैंड पर कुछ करने जा रहे हैं। उन्हें पसंद हो या न हो। अमेरिका पहले बातचीत के जरिए समाधान चाहता है, लेकिन अगर बात नहीं बनी तो दूसरे विकल्प भी खुले हैं। मैं आसान तरीके से समझौता करना चाहता हूं, लेकिन अगर आसान तरीका नहीं चला, तो हमें मुश्किल तरीका अपनाना पड़ेगा। अगर अमेरिका ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, तो चीन या रूस वहां अपनी मजबूत मौजूदगी बना सकते हैं, जो अमेरिकी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा होगा।

ट्रंप ने कहा, चीन रूस की मौजूदगी हमारे लिए खतरा

रिपोर्टरों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड की भौगोलिक स्थिति अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा, 'जब हम किसी जगह के मालिक होते हैं, तभी हम उसकी सही तरीके से रक्षा करते हैं। लीज पर ली गई जगह की सुरक्षा वैसी नहीं होती। मालिक होना जरूरी है।' ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया कि ग्रीनलैंड के आसपास पहले से ही रूस और चीन की सैन्य गतिविधियां दिख रही हैं, इसलिए हम ग्रीनलैंड चाहिए।

> ग्रीनलैंड के आसपास देखें, तो वहां रूसी, चीनी युद्धपोत हैं, और रूसी पनडुब्बियां हर जगह हैं। रूस या चीन को ग्रीनलैंड में पड़ोसी नहीं बनने देंगे। -डॉनल्ड ट्रंप

AFP
ट्रंप के खिलाफ लंदन में प्रदर्शन। वेनेजुएला पर हमले की कर रहे निंदा।

ग्रीनलैंड ने कहा, हमें अमेरिकी नहीं बनना

ग्रीनलैंड की राजनीतिक पार्टियों ने ट्रंप के उस बयान को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए बल प्रयोग की बात कही है। पार्टियों ने कहा, हम न अमेरिकी बनना चाहते हैं, न डेनिश, हम ग्रीनलैंडर रहना चाहते हैं। डेनमार्क और यूरोपीय देशों ने ट्रंप की धमकियों पर चिंता जताई है।

वेनेजुएला में तेल की सुरक्षा करेंगे ट्रंप

ट्रंप ने शुक्रवार को तेल कंपनियों के अधिकारियों से वेनेजुएला में जल्द से जल्द वापस लौटने की अपील की। कहा, आप बिल्कुल सुरक्षित हैं। अब आप हमसे सीधे बातचीत कर रहे हैं, वेनेजुएला से बिल्कुल भी नहीं। हमारी विशाल तेल कंपनियां अपना कम से कम 100 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेंगी।

हादसा: गोरेगांव में फ्रिज का कंप्रेसर फटने से पिता और बेटे-बेटी की मौत

Manish.Jha@Timesofindia.com

■ **मुंबई:** गोरेगांव (वेस्ट) के झोपड़पट्टी बहुल भगतसिंह नगर के राजाराम गली में शनिवार तड़के एक घर में आग लगने से एक ही परिवार के 3 लोगों पिता, बड़ी बेटी और छोटे बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान हर्षदा पावस्कर (19), कुशल पावस्कर (12) और संजोग पावस्कर (48) के तौर पर हुई है। शनिवार देर शाम ओशिवारा वैकुंठ धाम में तीनों का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस एडीआर दर्ज कर जांच में जुटी है।

गोरेगांव फायर ब्रिगेड के मुताबिक, प्राथमिक जांच में सामने आया कि हादसे के समय 3 लोग घर के ऊपरी हिस्से में सो रहे थे। उन्हें शॉर्ट सर्किट से फ्रिज के कंप्रेसर में आग लगने की जानकारी नहीं मिली। विस्फोट से पैदा हुई जहरीली गैस से वे बेहोश हो गए थे।

हादसे के दौरान कंप्रेसर में हुए विस्फोट के बाद घर में बिखरा पड़ा सामान।

छोटी बेटी और मां की जान बची

फायर ब्रिगेडकर्मियों ने बताया कि सूचना मिलते ही इलाके की बिजली सप्लाई काट दी गई। आग पर सुबह साढ़े तीन बजे तक पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। सर्च ऑपरेशन में घर के अंदर फंसे बेसुध तीनों लोगों को निकालकर पुलिस वैन और एक प्राइवेट गाड़ी से जोगेश्वरी ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में पावस्कर की पत्नी और छोटी बेटी दिव्या की जान बच गई। पत्नी एक हॉस्पिटल में अपनी ड्यूटी पर थी और बेटी सहेली के घर सोने के लिए गई हुई थी। ▸▸पेज 8

भारत में नियुक्त हुए तालिबान के पहले राजनयिक

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने भारत में अपनी पहली राजनयिक नियुक्ति की है। तालिबान ने विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मुफ्ती नूर अहमद नूर को दिल्ली में चार्ज डी अफेयर्स बनाया है। वे काबुल से भारत दिल्ली पहुंच चुके हैं। 21 अक्टूबर को भारत ने काबुल में अपने टेक्निकल मिशन को एंबेसी का दर्जा दिया था।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची ED और ममता की तकरार

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** ईडी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। आरोप लगाया कि गुरुवार को पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म I-PAC के ऑफिस पर छापेमारी के दौरान ममता सरकार की ओर से रुकावट डाली गई। ED ने केस की CBI जांच की मांग की है। इधर, पश्चिम बंगाल सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की। सरकार की मांग है कि उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। ईडी शुक्रवार को हाई कोर्ट पहुंची थी, लेकिन हंगामे की वजह से सुनवाई नहीं हुई। ईडी का आरोप है कि छापेमारी के दौरान ममता बनर्जी ने पुलिस की मदद से जरूरी दस्तावेज कब्जे में ले लिए। इस बीच, सीएम ममता ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिख आरोप लगाया कि SIR प्रक्रिया रेकॉर्ड सही करने की नहीं, वोटरों के नाम हटाने की कवायद है।

पक्ष सुने बिना कोई आदेश न दे कोर्ट: TMC

ऑडी ने रौंदा, 1 की हुई मौत

■ **पीटीआई, जयपुर:** जयपुर के पत्रकार कॉलोनी इलाके में शुक्रवार रात तेज रफ्तार ऑडी कार सड़क किनारे लगे खाने-पीने के ठेलों में घुस गई। हादसे में एक शख्स की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया, ऑडी एक दूसरी गाड़ी के साथ रेस कर रही थी। इसी दौरान कार ड्राइवर का बैलेंस बिगड़ा, कार डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क किनारे लगे करीब 10 से अधिक ठेलों को रौंदते हुए आगे बढ़ गई।

राम मंदिर परिसर में नमाज की कोशिश, अरेस्ट

घटना के बाद मंदिर परिसर की सुरक्षा और कड़ी की गई

■ **NBT न्यूज, अयोध्या:** अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में शनिवार को नमाज पढ़ने की कोशिश करते एक शख्स को अरेस्ट किया गया। उसकी पहचान जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के रहने वाले अब्दुल अहद शेख (55) के रूप में हुई है। वह कड़ी सुरक्षा के बावजूद डी-1 गेट से प्रवेश कर सीता रसोई के पास नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था। आरोप है कि उसने इस दौरान सांप्रदायिक नारे भी लगाए, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी के अनुसार, मामले की जांच कई सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं। जांच के बाद ही मकसद का पता चल सकेगा। घटना के बाद मंदिर परिसर की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है।

यौन उत्पीड़न के सह-आरोपी को बनाया पार्षद, विवाद के बाद इस्तीफा

■ **अरविंद त्रिपाठी, बदलापुर:** बदलापुर नगर परिषद में बीजेपी ने यौन उत्पीड़न मामले के सह-आरोपी तुषार आपटे को मनोनीत सदस्य नियुक्त किया, लेकिन उनकी नियुक्ति के बाद बीजेपी विवादों में घिर गई। विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई। विवाद में आने पर आपटे ने महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को इस्तीफा सौंप दिया। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए आपटे ने कहा कि स्कूल और पार्टी की छवि को नुकसान से बचाने के लिए उन्होंने यह निर्णय लिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा ठाणे जिला कलेक्टर और कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सौंप दिया है। बदलापुर यौन शोषण का मामला 2024 का है, जब एक स्कूल में दो नाबालिग छात्राओं के साथ कथित रूप से यौन शोषण किया गया था। इस मामले में स्कूल के कर्मचारी अक्षय शिंदे को मुख्य आरोपी बनाया गया था। उस समय ट्रस्ट के सचिव रहे तुषार आपटे पर अपराध की जानकारी न देने का आरोप लगा था। उनकी गिरफ्तारी घटना के 44 दिन बाद हुई थी और उन्हें 48 घंटे में जमानत मिल गई थी। मामला फिलहाल न्यायालय में लंबित है।

उद्धव सेना के प्रवक्ता संजय राउत ने बीजेपी पर सवाल उठाते हुए कहा कि बाल यौन शोषण मामले में सह-आरोपी को नगरसेवक बनाकर बीजेपी क्या संदेश देना चाहती है। उन्होंने कहा कि मामले में अब तक किसी अदालत से आपटे को क्लीन चिट नहीं मिली है। शुक्रवार को कुलगांव-बदलापुर नगरपरिषद के लिए आपटे के अलावा शगुफा गोरे (बीजेपी), प्रभाकर पाटील (एनसीपी) और दिलीप बैकर व हेमंत चतुरे (शिंदे सेना) को मनोनीत पार्षद नियुक्त किया था। आपटे के नाम पर विवाद हो गया, जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने इस पर जताई थी कड़ी नाराजगी

विवाद के बाद आपटे ने महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष को सौंपा इस्तीफा

अजित-सुप्रिया का संयुक्त घोषणा पत्र

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई :** एनसीपी के विलय के संकेत मिलने लगे हैं। शनिवार को अजित पवार और सुप्रिया सुले ने एक मंच पर आकर पुणे महानगरपालिका का चुनावी घोषणा पत्र जारी किया। 2023 में एनसीपी के दो फाड़ होने के बाद पहली बार दोनों ने एक साथ मंच शेयर किया है। इस पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि संयुक्त घोषणा पत्र का मतलब है कि दोनों गुट प्रभावी रूप से साथ आ गए हैं। ▸▸पेज 2, 8

32 बागियों को BJP ने निकाला

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई :** बीजेपी ने शनिवार को 32 और बागियों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इससे 26 लोगों को पार्टी ने पहले ही निलंबित कर दिया था। अब तक कुल 58 लोगों को पार्टी ने निलंबित किया है।

पार्टी ने इन पर अनुशासन का उल्लंघन करने के आरोप में छह साल तक के लिए निलंबित किया है। बीजेपी ने निलंबित किए गए इन 58 लोगों में से 26 मुंबई के हैं।

अमित साटम ने पूर्व DGP पर लगाए संगीन आरोप

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई:** BJP मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने शनिवार को महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक (DGP) संजय पांडे पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। साटम ने दावा किया कि संजय पांडे ने तत्कालीन विपक्ष के नेता और मौजूदा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को झूठे मामले में फंसाने की साजिश रची थी। अमित के मुताबिक, DGP पद से सेवानिवृत्त हुईं रश्मि शुक्ला ने सरकार को एक गोपनीय रिपोर्ट सौंपी है। इसमें उल्लेख है कि 2019 से 2022 के बीच तत्कालीन DGP संजय पांडे ने एक DCP और ACP पर दबाव बनाकर फडणवीस और शिंदे के खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराने की कोशिश की थी। साटम ने सवाल उठाया कि संजय पांडे को यह सब करने के निर्देश किसने दिए और इसके पीछे कौन-सी 'अदृश्य शक्ति' काम कर रही थी? उन्होंने सच सामने लाने के लिए संजय पांडे का नार्को टेस्ट कराने की भी मांग की।

अमित साटम

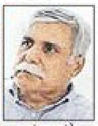
संजय पांडे

शुक्ला की गोपनीय रिपोर्ट में क्या है?

सूत्रों के अनुसार, पूर्व DGP रश्मि शुक्ला ने अपनी गोपनीय रिपोर्ट में तत्कालीन DGP संजय पांडे और दो अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज करने की सिफारिश की है। यह सिफारिश 2016 में तत्कालीन विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस और मौजूदा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को कथित तौर पर झूठे मामले में फंसाने की साजिश से जुड़े आरोपों के आधार पर की गई है। ▸▸शेष पेज 3 पर

फैसला मामले में कोर्ट ने कहा, महिला DV ऐक्ट के तहत राहत पाने की हकदार नहीं

शादीशुदा व्यक्ति से किसी महिला का रिश्ता वैवाहिक संबंध की श्रेणी में नहीं: हाई कोर्ट

Krishna.Shukla@Timesofindia.com

■ **मुंबई :** बॉम्बे हाईकोर्ट ने माना है कि शादीशुदा पुरुष के साथ महिला का रिश्ता वैवाहिक संबंध की श्रेणी में नहीं आता है। कोर्ट ने कहा, जानबूझकर ऐसे रिश्ते में रहने वाली महिला घरेलू हिंसा प्रतिबंध संरक्षण कानून (DV ऐक्ट) के तहत राहत की हकदार नहीं है।

जस्टिस मंजूषा देशपांडे ने कहा, ऐसे मामले में महिला को आर्थिक राहत देने से कानूनी तौर पर ब्याहता पत्नी और बच्चों के हित पर विपरीत असर पड़ेगा। अदालत ने कहा, सिर्फ कुछ समय साथ में बिताने और संयुक्त रूप से संपत्ति खरीदने से महिला और पुरुष का संबंध वैवाहिक संबंध की श्रेणी में नहीं आता है।

कोर्ट ने कहा कि ब्याहता पत्नी और बच्चे पर पड़ेगा विपरीत असर

आरोप : शख्स ने पत्नी को बीमार बताकर हासिल की थी हमदर्दी

AI Image

याचिका में दावा: कोर्ट ने महिला की याचिका को खारिज कर यह फैसला सुनाया है। पेशे से इंजिनियर महिला ने दावा किया था, वह अपने सहकर्मी शादीशुदा प्रोफेसर के साथ रिश्ते में थी, जिसने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे। महिला ने प्रोफेसर के शादीशुदा होने के बावजूद उससे विवाह किया था। महिला के मुताबिक, प्रोफेसर ने अपनी पत्नी को मानसिक रूप से बीमार बताकर उसकी हमदर्दी हासिल की थी। पुणे सेशन कोर्ट ने महिला को राहत देने से इनकार कर दिया था, तब महिला ने हाई कोर्ट में अपील की थी। ▸▸शेष पेज 8 पर

ओडिशा में लैंडिंग करते समय प्लेन क्रैश, 6 घायल

AI Image

■ **भाषा, राउरकेला:** ओडिशा के राउरकेला के पास शनिवार को एक निजी एयरलाइन के विमान के क्रैश होने से 6 लोग घायल हो गए। गंभीर घायल 2 लोगों को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। ओडिशा के परिवहन मंत्री बीबी जेना ने बताया, 9 सीटों वाले एक निजी ए-1 विमान में 6 यात्री सवार थे। हादसा राउरकेला से 10 किमी दूर जलदा में हुआ। विमान में 2 पायलट, 2 महिलाएं और 4 पुरुष यात्री सवार थे।

ईरान ने चेताया, प्रदर्शन करने पर मिलेगा मृत्युदंड

■ ईरान में इंटरनेट और टेलिफोन सेवा पर प्रतिबंध के बीच शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहे। अबतक 65 लोगों की मौत हो चुकी है।

■ ईरान में अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी कि प्रदर्शनों में शामिल होने पर खुदा का दुश्मन माना जाएगा, जो मृत्युदंड योग्य अपराध है।

■ अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खेल न खेलें, जब वह कुछ कहते हैं तो कर गुजरते हैं। ▸▸पेज 14

153 बूथ इस बार भिवंडी मनपा के चुनाव में संवेदनशील घोषित किए गए हैं।

इलेक्शन ब्रीफ

BJP की दो पूर्व नगरसेविकाएं शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल

■ **NBT न्यूज, मीरा-भाईंदर :** BJP के गढ़ माने जाने वाले मीरा-भाईंदर में शिवसेना (शिंदे) विधायक प्रताप सरनाईक आए दिन BJP को झटका दे रहे हैं। शनिवार को BJP को दो पूर्व नगरसेविका दीपाली मोकाशी (वॉर्ड-8) और वीणा भोईर (वॉर्ड-15) ने शिवसेना का दामन थाम। पिछले 7 दिनों में विजय रॉय, अनिता मुखर्जी सहित कुल चार नगरसेवक/ नगरसेविका BJP छोड़ शिवसेना (शिंदे गुट) में प्रवेश कर चुके हैं। दीपाली मोकाशी ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मेहता ने नीला सोंस (वॉर्ड-18), तरुण शर्मा (वॉर्ड-3), परेश शाह (वॉर्ड-6) जैसे अपने नजदीकियों और बिना जनाधार वाले लोगों को टिकट दिया।

VVMC चुनावः 21 निर्दलियों को मिला चुनाव चिह्न रिक्शा!

■ **NBT न्यूज, वसई :** वसई-विरार मनपा चुनाव में 115 सीटों के लिए 557 उम्मीदवारों में से 167 निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 21 उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह रिक्शा मिला है। इससे रिक्शा चलाने वालों के अच्छे दिन आ गए हैं। उम्मीदवार गल्ली मोहल्लों में प्रचार के लिए रिक्शा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

बताते कि इस बार चार प्रभाग को मिलाकर एक वॉर्ड बनाया गया है, जिसमें चार उम्मीदवार पैनल में खड़े हैं। निर्दलीय उम्मीदवार अपने प्रचार के लिए प्रति ऑटो रिक्शा हजार रुपये किराए पर लेकर प्रचार कर रहे हैं।

भादवड-टेमघर में मज़बूत स्थिति में है शिवसेनाः नाईक

■ **विजयकुमार सिंह, भिवंडी :** भिवंडी शहर का भादवड-टेमघर शिवसेना का पारंपरिक गढ़ रहा है। प्रभाग क्रमांक-13 और 15 की सभी सातों सीटों पर शिंदे सेना मजबूत स्थिति में है। शिवसेना के 40 साल पुराने किले को शिवसैनिक पूरी तरह सुरक्षित और बरकरार रखेंगे। यह बात भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के संपर्क प्रमुख व पूर्व नगराध्यक्ष मदन बुवा नाईक ने कही। नाईक भादवड में शिवसेना के उम्मीदवारों बाला राम चौधरी, अस्मिता नाईक, सुचिता म्हात्रे और मनीषा दांडेकर के समर्थन में आयोजित एक पदयात्रा रैली के दौरान बोल रहे थे। इस मौके पर शिवसेना नेता प्रकाश पाटील, ग्रामीण के विधायक शांताराम मोरे, उपनेता एवं पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे सहित भारी संख्या में पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

नवी मुंबई में कई हिंदी भाषी संगठनों का BJP को समर्थन

■ **NBT न्यूज, नवी मुंबई :** नवी मुंबई के दर्जनों हिंदी भाषी संगठनों ने BJP को समर्थन दिया है। शनिवार को सभी संगठनों के पदाधिकारी नवी मुंबई BJP के वरिष्ठ नेता राजेश राय के नेतृत्व में वन मंत्री गणेश नाईक से मिले और BJP को समर्थन की औपचारिक घोषणा की। हालांकि, नवी के तुर्भे स्टोर, अंबेडकर नगर, नेरुल के शिवाजी नगर, कोपरीगांव, रबाले एमआईडीसी जैसे स्लम एरिया के मजदूरों, सब्जी विक्रेताओं, छोटे दुकानदारों, लॉन्ड्री वर्क करने वाले हिंदी भाषी नागरिकों से संवाददाता ने उक्त संगठनों के बारे में पूछा, तो उनमें ज्यादातर को संगठन की जानकारी नहीं थी।

05 गुना अधिक संपत्ति के साथ सुमित पाटील सबसे अमीर | संजय म्हात्रे की संपत्ति भी 5 गुना बढ़ी, यह दूसरे नंबर पर | 03 गुना बढ़ोतरी के साथ संतोष शेट्टी तीसरे नंबर पर

भिवंडी में 2 से 4 गुना बढ़ गई पूर्व नगरसेवकों की संपत्ति

■ विजयकुमार सिंह, भिवंडी

शहर विकास के नाम पर वोट मांगने वाले भिवंडी के पूर्व नगरसेवकों की संपत्ति में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इन पूर्व नगरसेवकों की संपत्ति 2017 से 2025 के बीच महज 8 वर्षों में दोगुनी से लेकर चार गुना तक बढ़ गई है, जिससे ये पूर्व नगरसेवक अब करोड़पति बन गए हैं।

भिवंडी मनपा में सबसे अमीर पूर्व नगरसेवकों में सुमित पाटील हैं। मनपा चुनाव में निर्विरोध चुने गए बीजेपी नगरसेवक सुमित पाटील की संपत्ति 2017 में 12 करोड़ 91 लाख 31 हजार 902 रुपये थी। 2025 में उनकी संपत्ति 5 गुना बढ़कर 60 करोड़ 96 लाख 3 हजार 45 रुपये हो गई है। उल्लेखनीय है कि इन 8 वर्षों के दौरान सुमित पाटील के चाचा कपिल पाटील केंद्रीय पंचायत राज मंत्री थे। बताया जाता है इसी कालखंड में उनकी संपत्ति में यह बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। बीजेपी के पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी की संपत्ति 2017 में 8 करोड़ 50 लाख 82 हजार 360 रुपये थी, जो 3 गुना बढ़कर 27 करोड़ 13 लाख 38 हजार 843 रुपये हो गई है। बीजेपी के पूर्व नगरसेवक निलेश चौधरी की संपत्ति 2017 में 7 करोड़ 10 लाख 49 हजार 807 रुपये थी। वर्तमान में इसमें 3 गुना वृद्धि हुई है, जिससे यह 20 करोड़ 99 लाख 98 हजार 807 रुपये तक पहुंच गई है। पूर्व महापौर जावेद दलवी की संपत्ति 2017 में 7 करोड़ 49 लाख 84 हजार 34 रुपये थी। उनकी संपत्ति में भी 3 गुना बढ़ोतरी हुई है और अब वह 23 करोड़ 99 लाख 1 हजार 123 रुपये के मालिक हैं। शिंदेसेना के पूर्व नगरसेवक संजय म्हात्रे की संपत्ति 2017 में 6 करोड़ 13 लाख 14 हजार 70 रुपये थी, जो अब बढ़कर लगभग 5 गुना हो गई है। इस समय उनकी कुल संपत्ति 29 करोड़ 4 लाख 75 हजार 197 रुपये हो गई है।

संपत्ति की बढ़ोत्तरी में BJP के सभी नगरसेवक सबसे आगे

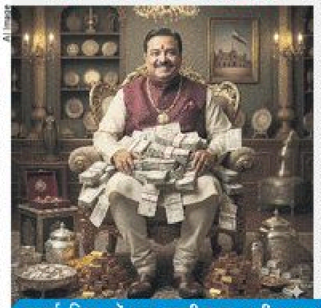

ढाई गुना बढ़ी नारायण चौधरी की संपत्ति

बीजेपी के पूर्व नगरसेवक नारायण चौधरी की संपत्ति 2017 में 19 करोड़ 63 लाख 80 हजार 463 रुपये थी, जो अब बढ़कर ढाई गुना हो गई है। उनकी संपत्ति 55 करोड़ 75 लाख 32 हजार 154 रुपये हो गई है। बीजेपी के पूर्व नगरसेवक हनुमान चौधरी की संपत्ति 2017 में 15 करोड़ 22 लाख 93 हजार 104 रुपये थी, जो अब दोगुना से अधिक बढ़कर 35 करोड़ 57 लाख 79 हजार 345 रुपये हो गई है।

वसई-विरार में 137 उम्मीदवार 10वीं पास, 102 उच्च शिक्षित

■ **NBT न्यूज, वसई :** वसई-विरार मनपा चुनाव में 557 उम्मीदवारों में से 137 उम्मीदवार सिर्फ 10वीं पास हैं। वहीं, 102 उम्मीदवार उच्च शिक्षित हैं। इसके अलावा 50 से अधिक उम्मीदवारों पर कई तरह के गंभीर अपराधिक मामले दर्ज हैं।

मनपा चुनाव में 557 उम्मीदवार मैदान में

वसई-विरार मनपा की 115 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। सभी राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों ने लोगों की बुनियादी सुविधाओं को हल करने और शहर के विकास का वादा करते हुए डोर-टू-डोर चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। 115 सीटों के लिए 557 उम्मीदवारों में से 167 प्रत्याशी निर्दलीय हैं। उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन पेपर में अपनी पढ़ाई की जानकारी दी है। इनमें 137 ने 10वीं तक पढ़ाई की है। 102 उम्मीदवार ग्रेजुएट हैं और 104 उम्मीदवार उच्च शिक्षित हैं। इनमें इंजीनियर, आर्किटेक्ट और टीचर भी हैं। इसके अलावा 21 वकील और 4 डॉक्टर भी चुनाव लड़ रहे हैं।

भिवंडी मनपा चुनाव में 153 मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित

■ **NBT न्यूज, भिवंडी :** संवेदनशील शहर के रूप में पहचाने जाने वाले भिवंडी मनपा क्षेत्र में कुल 718 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 153 मतदान केंद्र संवेदनशील हैं, जो कुल केंद्रों का लगभग 21% है। इनमें शांतिनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले 58 केंद्र शामिल हैं, जिन्हें सर्वाधिक संवेदनशील माना गया है।

भिवंडी में चुनाव के दौरान अक्सर मारपीट, डराने-धमकाने और दहशत फैलाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसी कारण शहर के कुछ विशेष मतदान केंद्र और इमारतें पुलिस रिकॉर्ड में हमेशा संवेदनशील रही हैं। इन स्थानों पर पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष सावधानी बरती जाएगी और कड़ी नजर रखी जाएगी।

मनपा चुनाव संपन्न कराने के लिए शहर की कुल 173 इमारतों में 718 केंद्रों पर मतदान केंद्र बनाया गया है। इनमें 146 इमारतों में स्थित 565 सामान्य मतदान केंद्र हैं और 27 इमारतों में स्थित 153 मतदान केंद्र को संवेदनशील केंद्र घोषित किया गया है। इन संवेदनशील मतदान केंद्रों में मुख्य रूप से आईटीआई इमारत ईदगाह, हंदी कंपाउंड, आजमी नगर, टावरे कंपाउंड, समद नगर, नवी बस्ती, प्रभाग क्रमांक-3 इमारत, शास्त्रीनगर, भाग्य नगर, संगमपाडा, कोंबडपाडा, म्हाडा कॉलोनी, बंदर मोहल्ला एवं भंडारी कंपाउंड मतदान केंद्र हैं।

ये है सामान्य, संवेदनशील मतदान केंद्र एवं बूथ

पुलिस स्टेशन	केंद्र	बूथ	केंद्र	बूथ	केंद्र	बूथ
भोईवाड़ा	21	75	05	21	26	96
भिवंडी शहर	26	121	06	39	32	160
निजामपुरा	24	72	06	24	30	96
शांतिनगर	51	197	07	58	58	255
नारपोली	24	100	03	11	27	111
कुल	146	565	27	153	173	718

ठाणे में बड़ा उलटफेर कर सकती है BJP!

■ **NBT न्यूज, ठाणे :** गडकरी रंगायतन सभागार में हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान एक प्रश्न के जवाब में फडणवीस ने ठाणे मनपा में शिंदे शिवसेना के साथ गठबंधन पर पूछे गए सवाल पर कहा कि शिंदे को डिस्टर्ब करना ठीक नहीं समझा, इसलिए एकनाथ चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया गया। लेकिन, विश्वसनीय राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि BJP चुनाव रिजल्ट के बाद ठाणे में समीकरण बदल सकती है और मनपा में अपना महापौर बिठा सकती है।

रोचक मुक़ाबला : UMC में शिवसेना-BJP आमने-सामने

उल्हासनगर महापौर की कुर्सी के लिए अब सीधी जंग

■ **अरविंद त्रिपाठी, उल्हासनगर :** उल्हासनगर महानगर पालिका चुनाव इस बार बेहद रोचक होता नजर आ रहा है। लंबे समय तक सहयोगी रहे शिवसेना और बीजेपी यहां इस बार आमने-सामने हैं। शिवसेना इस चुनाव में टीम ओमी कालानी और साईं पार्टी के साथ गठबंधन में उतरकर भाजपा के खिलाफ मैदान में है, जबकि भाजपा और आरपीआई ने अकेले दम पर सभी 78 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

एक ओर शिवसेना अपने सहयोगियों के समर्थन से महापौर की कुर्सी पर कब्जा जमाने का सपना देख रही है, तो दूसरी ओर भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ 78 में से 50 से अधिक सीटें जीतने का दावा कर रही है। दोनों ही दलों के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। चुनावी रण में महाराष्ट्र स्तर के दिग्गज नेता भी उतर चुके हैं। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उल्हासनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए पार्टी को पूर्ण बहुमत दिलाने की अपील की। वहीं, शिवसेना की तरफ से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी शहर में सभा कर मतदाताओं से शिवसेना और गठबंधन के उम्मीदवारों को समर्थन देने का आग्रह किया। दोनों दलों के शीर्ष नेता अपने-अपने स्तर पर पूरी ताकत झोंकते हुए चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

शिवसेना को स्थानीय स्तर पर मजबूत समर्थन

भाजपा जहां अकेले चुनाव मैदान में है। वहीं, शिवसेना को इस बार स्थानीय स्तर पर मजबूत समर्थन मिला है। टीम ओमी कालानी के प्रमुख पप्पू कालानी और साईं पार्टी का साथ शिवसेना के लिए बड़ा संबल माना जा रहा है। इससे चुनावी गणित और अधिक दिलचस्प हो गया है। सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण उल्हासनगर में जोरदार चुनाव-प्रचार करने वाले हैं। वहीं, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे भी चुनाव मैदान में उतरकर गठबंधन के पक्ष में माहौल बनाने की तैयारी में हैं।

पार्टियों के दिग्गज नेता उतरे चुनाव-प्रचार में

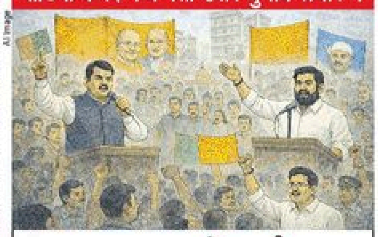

उल्हासनगर में साई पक्ष एक बार फिर पूरे दमखम से चुनावी रण में जुटा

■ **Nbt न्यूज, उल्हासनगरः** उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव में इस बार साईं पक्ष ने 11 उम्मीदवारों को मैदान में उतारकर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। पिछले 3 महानगर पालिका चुनावों में साईं पक्ष किंगमेकर की भूमिका निभा चुका है। ऐसे में यह देखना अहम होगा कि शिवसेना, TOK और साईं पक्ष के गठबंधन में साईं अपना पुराना ट्रैक रिकॉर्ड बरकरार रख पाता है या नहीं।

■ मैदान में 11 उम्मीदवार उतार कर दर्ज कराई मजबूत उपस्थिति
■ साई पक्ष के लिए पुराना ट्रैक रिकॉर्ड बरकरार रखना बड़ी चुनौती

साईं पक्ष के प्रमुख और पूर्व उपमहापौर जीवन इदनानी इस बार अपनी पत्नी एवं पूर्व महापौर आशा इदनानी के साथ चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा जीवन इदनानी के करीबी माने जाने वाले सुनील गंगवानी भी इस बार उम्मीदवार हैं, जिससे साईं पक्ष की ताकत और बढ़ी है। जीवन इदनानी का राजनीतिक सफर उल्हासनगर की सत्ता से गहराई से जुड़ा रहा है। साईं पार्टी का शिवसेना के साथ गठबंधन 2007 से रहा है, जब पार्टी ने 12 नगरसेवक जिताकर शिवसेना के समर्थन से महापौर पद हासिल किया था। 2012 में आंशिक टूट के बावजूद साईं ने 11 सीटें जीतीं और फिर शिवसेना के साथ सत्ता साझा की। हालांकि, 2017 में साईं पार्टी ने 12 नगरसेवक जीतकर भाजपा और TOK के साथ हाथ मिलाया, लेकिन यह गठबंधन ज्यादा समय नहीं चला और TOK के शिवसेना के साथ जाने से शिवसेना ने दोबारा महापौर पद हासिल किया। अब करीब साढ़े 12 साल बाद साईं पार्टी एक बार फिर शिवसेना के साथ है। शिवसेना-TOK-साईं गठबंधन के चलते शिवसेना की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, वहीं भाजपा भी इस गठबंधन को कड़ी चुनौती देती नजर आ रही है।

गणेश नाईक बोले- 2022 में ED के डर से शिंदे ने की थी बग़ावत

नाईक ने सभा को संबोधित करते हुए DCM शिंदे को दी चेतावनी | शिंदे पर क्षेत्र का विकास नही कराए जाने का लगाया आरोप

■ **NBT न्यूज, नवी मुंबई :** नवी मुंबई महानगर पालिका चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है राजनेताओं ने विरोधियों पर हमले तेज कर दिए हैं। वन मंत्री गणेश नाईक ने नवी मुंबई में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का वर्ष- 2022 में सत्ता परिवर्तन किसी विचारधारा या सिद्धांत पर आधारित नहीं था, बल्कि ईडी के डर से जेल जाने से बचने के लिए किया गया था।

गणेश नाईक ने कहा, एकनाथ शिंदे धमकी देते हैं कि वह टांग पलट देंगे और घोड़े गायब कर देंगे। अगर बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने मुझे अनुमति दी, तो मैं टांग भी पलटी करूंगा और घोड़े भी लापता कर दूंगा। एकनाथ शिंदे मेरे चक्कर में न पड़ें, वरना सब कुछ खोलकर रख दूंगा। महानगर पालिका को अस्पताल, गार्डन और स्कूल के लिए जगह देनी चाहिए थी, लेकिन उसकी जगह पर बिल्डर को प्लॉट्स उन्होंने दे दिए। मैंने विधानसभा में कहा था कि सिडको में बिल्डरों के दलाल बैठे हैं और सरकार में बिल्डरों के दलाल बैठे हैं। मैंने ये बातें तब कही थीं, जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे। जिन लोगों ने पाप किया है और हराम का पैसा कमाया है उसका परिणाम भोगना ही पड़ेगा।

...तो आज अलग होती राजनीति

गणेश नाईक ने कहा, कुछ लोग यह दावा करते हैं कि ठाणे किसी एक नेता का गढ़ है, लेकिन अगर मुझे कल्याण में कांग्रेस का महापौर बनाने दिया होता, तो आज राजनीतिक स्थिति अलग होती। नाईक ने कहा, जिन लोगों ने अतीत में उनके साथ गलत किया था और उन्हें हराने में भूमिका निभाई थी, वे आज इस दुनिया में नहीं हैं।

NCP (SP) कैंडिडेट ने शिवसेना पर लगाया खुद की किडनैपिंग का आरोप

■ **NBT न्यूज, ठाणे :** ठाणे के कलवा वॉर्ड-23क की NCP (SP) उम्मीदवार सपना पाटील ने शिवसेना के नेता द्वारा उनका अपहरण किए जाने का आरोप लगाया है। सपना के एक इंटरव्यू का टीजर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। ऐसे में, चर्चा है कि आखिर वह शिवसेना नेता कौन है? सपना के आरोप से स्थानीय राजनीतिक खेमे में हलचल मच गई है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि ऐसा आरोप लगाकर सपना अपने प्रचार को भावनात्मक रंग दे रही है।

शिवसेना नेता पर सपना पाटील के आरोप से मचा हंगामा

सपना ने कहा, 'मैंने अपहरण की शिकायत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित कुल 27 लोगों से की थी। उन्हें बताया था कि उनका एक राजनीतिक व्यक्ति मेरी निजी जिंदगी में इस तरह जबरदस्ती दखल दे रहा है।' उन्होंने दावा किया कि 11 जून को उनका विवाह होना था, उससे पहले ही उस नेता ने उनका अपहरण कर लिया था। इसका बाकायदा सबूत उनके पास है। सपना पाटील दिवंगत पूर्व नगरसेविका स्वतंत्रता सेनानी कावेरी पाटील की बेटे की बहू है। सपना ने कहा कि इस हादसे को वह कभी नहीं भूल सकतीं, जिससे लंबे समय तक वह मानसिक पीड़ा में थीं।

स्टेट अपडेट

जनता को बांटने का प्रयास कर रही है BJP : इमरान प्रतापगढ़ी

AI Image

■ **भाषा, अकोला :** कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने भाजपा पर 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाने का आरोप लगाया है। नगर निकाय चुनाव के संबंध में शुक्रवार को कांग्रेस की एक बैठक को संबोधित करने के बाद प्रतापगढ़ी ने मीडिया से कहा, देश में नफरत का ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। भाजपा के मंत्री समाज को बांटने वाली भाषा बोल रहे हैं, जबकि वरिष्ठ नेता चुप्पी साधे हुए हैं। प्रतापगढ़ी ने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति लोगों को बांटने और उन्हें शिक्षा से दूर रखने पर टिकी है।

BJP की विचारधारा मुस्लिमों के ख़िलाफ नही है : नितिन गडकरी

■ **भाषा, नागपुर :** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, बीजेपी की विचारधारा अपने कार्यकर्ताओं को जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी के लिए काम करना सिखाती है और पार्टी मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, इस देश के लिए बलिदान देने वाले मुसलमान हमारे लिए उतने ही प्रिय हैं जितने कि हिंदू। नागपुर में शुक्रवार को चुनाव प्रचार के दौरान गडकरी ने कहा, यदि भाजपा-शिवसेना गठबंधन 15 जनवरी को होने वाले नागपुर महानगर पालिका चुनाव में पूर्ण बहुमत से जीतता है, तो लोगों की आकांक्षाएं और सपने पूरे होंगे।

बीड तीर्थस्थल-पंढरपुर के बीच मार्ग को विकसित करेंगे : CM फडणवीस

■ **पीटीआई, बीड :** मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा, राज्य सरकार बीड जिले में गहिनीनाथगड तीर्थस्थल और पंढरपुर के बीच के रास्ते को विकसित करेगी, जिसका इस्तेमाल सालाना पालकी यात्रा के लिए किया जाता है। वामनभाऊ महाराज की 50वीं पुण्यतिथि के मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा, गहिनीनाथगड तीर्थस्थल दूर-दराज के लोगों को आध्यात्म से जोड़ता है। उन्होंने कहा, सरकार ने गहिनीनाथगड को विकसित करने के लिए एक योजना बनाई है, जिस पर काम चल रहा है। इस मौके पर राज्य मंत्री पंकजा मुंडे और एनसीपी के पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे मौजूद थे।

हॉट सीट किसमें कितना है दम

हिंदी भाषियों के गढ़ में उत्तर भारतीय बहुएं डटी

सरिता दुबे

हेमलता सिंह

■ **सुरेंद्र नेगी, नालासोपारा :** वसई-विरार में लगभग दस साल बाद चुनाव हो रहे हैं। पिछले दस सालों में इस क्षेत्र में कुछ खास विकास नहीं हुआ। वसई-विरार की 115 सीटों पर विकास के वादे और दावों का बाजार गरम है। प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को बड़े-बड़े परिवर्तन करने का सपना दिखाया जा रहा है। इधर, खस्ताहाल सड़कों, खुले गटर, पानी, बिजली, डंपिंग ग्राउंड, श्मशान भूमि, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। ये समस्याएं स्लम इलाकों में अधिक हैं। मनपा का प्रभाग-18 हिंदीभाषियों का गढ़ है। यहां संतोष भुवन, शर्मा वाडी, बिलालपाडा, राशिद कम्पाउंड, धावशेत पाडा, हवाईपाडा, कारगिल नगर, गौराई पाडा, जीवन नगर, ठाकुर नगर, भागवत टेकडी, गणेश नगर, राशिद कंपाउंड, गांगडीपाडा आदि मिलाकर 50,000 से अधिक वोटर हैं, जिनमें 70% हिंदी भाषी हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां सिर्फ चुनाव के दौरान नेता दिखाई देते हैं।

प्रभाग 18
दो बहुओं के बीच रोचक हो रहा चुनावी मुकाबला

बविआ के सामने शिंदे गुट की चुनौती

2015 के चुनाव में यहां बविआ का राज था। प्रभाग (18 ब) में पूर्व नगरसेविका व सभापति रहीं सरिता दुबे को इस बार भी बविआ ने चुनाव मैदान में उतारा है, जिनके सामने शिवसेना [शिंदे गुट] की हेमलता सिंह हैं। हिंदीभाषी वोटरों के गढ़ में दोनों उत्तरभारतीय उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर है।

टिकट बंटवारे के पेंच में फंसी यहां चुनावी जंग

उत्तम तिवारी

विवेक उपाध्याय

■ **अमित तिवारी, मीरा-भाईंदर :** प्रभाग 18 में चुनावी समीकरण दिलचस्प मोड़ ले चुका है। कुल 24 उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन चर्चा कुछ ही नामों पर सिमटी हुई है। इस वॉर्ड में लगभग 27 हजार मतदाता हैं, जिनमें लगभग 50% हिंदीभाषी और शेष 50% में मराठी, मुस्लिम व ईसाई समुदाय के मतदाता शामिल हैं। इस वॉर्ड को परंपरागत रूप से BJP का सुरक्षित वॉर्ड माना जाता रहा है। पिछली बार BJP के विजय राय, विविता नाईक, नीला सोंस और दौलत गजरे विजयी हुए थे, लेकिन इस बार टिकट वितरण ने समीकरण बदल दिए हैं।

प्रभाग 18
में बढ़ा है उत्तर भारतीय कैंडिडेट के बीच मुकाबला

BJP ने केवल नीला सोंस पर भरोसा बरकरार रखते हुए बाकी तीन का टिकट काट दिया और युवा चेहरा विवेक उपाध्याय तथा पूर्व महापौर निर्मला सावले सहित नए चेहरों को मौका दिया है। टिकट कटने से नाराज विजय राय ने शिवसेना का दामन थाम लिया, जबकि दौलत गजरे ने निर्दलीय ताल ठोक दी है। शिवसेना की ओर से पेशे से डॉक्टर उत्तम तिवारी भी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं।

बीजेपी और शिंदेसेना में फंसा पेच

यहां बीजेपी से विवेक उपाध्याय और नीला सोंस तथा शिवसेना से विजय राय और उत्तम तिवारी शामिल हैं। विजय रॉय का टिकट कटने से उत्तर भारतीय मतदाताओं का एक वर्ग नाराज बताया गया है, वहीं विवेक उपाध्याय को मौका मिलने से युवा मतदाताओं में उत्साह देखा जा रहा है। नीला सोंस का दोबारा टिकट मिलना भी चर्चा में है।

उत्तर भारतीय वोटर्स को साधने में जुटी BJP

■ अमित तिवारी, मीरा-भाईंदर

मीरा-भाईंदर में BJP ने उत्तर भारतीय मतदाताओं को साधने के लिए खास रणनीति अपनाते हुए उत्तर भारतीय नेताओं के साथ फिल्मी सितारों को भी प्रचार मैदान में उतार दिया है। टिकट वितरण के बाद पिछले 10 दिनों में कई पूर्व नगरसेवक और उत्तर भारतीय पदाधिकारी असंतुष्ट होकर पार्टी से दूरी बनाने लगे थे। बदलते माहौल को भांपते हुए BJP ने मुंबई BJP के उपाध्यक्ष अमरजीत मिश्र को जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने पिछले कुछ दिनों में नाराज नेताओं और कार्यकर्ताओं से लगातार मुलाकात कर उन्हें वापस पार्टी में जोड़ने में सफलता हासिल की है।

इसी क्रम में कुछ दिन पहले शिंदे सेना में गए रामानंद पांडेय को BJP में वापस लाकर उत्तर भारतीय मोर्चा का जिला सचिव नियुक्त किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने घर पर बैठ चुके असंतुष्ट कार्यकर्ताओं से भी संपर्क साधा, उन्हें समझाया और दोबारा चुनाव प्रचार में सक्रिय किया। इससे संगठन में पनप रहे असंतोष को काफी हद तक रोकने का प्रयास किया गया है और उत्तर भारतीय कार्यकर्ताओं की पूरी ताकत को 'मिशन कमल' में झोंक दिया गया है।

रणनीति के हिस्से के रूप में BJP ने भोजपुरी सुपरस्टार और पूर्व सांसद दिनेशलाल यादव 'निरहुआ' को भी प्रचार अभियान में उतारा है। निरहुआ ने शहर के विभिन्न उत्तर भारतीय बहुल क्षेत्रों में कई सभाएं कीं। उन्होंने भोजपुरी गीतों और तेजतर्रार भाषणों के जरिए मतदाताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विकास के मुद्दों के नाम पर मतदान करने की अपील की।

फिल्मी सितारों और नेताओं को उतारा मैदान में

साझा घोषणापत्र मतलब, दोनों NCP साथ हैः वडेट्टीवार

■ **भाषा, मुंबई :** कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के संयुक्त घोषणापत्र का मतलब है कि दोनों गुट प्रभावी रूप से एक साथ आ गए हैं। उन्होंने NCP (SP) नेता सुप्रिया सुले के केंद्र सरकार में संभावित रूप से शामिल होने की अटकलों का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह 'पुनर्मिलन' वैचारिक सामंजस्य या पार्टी कार्यकर्ताओं की चिंता के बजाय सत्ता के आकर्षण से प्रेरित प्रतीत होता है। वडेट्टीवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और NCP (SP) की कार्यकारी अध्यक्ष सुले द्वारा पुणे नगर निगम चुनावों के लिए एक संयुक्त घोषणापत्र जारी करने पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

चुनावी रण में रिश्तेदारों के लिए बड़े नेताओं ने झोंकी पूरी ताकत

चुनाव मैदान में तीन सांसदों और कई विधायकों के बच्चे

Rajkumar.Singh@TimesofIndia.com

AI Image

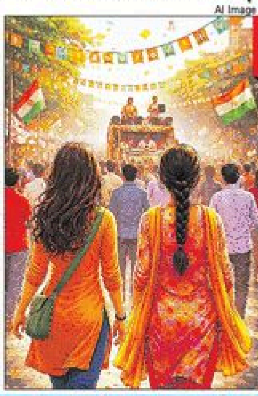

■ मुंबई : मुंबई के तीन सांसदों और कई सारे विधायकों ने अपने बेटे-बेटियों और रिश्तेदारों को जिताने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। यह उनके प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। बस कुछ भूलकर सिर्फ अपने घर के सदस्यों को चुनाव जिताने के लिए ये सांसद और विधायक रात-दिन संघर्ष कर रहे हैं। इनको लग रहा है अगर इनके रिश्तेदार चुनाव हार जाते हैं, तो लोग उंगली उठाएंगे।

उत्तर-पश्चिम मुंबई लोकसभा से शिंदे सेना के सांसद रविंद्र वायकर की बेटी दीप्ति वायकर-पोतनीस प्रभाग नंबर 173 से उम्मीदवार हैं। उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा से उद्धव सेना के सांसद संजय दीना पाटील की बेटी राजुला को हरियाली विलेज गोदरेज कॉलोनी प्रभाग नंबर 114 से चुनाव मैदान में उतारा है। इसके अलावा कांग्रेस से राज्यसभा के सदस्य चंद्रकांत हंडोरे ने अपनी बेटी प्रज्योति को प्रभाग नंबर 140 से उम्मीदवारी दिलाई है। हंडोरे नगरसेवक भी थे और मेयर के रूप में उन्होंने काम भी किया है, वहीं वायकर भी लंबे समय तक नगरसेवक थे। बीएमसी की सबसे मालामाल स्टैंडिंग कमेटी के चार टर्म के नगरसेवक भी थे।

परिवार के सदस्यों को जिताने के लिए जोड़-तोड़

बीजेपी सहित तमाम राजनीतिक दलों के विधायक अपने परिवार के सदस्यों की जीत सुनिश्चित करने के लिए तरह-तरह के जोड़ तोड़ कर रहे हैं। विधान परिषद में बीजेपी के सदस्य प्रवीण दरेकर अपने भाई प्रकाश दरेकर की जीत की नैया पार लगाने के लिए प्रभाग नंबर 3 में रात दिन एक कर दिए हैं। दिंडोशी से उद्धव सेना के विधायक सुनील प्रभु अपने बेटे अंकित की जीत के लिए प्रभाग नंबर 54 तक सीमित होकर रह गए हैं। वर्सोवा से ही उद्धव सेना के विधायक हारून खान अपनी बेटी सबा खान की जीत तय करने के लिए प्रभाग 64 के मतदाताओं को मना रहे हैं। चांदिवली विधानसभा से शिंदे सेना के विधायक दिलीप लांडे अपनी पत्नी शैला लांडे (प्रभाग 163) को चुनाव जिताने में लगे हैं। वे पहले भी नगरसेविका का चुनाव जीत चुकी हैं। भायखला विधानसभा के विधायक मनोज जामसुतकर अपनी पत्नी सोनम (प्रभाग 210) की जीत की डगर साफ करने में लगे हैं।

नार्वेकर, नवाब मलिक और असलम की प्रतिष्ठा दांव पर

कोलाबा के विधायक व विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मालाड मालवणी से कांग्रेस के विधायक असलम शेख और अजित पवार की पार्टी के नवाब मलिक की प्रतिष्ठा दांव पर है। परिवार के तीन-तीन सदस्यों का टिकट दिया है। राहुल नार्वेकर के भाई की पत्नी यानी भाभी हर्षिता नार्वेकर (प्रभाग 225), भाई मकरंद नार्वेकर (प्रभाग 226) और चचेरी बहन डॉ. गौरवी शिवलकर नार्वेकर (प्रभाग 227) से जिताने के लिए नार्वेकर ने पूरी ताकत झोंक दी है। मालाड मालवणी से कांग्रेस के विधायक असलम शेख के बेटे हैदर अली (प्रभाग नंबर 34), बहन कमरजहा सिद्दीकी (प्रभाग नंबर 33) और दामाद सैफ अहद खान (प्रभाग नंबर 62) की जीत की रणनीति बनाने में लगे हैं। अजित पवार ने नवाब मलिक के परिवार के तीन सदस्यों को टिकट दिया है। हालांकि नवाब अब विधायक नहीं हैं, लेकिन उनकी बेटी सना अणुशक्ति नगर विधानसभा से विधायक है। पार्टी ने मलिक के भाई कप्तान मलिक को प्रभाग 165 से और डॉक्टर बहन सईदा को 168 से टिकट दिया है। सन 2017 के चुनाव में भी दोनों ने जीत दर्ज की थी। इस बार मलिक परिवार की बहू बुसरा नदीम मलिक को 170 से टिकट दिया है।

पूर्व DGP रश्मि शुक्ला की गोपनीय रिपोर्ट से हड़कंप

पेज 1 से आगे

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: बीएमसी चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व डीजीपी संजय पांडेय को लेकर माहौल गरम हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, 3 जनवरी को सेवानिवृत्त होने से पांच दिन पूर्व रश्मि शुक्ला ने संजय पांडेय से जुड़े मामले में विशेष जांच दल (SIT) की जांच के आधार पर राज्य के गृह विभाग को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी।

रिपोर्ट के अनुसार, तत्कालीन डीजीपी संजय पांडेय, डीसीपी लक्ष्मीकांत पाटिल और एसीपी सरदार पाटिल पर आरोप है कि उन्होंने वर्ष 2016 में ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक पुराने मामले की दोबारा जांच के जरिए देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे को फंसाने की योजना बनाई। बताया गया है कि 2016 में ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में श्याम सुंदर अग्रवाल के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था, जो उनके और पूर्व बिजनेस पार्टनर व डेवलपर संजय पुनामिया के बीच विवाद से जुड़ा था। इस मामले में वर्ष 2017 में चार्जशीट दाखिल हो चुकी थी। इसके बावजूद संजय पांडेय पुनः जांच के आदेश दिए।

जबरन वसूली का मामला

पुनामिया ने शिकायत दर्ज कराई है कि इसी मामले का इस्तेमाल वर्ष 2021 से जून 2024 के बीच उन्हें परेशान करने और जबरन वसूली का दबाव बनाने के लिए किया गया। शिकायत के आधार पर संजय पांडेय सहित सात अन्य लोगों के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया है।

संडे मेगा ब्लॉक: CSMT से विद्याविहार के बीच होगा असर

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

मध्य रेलवे पर रविवार को जरूरी कार्यों के लिए मेगा ब्लॉक रहेगा। मिली जानकारी के अनुसार, सीएसएमटी और विद्याविहार के बीच सुबह 10.55 बजे से दोपहर 15.55 बजे तक अप और डाउन स्लो लाइन पर ब्लॉक रहेगा। सुबह 10.48 बजे से दोपहर 15.45 बजे तक डाउन स्लो सेवाएं सीएसएमटी और विद्याविहार स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और भायखला, परेल, दादर, माटुंगा, सायन और कुर्ला स्टेशनों पर रुकेंगी। फिर विद्याविहार स्टेशन पर डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी। इसी के साथ ही घाटकोपर से सुबह 10.19 बजे से दोपहर 15.52 बजे तक की अप स्लो ट्रेन सेवाएं विद्याविहार और सीएसएमटी स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और कुर्ला, सायन, माटुंगा, दादर, परेल और भायखला स्टेशनों पर रुकेंगी।

ट्रांस-हार्बर लाइन पर ब्लॉक

ब्लॉक अवधि के दौरान वाशी/नेरुल और ठाणे स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन की ट्रेनें निलंबित रहेंगी। ठाणे से वाशी/नेरुल/पनवेल जाने वाली डाउन लाइन की ट्रेनें सुबह 10:35 बजे से शाम 16:07 बजे तक और पनवेल/ नेरुल/वाशी से ठाणे जाने वाली अप लाइन की सेवाएं सुबह 10:25 बजे से शाम 16:09 बजे तक निलंबित रहेंगी।

जीवनसाथी
दिल का रिश्ता

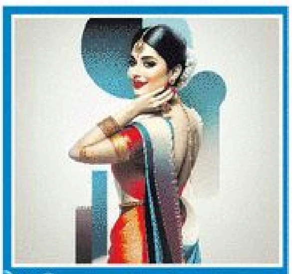

वधू चाहिए

जाटव
SM4 smart wheatish Jatav boy 28/5'10", Central Govt. Class-1 Officer seeks working girl in Central or Delhi Govt Services. Call/Whatapp: [illegible]

सामान्य

अग्रवाल
AGARWAL MCA, 39/5'8", Smart, unmarried boy from Delhi, own 2 Home & Shop 12 LPA. Seeks unmarried b'ful girl. Contact: [illegible]

जनरल

दूसरी शादी
SM4 NM 43/ 5'8"/ B.Com (H) & MBA/ Fless Divorce Boy/ Wrkg MNC/ S.Del Bsd Fmly. Seeks Edu. B'Ful Veg. Bride. No Dowry # 8076177900

वैवाहिक

वधू चाहिए

जाति आधारित

H'SOME 44/5'11" knkj B.Tech(C.S),M.B.A (London). properties Delhi NCR, Lko worked mnc, now self com-pany Glint India tech-nol-ogies 108 noida 40LPA. never married. 9415142535

अग्रवाल-बिसा
SM4 Maglik Goel, Oct-80, 5'7", Never Married, B.Com, Veg + T.Totller, W.H. Mgr in Delhi, seeks Homely / Service Girl M.No. [illegible]

NI Brahmin Boy Reputed family 28/175 Athletic BS/ MS top US Univ wkg Top IT Co USA Green Card seeks PQM bride mridulanand@yahoo.com , All Hindus Welcome

वधू चाहिए - भाषा आधारित

पंजाबी
SM4 Punjabi Khatri H'some 22.04.1997/6/2" Masters of Computers Application, Software Engineer in MNC Gurgaon. Contact: [illegible]

ब्राह्मण
BRAHMIN Engineering Boy 27/5'5", Working in MNC, Gurugram, 14 LPA, Sandhalaya Gotra, Seeks a Beautiful girl. Contact: [illegible]

BRAHMIN Boy 1974 Nvr Married pure Veg, MBA MCA own computer Inst. at Chennai seeks Nvr Married Brahmin girl [illegible]

सलाह
पाठकों को किसी भी विज्ञापन पर कार्य करने से पहले उन्हें पूरी तरह से पूछताछ करने की सलाह दी जाती है। यह अखबार विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जाने वाले उनकी स्थिति, आयु और दूल्हे/ दुल्हन की आय की जिम्मेदारी नहीं लेता है। इस मामले में कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।

वर चाहिए

GIRL working under ministry of corporate affairs seeks a Govt.Officer groom, any brahmin 38 to 42, Bengali , U.P. Connect :+91 [illegible]

जैन
SM4 Digamber Jain/Agrwl Singhal girl5'4"/94,PhD Asst. prof. NMMIS (MAHA)Seeks Equl/ Prof.Qlfd boy Fthr Retr. C-1 Ofcr. Govt [illegible]

समुदाय के आधार पर

राजपूत
SMF Cultured Rajput Girl BCA MCA 5'4" working with Deloitte, 25LPA Gurgoan seeks reputed rajput fmly Delhi+Ncr. [illegible]

कार्य आधारित

डॉक्टर्स
MD/MS BRAHMIN M4 MBBS, MS OPTHALMOLOGY (Studying)GARHWALI BRAHMIN GIRL 1996/5'3" FROM A DOCTOR'S FAMILY 9411536600 7983038968

इंजीनियर्स
KAYASTHA 42 unmarried girl, B.Tech, Fair, wrkng in gurgaon. looking for decent & educated family. [illegible]

आईएएस/अलाइड सर्विसेज
SM Beautiful slim Jat Sikh IRS officer girl 35/5'4", well established family of Punjab. Cell:[illegible]

सामान्य

कास्ट नो बार (जाति का बंधन नहीं)
RESIDENT of Kolkata, posted in Mumbai, MBA HR, 39/5'2",Suitable groom req- [illegible]

WELL Educated B'ful Vaish Girl 21-8-89/5'5" B.Tech (Bio-Tech), MBA Mkt doing Free lance, Seeks well Edu. Boy, Govt. Job Pref. # [illegible]

एससी/एसटी
Ph.D. DU Kanojia Girl, 31/ 5'4" seeks Well Educated Stld. Govt MNC Preferred. Delhi Based Boy. Cont: [illegible], vidyakanojia13@gmail.com

वर चाहिए

जाति आधारित

अग्रवाल-बिसा
Daughter of Affluent high Status, educated Business family of Mumbai.Pretty, cultured,Slim, accomplished with rich moral values and jolly nature. 34/5'3" Inter C.A doing Graphic Designing profession and Director of family export business. Invite proposals from only Mumbai based Agrawal or Maheshwari families of similar status WhatsApp: 9820848111 Email Chaudhari.c@gmail.com

ब्राह्मण
ALLIANCE invited for Brahmin girl, Aug 1993, Fair, 5'4". Senior Auditor earning annual package 25-30 LPA. From a respected upper middle-class family. Seeking well-settled, suitable groom. Contact: [illegible]

MBA, Working सारस्वत ब्राह्मण कन्या हेतु वय 37 हाइट 5'4", शाकाहारी ब्राह्मण परिवार, दिल्ली- NCR से वर चाहिए, सम्पर्क करें [illegible]

वर चाहिए - भाषा आधारित

पंजाबी
33 yrs, 5'6", fair, MCA+MBA Working in MNC. Divorced Seeks well-Educated Groom. Contact: [illegible]

वर चाहिए - राष्ट्रीयता आधारित

एनआरआई/ ग्रीन कार्ड
NRI GIRL
30 yrs 5'6 div (ON),Canada PR, Govt Job, Pref.well settled Boy (ON)Canada No-[illegible]

bharat matrimony
Biggest Matrimony Service for Indians
भारत की सबसे बड़ी विवाह सेवा
अभी ऐप डाउनलोड करें
पंजीकरण मुफ़्त है!
25 साल से भारतीयों की नंबर 1 पसंद

विवाह विशेष

TIMES interact
READER ENGAGEMENT INITIATIVE

DESIGNER Fancy Sarees
31 YEAR at your service
Makar SANKRANTI
10% Special Offer
Salonee CHANDERIWALA
HOUSE OF EXCLUSIVE FANCY SAREES
(NO BRANCHES)
COLLECTION RANGE IN
• Embroidery Sarees • Upaada Silk • Banarsi Weaves
• Silk Kota • Cotton Sarees • Kota Sarees • Tissue Kota
• Summer Crepe • Raw Mango Silk • Super Net
• Chanderi Silk • Kathmandu Silk • Chapa Silk • Kataan Silk
• Tissue & appliqué magic in 4 stunning colours!
Shop No 7/B, Sahayadri Building, S.V. Road, Opp Bajaj Hall, Malad (W), Mumbai - 64
Mob.: 80802 84377 / 99307 87205
Sunday Open: Timing: 10.30 am to 8.30 pm | Thursday Closed

Radha Krishna
हम आपको Selected Biodata ही देंगे!
आपको तीन अलग-अलग लोगों से Cross जानकारी करनी है।
ताकि रिश्ता अच्छी जगह रिश्ता हो जाए
Bajoria (Agrawal)
9320411776

कुछ ही दिनों में शादियों का मौसम फिर से शुरू होने वाला है। ऐसे में, शादी की तैयारियों को अंतिम रूप देने का समय आ चुका है। नए साल के साथ नए ब्राइडल कलेक्शन बाजार में आ चुके हैं, जिनकी खरीदारी की जा सकती है।

SubhLagan
A BOND OF TRUST
रोहित कौरीनिया
अपने लाडले-लाडलियों के रिश्तों के लिए एक बार अवश्य पधारिये!
(केवल हिंदू समाज के लिए)
info@subhlagan.com | www.subhlagan.com
अंधेरी (प.) - रमन : 9920233244, 022-40601111
वडाला (प.) - बनवारी : 9167344068, 022-24164335
दिल्ली - रोहित : 9987314956, 011-35008404
कोलकाता - प्रवीण : 9748794123, 9830082203
जयपुर - विकी : 7357069118, 0141-4108434

मकर संक्राति संग करें शादी की तैयारियां

AI GENERATED IMAGE

Abhishek.Singh2
@timesofindia.com

नया साल तो शुरू हो चला है। इसी बीच शादियों का मौसम भी आने को है। इसकी तैयारियां अभी से ही जोर शोर की जा रही हैं। बाजार में नए प्रॉडक्ट छा गए हैं। बात जब शादी की होती है तो कपड़ों से लेकर जेवर और दूसरी अक्सेसरीज पर फोकस रहता है। इसलिए जरूरी है कि आप बाजार जाकर इस अवसर का लाभ उठाइए।

भारत के संदर्भ में शादी को एक बड़ा फंक्शन माना जाता है। हमारा परिचय शादियों से बचपन से ही होने लगता है और समाजीकरण के साथ-साथ बिना बताए ही काफी कुछ चीजें सीखने को भी मिलने लगती हैं। ऐसा बहुतों के साथ होता है कि बड़े होने के दौर में वे शादियों को लेकर काफी उत्सुक हो जाते हैं और मन ही मन में अपने शादी के बारे में सोचने लगते हैं। बातों-बातों में दोस्तों के बीच में चर्चा भी करते हैं कि मुझे तो अपनी शादी में ये करना है और ये नहीं करना है। फिलहाल जब बात शादी की आती है, तो सबकुछ भूलकर ध्यान सिर्फ बेस्ट पर जाकर टिक जाता है और शादियों की तैयारियां तो 6 महीने पहले से शुरू हो जाती हैं और लास्ट मिनट तक चलती ही रहती है।

यह सच है कि शादी को लेकर तैयारी करना एक बड़ा काम होता है और इसमें अपने सपनों के मुताबिक चीजों को खरीद पाना एक बड़ी चुनौती भी होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने देश के बाजारों को समझें और यह भी समझें कि शादी में क्या-क्या होता है और उसके अनुसार अपने ड्रेस का निर्धारण करें। चूंकि शादी के ड्रेस दूसरे ड्रेस से अलग होते हैं और महंगे भी। इसलिए, यहां पर रुककर फैसला लेने की जरूरत होती है। अपनी शादी के जोड़े का सपना पूरा करने के लिए आप मुंबई जा सकती हैं।

मुंबई एक प्रकार से फैशन हब है, जहां आप शादी के लिए एक से एक ड्रेसेस, लहंगे, अन्य सामान खरीद सकते हैं। अब आप सोच रहे हैं कि मुंबई जैसे महंगे शहर में हर एक चीज आपके बजट से बाहर होगी, तो आप गलत हैं, यहां आप कम बजट से लेकर हाई बजट में हर एक चीज खरीद सकते हैं। शादी के लिए आपका बजट काफी हाई है तो आप देश के जाने माने डिजाइनर के स्टोर्स पर भी विजिट कर सकते हैं। आमतौर पर हर शादी की शुरुआत रोका सेरेमनी से होती है। पारंपरिक पोशाक से हटकर आज की दुल्हनें स्टाइलिश क्रॉप टॉप-स्कर्ट सेट से लेकर अनारकली सूट और यहां तक कि ड्रेप ड्रेस तक कुछ भी पहनना पसंद कर रही हैं। यह वास्तव में कई चीजों पर निर्भर करता है, जिसमें परिवार और समाज एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। ऐसे शानदार मौके के लिए अपने ड्रेस के बारे में काफी सोच समझ कर तैयारी करने की जरूरत होती है। यह इसलिए भी जरूरी होता क्योंकि यह वह मौके होते हैं जिसे आप हमेशा के लिए यादगार बनाना चाहते हैं।

जाहिर सी बात है कि शादियां हर किसी के लिए खास होती हैं और न चाहते हुए भी हर कोई अपनी उम्मीद और बजट से बेहतर करने की कोशिश करता है। ऐसे में बाजार में कई एक रेंज के प्रॉडक्ट होते हैं, जो सबकी उम्मीदों पर खरे उतरते हैं। मुंबई जैसे शहर की बात करें तो यहां पर हर शहर के जैसे ही दो विकल्प मिलते हैं। या तो आप डिजाइनर ड्रेस के साथ आगे बढ़ सकते हैं या फिर सस्ती चीजों के लिए यहां पर अपनी बाजार हैं। जहां से आप चीजें आसानी से अपने पसंद और बजट के हिसाब से खरीद सकते हैं।

आज के दौर में वेस्टर्न और ट्रेडिशनल दोनों तरह के कपड़े शादियों में प्रचलन में हैं। इसलिए आपको तय करना है कि आपको किसके साथ आगे बढ़ना है। बाजार में अभी से ही लहंगे, सिल्क की साड़ियां और इंडोवेस्टर्न का भी एक अच्छा कलेक्शन मौजूद है।

जूलरी की शॉपिंग भी होती है अहम

शादियों में जैसे कपड़ों की बात होती है, वैसे ही जूलरी की भी अहमियत होती है। जूलरी के बिना तो शादी में बात ही नहीं बनने वाली। यह ऐसी शॉपिंग होती है, जिसके लिए अनुभव, फैशन और समय तीनों का मेल होना बहुत जरूरी होता है। एक प्रफेशनल पलक बंसल कहती हैं कि मेरी शादी होने वाली है। हालांकि मैं जूलरी कैरी करना पसंद नहीं करती हूं, लेकिन शादी के दौरान या इसके बाद तो यह जरूरी हो जाएगा। ऐसे में घर वाले चाहते हैं कि जूलरी की शॉपिंग में मैं जरूर जाऊं। अभी से ही मैंने जूलरी से जुड़े लेटेस्ट डिजाइन देखने शुरू कर दिए हैं। फिलहाल मेरे पास कोई खास अनुभव नहीं है, लेकिन मैं इसकी खरीदारी में अपने एक दोस्त और मां को लेकर जाऊंगा। इन दोनों को काफी तर्जुबा है। ज्यादातर ब्राइड्स जूलरी खरीदते समय उसे लहंगे से मिक्स एंड मैच कराती हैं जो बेशक शादी वाले दिन परफेक्ट लुक पाने के लिए बेस्ट होता है लेकिन शादी के बाद ब्लू, ग्रीन और भी अलग-अलग कलर के स्टोन्स वाली ये जूलरी ट्रेडिशनल या वेस्टर्न सबके साथ अच्छी लगे इसकी कोई गारंटी नहीं होती। बेहतर होगा आप इस तरह की जूलरी चुनें, जिसे आसानी से और अलग-अलग तरीकों से कैरी करना संभव हो।

वैसे तो मुंबई जूलरी शॉपिंग के लिए जाना जाता है, लेकिन डायमंड की बात आए तो सूरत शहर इसके लिए बेहद मशहूर है। बल्कि सूरत को सिल्क सिटी के नाम से भी जाना जाता है। सूरत में देशभर से सबसे ज्यादा डायमंड जूलरी की शॉपिंग करने आते हैं।

वेडिंग शॉपिंग के फंडे

- यह तय करें कि आपके साथ शॉपिंग में कौन जा रहा है। भारतीय शादी के लिए शॉपिंग करना एक बड़ी बात होती है। अच्छा तो यही रहेगा कि आप ऐसे लोगों के छोटे ग्रुप को साथ लेकर जाएं, जिनकी राय आपके लिए अहमियत रखती है और आपके साथ ईमानदार हों।
- चूंकि शादी की शॉपिंग सामान्य शॉपिंग नहीं होती है, इसलिए ऐसे व्यक्ति का साथ होना जरूरी है, जो फैशन की समझ रखने के साथ-साथ शादी के फंक्शन की भी गहरी समझ रखता हो। खरीदारी के दौरान आपका फंडा क्लीयर होना चाहिए कि किस फंक्शन के लिए आपका लुक क्या होगा। ऐसे में जरूरी है कि वेडिंग एक्सपर्ट की सलाह लेने के बाद शॉपिंग करने जाएं।
- जैसे आप अपनी रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए बजट के बारे में सोचते हैं, इसी तरह से शादी की शॉपिंग में हर फंक्शन के हिसाब से बजट निर्धारित करें। यह आपको तय करना है कि कहां कितना पैसा खर्च करना है। इस तरीके से आप अच्छी शॉपिंग कर सकेंगे।
- आपको तय करना है कि रेडीमेड के साथ जाएंगे या ड्रेस सिलने के लिए देनी है। अगर आपने दूसरे विकल्प के साथ जाते हैं, तो आपको वेडिंग से कम से कम एक वीक पहले ट्रायल की डेट रखनी चाहिए। ताकि चीजें समय से मैनेज हो सकें।

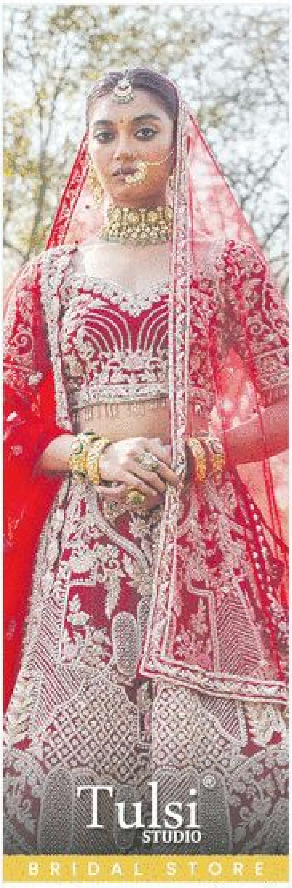
Tulsi STUDIO
BRIDAL STORE
THANE & SANTACRUZ (WEST)
Contact: +91-9930407588

BOOK YOUR MATRIMONIAL ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT:
Jitesh Dominic
9867 407 521
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN TO BOOK

AI से बने फर्जी टिकट की जांच अब होगी टैब से

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई:** लोकल ट्रेनों में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) तकनीक के जरिए बनाए जा रहे फर्जी टिकट और सीजन पास के मामलों में तेजी को देखते हुए रेलवे ने सख्ती बढ़ा दी है। पश्चिम रेलवे ने सबअर्बन सेक्शन में तैनात सभी टिकट चेकर्स को विशेष टैबलेट उपलब्ध कराए हैं। इन टैब की मदद से अब टीसी ट्रेन के अंदर ही यात्रियों के टिकट और पास की तुरंत जांच कर सकेंगे। टिकट और सीजन पास पर दर्ज यूनिकोड नंबर को स्कैन कर उनकी

वैधता की पुष्टि की जाएगी, जिससे फर्जी टिकट पकड़ना आसान होगा। इससे जांच प्रक्रिया तेज होगी।

अधिकारियों के अनुसार, हाल के महीनों में एआई तकनीक का इस्तेमाल कर फर्जी टिकट और पास तैयार करने वाले गिरोह सक्रिय हुए हैं। विशेषकर एसी लोकल में ऐसे टिकटों का उपयोग बढ़ा है। अब तक एआई आधारित फर्जी टिकट के करीब 6 मामले पकड़े जा चुके हैं। रेलवे का कहना है कि टैब से सत्यापन शुरू होने के बाद यह संख्या और बढ़ सकती है, क्योंकि कई यात्री अब भी डिजिटल रूप से छेड़छाड़ किए गए टिकटों का प्रयोग कर रहे हैं। रेलवे ने यात्रियों को चेतावनी दी है कि फर्जी टिकट पाए जाने पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

...इसलिए पड़ी जरूरत

मुंबई सेंट्रल की टिकट जांच कर्मी स्मिता दीपिका मूर्ति ने 9 जनवरी को चर्चगेट-विरार रूट पर ड्यूटी के दौरान एक महिला यात्री का फर्जी एसी लोकल पास पकड़ा। सुबह करीब 10:20 बजे अंधेरी से चलने वाली अप फास्ट लोकल के महिला फर्स्ट-क्लास कोच में यात्री द्वारा दिखाया गया UTS पास संदिग्ध लगा। पूछताछ में यात्री टालमटोल करने लगी, जिसके बाद उसे बांद्रा स्टेशन पर उतारा गया। जांच में पास फर्जी साबित हुआ। यात्री ने स्वीकार किया कि पास उसके मित्र ने फर्जी ऐप से बनाया था। RPF की मदद से उसके खिलाफ GRP थाने में मामला दर्ज किया गया।

12 जनवरी से मिलेगा 12वीं का हॉल टिकट

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई:** स्टेट बोर्ड ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा के लिए हॉल टिकट जारी करने की तिथि घोषित कर दी है। बोर्ड के अनुसार, सभी विभागीय बोर्डों के स्टूडेंट्स के हॉल टिकट 12 जनवरी से बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। संबंधित स्कूल और जूनियर कॉलेज इन्हें डाउनलोड कर स्टूडेंट्स को प्रदान करेंगे।

बोर्ड की वेबसाइट पर होंगे उपलब्ध

बोर्ड ने सभी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों को निर्देश दिए हैं कि वे एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से हॉल टिकट डाउनलोड करें। बोर्ड ने साफ किया है कि हॉल टिकट की प्रिंटिंग के लिए स्टूडेंट्स से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। डाउनलोड किए गए हॉल टिकट पर संबंधित स्कूल या जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल की मुहर और हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

इन स्टूडेंट्स को मिलेगा हॉल टिकट

जिन स्टूडेंट्स के परीक्षा आवेदन पत्र का स्टेटस 'पेड' है, केवल उन्हीं के हॉल टिकट जारी किए जाएंगे। विलंब से आवेदन करने वाले और विभागीय बोर्ड से अतिरिक्त सीट नंबर प्राप्त स्टूडेंट्स के हॉल टिकट अलग विकल्प से जारी होंगे। यदि हॉल टिकट में स्टूडेंट्स का नाम, मां का नाम, जन्मतिथि या अन्य विवरण गलत हैं, तो बोर्ड से उपलब्ध करेक्शन लिंक के जरिए ऑनलाइन सुधार किया जा सकता है। मंजूरी मिलने पर संशोधित हॉल टिकट डाउनलोड किए जा सकेंगे। फोटो स्पष्ट न होने पर नई फोटो पर प्रिंसिपल के हस्ताक्षर और मुहर लगानी होगी। हॉल टिकट गुम होने पर स्कूल दोबारा प्रिंट कर लाल स्याही में डुप्लीकेट लिखकर देगा।

मानहानि मामले में NRI डॉक्टर-यूट्यूबर से पूछताछ

संग्राम को पूछताछ के बाद नोटिस देकर छोड़ा

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई:** मानहानि के मामले में लंदन निवासी यूट्यूबर डॉ. संग्राम पाटील को शनिवार सुबह मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ की। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया, बल्कि नोटिस जारी कर पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, संग्राम के लंदन से मुंबई पहुंचने पर उन्हें एयरपोर्ट पर रोका गया। इसके बाद उनसे और उनकी पत्नी से पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि BNSS की धारा 35(3) के तहत ऐसे मामलों में, जहां अपराध की सजा अपेक्षाकृत कम होती है, आरोपी को गिरफ्तार करने के बजाय पुलिस के सामने पेश होने का नोटिस दिया जाता है। यह कार्रवाई बीजेपी के मीडिया सेल के पदाधिकारी निखिल भामरे की शिकायत पर दर्ज मानहानि के मामले में की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पाटील ने अपने सोशल मीडिया हैंडल और यूट्यूब चैनल से बीजेपी को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाई। पार्टी नेताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है।

'स्थानीय स्तर पर अलग गठबंधन नई बात नहीं'

मोघे ने कहा, पार्षदों के निलंबन को टाल सकते थे

■ **भाषा, मुंबई:** वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवाजीराव मोघे ने शनिवार को कहा कि अगर अंबरनाथ नगर परिषद के 12 कांग्रेस पार्षद बीजेपी के साथ मिलकर अलग गुट बनाने के बजाय आपसी सहमति बना लेते, तो उनका निलंबन टाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि पार्षदों को पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से अनुमति लेनी चाहिए थी और इसके बाद स्थानीय निकाय के कामकाज को व्यापक जनहित में सुचारू रूप से चलाने के लिए 'मौन सहमति' बनानी चाहिए थी।

बता दें कि स्थानीय निकाय के लिए 20 दिसंबर को हुए चुनावों के बाद बीजेपी की स्थानीय इकाई ने सत्ता हासिल करने के लिए अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के साथ मिलकर 'अंबरनाथ विकास आघाडी' (एवीए) के बैनर तले गठबंधन कर लिया। इस गठबंधन के कारण बीजेपी ने अपने सहयोगी शिवसेना को दरकिनार कर दिया, जो चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। इस आघाडी में राज्य सरकार में बीजेपी के एक अन्य सहयोगी अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) भी शामिल थी। इस अप्रत्याशित गठबंधन से असहज स्थिति में आई कांग्रेस ने बुधवार को अपने 12 पार्षदों और एक मंडल अध्यक्ष को निलंबित कर दिया।

शुक्रवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने एक निर्दलीय सदस्य के साथ मिलकर गठबंधन बनाया और बीजेपी को सत्ता से दूर रखते हुए अंबरनाथ स्थानीय निकाय में शासन का दावा पेश किया। पूर्व मंत्री मोघे ने कहा कि स्थानीय स्तर पर वैचारिक विरोधियों के साथ गठबंधन कोई नई बात नहीं है और गठबंधन यह सुनिश्चित करने के लिए किए जाते हैं कि निर्वाचित निकाय जनता के हित में कार्य करें। उन्होंने 2017 के जिला परिषद चुनावों के बाद यवतमाल में कांग्रेस द्वारा बीजेपी के साथ किए गए गठबंधन को याद किया। उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी थी कि कांग्रेस के समर्थन के बिना जिला परिषद अध्यक्ष का चुनाव संभव नहीं था।

बता दें कि अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव के लिए स्थानीय स्तर पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच गठबंधन कर लिया गया था। इसके बाद यह खबर सुर्खियों में आ गई। इसी बीच, कांग्रेस हाई कमान ने फैसला ऐक्शन लिया और अपने 12 पार्षदों को निलंबित कर दिया। इसके बाद सभी पार्षद बीजेपी में शामिल हो गए और अब कांग्रेस के पास वहां कोई पार्षद नहीं बचा है।

'12 पार्षदों का अलग गुट बनाना गलत'

मोघे ने इस बात पर जोर दिया कि ग्राम पंचायत या जिला परिषद के चुनाव जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं से जुड़े होते हैं और उनके विचारों तथा राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस को अविभाजित शिवसेना की ओर से भी प्रस्ताव मिला था, लेकिन वह कांग्रेस को सत्ता में कोई हिस्सेदारी देने के लिए तैयार नहीं थी। दूसरी ओर, बीजेपी ने कांग्रेस को जिला परिषद अध्यक्ष पद ढाई साल के लिए देने पर सहमति जताई थी। इसका पहला कार्यकाल बीजेपी ने अपने पास रखा। मोघे ने कहा कि बीजेपी को हमारा समर्थन केवल जनता और यवतमाल जिले के कल्याण से जुड़े फैसलों के लिए था। इसमें कुछ भी लिखित रूप में नहीं था। 2019 में राज्य स्तर पर महा विकास आघाडी के गठन के बाद हमारा गठबंधन टूट गया और कांग्रेस ने शेष ढाई वर्षों के लिए जिला परिषद अध्यक्ष पद के लिए अविभाजित शिवसेना को समर्थन देने का फैसला किया। अंबरनाथ नगर परिषद में हुए राजनीतिक घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए मोघे ने कहा कि राज्य नेतृत्व की अनुमति के बिना 12 पार्षदों का बीजेपी के साथ मिलकर अलग गुट बनाना गलत था।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

SOCIAL EVENT

व्यक्तिगत

आयोजन

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी मुंबई में

१८ जनवरी, २०२६

gurudevinmumbai26.com

२० जनवरी, २०२६

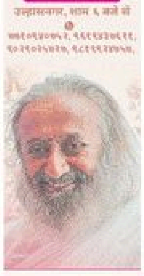

प्रॉपर्टी

बिक्री के लिए

महाराष्ट्र

SERENE 1-BHK Fully Furnished Weekend Home for Sale that is in the middle of nature and near IMAGICA on the Bombay-Pune Expressway.Interested and genuine buyers Cont- Venkat at 9819998036

मुंबई प्रॉपर्टीज

नवी मुंबई

FOR Sale 2BHK- 895 SBA in front of Khandeshwar Station. 85 lac(neg) call 9869001585, 9820481138

प्रॉपर्टी ऐन्सलेरीज

वाणिज्यिक परिसर (अचल संपत्ति)

AVAILABLE
IN READY POSSESSION COMMERCIAL PREMISES FOR LEASE (First Floor) at L.J. Road, Mahim.
Admeasuring 2,100 sq. ft. carpet area with 40-ft wide frontage.
Ideal for office, bank, or showroom use. Excellent proximity to Aqua Metro Line, BKC, railway stations, and key business hubs.
Call: 9167333680

GALA on Rent 2,500 sqft carpet @ Film City Road for E-commerce/ MFR/ Stockist/Online Business. 9819724670 / 8779430377

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

टेंडर और नोटिस

सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at large that **M/s. Crown Developers**, a partnership firm having its office at 122, Andheri New Kapaswadi, Juhu Ekta CHS Ltd., New Versova Link Road, Andheri (West), Mumbai – 400053, is a partnership firm consisting of the following partners:

1. Mr. Javeed Zaveri – Partner holding 65% share
2. Mr. Kalimullah Sharif – Partner holding 35% share

The public is hereby informed that all decisions, dealings, transactions, negotiations, agreements, understandings, commitments, or arrangements of whatsoever nature concerning any project, property, development rights *(Survey No. 126 H. No. 4 for 9130.26 sq.Yards, S. No. 127 H. No. 5 for 394.68 Sq Yards and S. No. 127 H. No. 6 for 59.80 sq Yards at Kausa, Mumbra, District-Thane-400 612)*, or business of M/s. Crown Developers are required to be taken only with the unanimous and joint consent of both the partners. No partner has authority to act unilaterally or independently on behalf of the firm.

Furthermore, consent of 192 tenants of Barkat Park Co-operative Housing Society Ltd vest solely with the firm, all development rights vest exclusively with the firm, and no dealings whatsoever shall be entered into by any person without the express written consent of both partners jointly. Any unilateral or unauthorised dealing shall be void and at the sole risk of the concerned party.

Any person dealing with any individual partner of M/s. Crown Developers without verifying the express and written consent of both partners shall do so entirely at their own risk, costs, and consequences, and neither the firm nor the undersigned shall be liable for the same.

Without prejudice to the above, it is clarified that in respect of the project known as "Crown Residency", situated at Survey No. 126, H No. 1, Village Kausa, Taluka & District Thane – 400612, Maharashtra, purported development rights appear to have been granted in favour of "Crown Builders and Developers" without any express or implied authority of M/s. Crown Developers. Appropriate legal proceedings shall be initiated in respect of such unauthorised acts, and any dealings pursuant thereto shall be entirely at the risk of the concerned parties.

All existing purchasers, prospective purchasers and concerned persons are further strictly cautioned that no payments, including pending or unpaid amounts, shall be made to any person without prior consultation with and confirmation from the undersigned, namely Mr. Javeed Zaveri (Partner – 65%). Any payment made in violation of this notice shall be treated as unauthorised and invalid.

This notice is issued in the interest of the firm and the public at large, and all concerned are requested to take due notice thereof.

For M/s. Crown Developers
Sd/-
Mr. Javeed Zaveri
Partner (65%)
Place: Mumbai
Date : 11/01/ 2026

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री श्याम देवाय नमः || || श्री हनुमन्ते नमः ||

श्री श्याम परिवार बांगुर नगर, गोरेगांव (प.)

द्वारा आयोजित

श्री श्याम बाबा खाटू वाले का 28वां भव्य वार्षिकोत्सव संकीर्तन

रविवार, दि. 11 जनवरी, 2026 दोपहर 3.15 बजे से रात्रि 9.30 बजे

विशेष आकर्षण: सुप्रसिद्ध कारीगरों द्वारा श्री श्याम बाबा का भव्य श्रृंगार, अलौकिक झांकी, छप्पन भोग प्रसाद

भजन गायक : श्री आशुजी वर्मा (पानीपत), श्री राजूजी खण्डेलवाल (मुंबई), श्री मुरारीजी वर्मा (मुंबई), श्रीमती अंकिता दुबे (मुंबई) एवं अन्य स्थानीय सुप्रसिद्ध गायक

स्थल: बांगुर विद्या भवन स्कूल हॉल, पुलिस चौकी मार्ग, बांगुर नगर, गोरेगांव (प.), मुंबई-400104

सभी श्याम भक्तों से सप्रेम अनुरोध है कि आपका अमूल्य समय निकालकर सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर इस भव्य आयोजन का लाभ उठायें।

म्यूजिकल ग्रुप : वकील एण्ड पार्टी | साउण्ड : सिद्धार्थ | विनीत : श्री श्याम परिवार बांगुर नगर, गोरेगांव (प.)

सौजन्य: The Nuttery | N2U2 | NUGLOW AESTHETIC CLINIC SKIN • HAIR • HOMOEOPATHY | N R KADMAWALA AND SONS www.thenuttery.in

अग्रबंधु सेवा समिति (रजि.) मुंबई

द्वारा आयोजित

माँ भगवतीजी की भव्य चौकी एवं छप्पन भोग

रविवार, 25.01.2026 सायं 5 से रात्रि 10 बजे

आयोजन स्थल : सकल नारायण शर्मा सभागृह, COD के पास, दत्त मंदिर रोड, मालाड (पूर्व)

सुमधुर भजनों की प्रस्तुति: अंतरराष्ट्रीय भजन गायक श्री महेंद्रजी स्वामी (जयपुर) एवं साथियों द्वारा | संगीत: श्री श्याम झा एण्ड पार्टी द्वारा

ज्योत प्रज्वलन: श्री श्रीधर गुप्ता | महाप्रसाद सेवा: श्री किशोर प्रवेशकुमार अग्रवाल | छप्पनभोग प्रसाद सेवा: मातारानी के सेवक | महोत्सव संयोजक: श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (मधु सेठ) (ट्रस्टी), श्री बृजमोहन सी. गुप्ता (चंदू सेठ) (ट्रस्टी)

विशिष्ट सहयोगी : श्री दिनेश कानोडिया (ट्रस्टी) श्री दिनेश बी. अग्रवाल

दरबार सजावट सेवा : डॉ. आलोक अग्रवाल श्री सुधीर अग्रवाल | फूल-श्रृंगार सेवा : श्री हरिओम गौरीशंकर अग्रवाल

समारोह अध्यक्ष : श्री महेश बंसीधर अग्रवाल, चेयरमैन- GTV Group of Companies

अध्यक्ष : अमरीशचन्द्र अग्रवाल | मानद मंत्री : उदेश अग्रवाल | कोषाध्यक्ष : गोपालदास गोयल

महिला अध्यक्षा : सुधा लक्ष्मीनारायण अग्रवाल | मंत्री : मधु राजेन्द्र अग्रवाल | कोषाध्यक्षा : अनीता अनिल अग्रवाल

परोपकार मुंबई (रजि.) महिला समिति द्वारा आयोजित

मकर संक्रांति के पर्व पर जरूरतमंद परिवारों को नि:शुल्क खाद्य सामग्री वितरण

अंधेरी	बोरीवली	भायंदर
रविवार 11 जनवरी 2026, प्रात: 10 बजे से, लोखंडवाला कॉम्पलेक्स पुष्पांजली हॉल, अंधेरी-पश्चिम	रविवार 18 जनवरी 2026, प्रात: 11 बजे से, गौराई नगर, गौराई-2, गौतम नगर बोरीवली-पश्चिम	रविवार 18 जनवरी 2026, प्रात: 11 बजे से, राधेश्याम ग्राउंड, अमृतवाणी रोड भायंदर-पश्चिम
थाना	**भिवण्डी**	**कालबादेवी**
रविवार 18 जनवरी 2026, प्रात: 11 बजे से, कृष्णा भोवैर पटोगापारा, लालजी पटेल दुकान के पास, येऊर, थाना-पश्चिम	रविवार 18 जनवरी 2026, प्रात: 11 बजे से, अखिल पद्मशाली समाज सभागार पद्मा नगर, भिवण्डी	सोमवार 19 जनवरी 2026, प्रात: 11 बजे से, दाभोलकरवाडी के सामने कालबादेवी रोड, मुंबई

रामकिशोर दरक (ट्रस्टी एवं अध्यक्ष), नरेश बंसल (महामंत्री), विजय लोहिया (ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष), राजेन्द्र झुनझुनवाला (ट्रस्टी एवं उपाध्यक्ष), सुलोचना शोरेवाला (महासचिव-महिला समिति)

संगीता अग्रवाल, रंजना खेमका, कौशल्या अग्रवाल, शशी केजरीवाल, आरती झुनझुनवाला, मंगला मोदी, रमा पहलाजानी, कुसुम सोनी, सपना झुनझुनवाला, शोभा बंसल, निर्मला केडिया, सुमन रुईया, गायत्री भूतड़ा, दुर्गा चंदक

सौजन्य : श्री प्रमोद गोयल

श्री ब्रजमंडल द्वारा आयोजित

स्वर्णिम वर्ष के उपलक्ष में

श्रीमद् ब्रज भागवत कथा

परमाराध्य पूज्य श्री मन्माध्व गौड़ेश्वर वैष्णवाचार्य श्री पुंडरीक गोस्वामीजी महाराज की अमृतवाणी से

27 जनवरी से 1 फरवरी 2026 प्रतिदिन सायं 4 बजे से सायं 7:00 बजे तक

पूर्णाहुति 2 फरवरी 2026 समय प्रात: 10 बजे से दोप. 1:00 बजे तक

कथा स्थल-आझाद मैदान, मेट्रो सिनेमा के पास, मुंबई

|| मुख्य यजमान ||
श्री सुरेशचन्द्र श्यामलाल अग्रवाल
श्री योगेश एवं श्रीमती नीना अग्रवाल

विशेष आकर्षण: प्रत्यक्ष कल-कल बहती यमुना महारानी
दिव्य झांकियां: गिरिराज (गोवर्धन पर्वत)
मंदिर दर्शन: बांकेबिहारी-राधावल्लभजी-राधारमणजी-द्वारकाधीशजी मुखारविन्द-गोपेश्वर महादेवजी-बरसाना-पूंछरी

सभी कथाप्रेमी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

अध्यक्ष एवं ट्रस्टी सुरेशचंद्र अग्रवाल | मानद मंत्री प्रदीप आर.लाढीवाल | कोषाध्यक्ष अनिल आर. अग्रवाल

सौजन्य : श्रीमती नीना योगेश अग्रवाल, हीरा मिलान प्रायवेट लिमिटेड, मुंबई

श्री अग्रवाल एकता परिवार (मुंबई)
श्री बृज एकता राधे परिवार (महिला समिति)

प्रेरणा स्रोत: श्री ब्रज एकता परिवार मो. : 9821499830

श्री कृष्णलीला महोत्सव

बुधवार, दि. 07 जनवरी से रविवार, दि. 11 जनवरी 2026 * शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक

स्थल : बृजवासी पेलेस, सोनावाला रोड, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई.

रविवार, दि. 11 जनवरी : श्री बृज एकता राधे परिवार (महिला समिति) द्वारा रंगारंग कार्यक्रम एवम् महिषासुर मर्दनी नाट्य समय : शाम 4 से 6 बजे तक कार्यक्रम के बाद... होली लीला महोत्सव

मुख्य यजमान - विशेषतम सहयोगी : श्री चंद्रकांत गोयल - श्री विनोद गोयल - श्रीमती निर्मला विनोद गोयल, अनुराग चंद्रकांत गोयल - (बृजवासी बंगाली स्वीटस् प्रा. लि.)

मुख्य अतिथि : श्री सुभाष अग्रवाल (अध्यक्ष : अखिल भारतीय अग्रवाल संमेलन-थाना) * श्रीमती नैना सुभाष अग्रवाल

आप सभी सहपरिवार इष्ट मित्रो सहित सादर आमंत्रित है।

सौजन्य: अशोक बांकेलाल अग्रवाल, ईशान अग्रवाल - शिवदया स्वीट, अंजुर फाटा नाका, भिवंडी मो. : 93243 03625 / 8369920227

पिछले 25 वर्षों से लगातार नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर
प्रति वर्ष 5/6 शिविर और प्रत्येक शिविर में 300 ऑपरेशन किये जाते हैं।

लायन्स क्लब ऑफ मिलेनियम एवं श्री गजानन्द गुप्ता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा
वात्सल्य ग्राम, वृंदावन, मथुरा (उ.प्र.)
पूज्य साध्वी ऋतम्भरा (दीदीमाँ) के सान्निध्य एवं डॉ. श्याम अग्रवाल के नेतृत्व में
(उपाध्यक्ष-वात्सल्य ग्राम, अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष-विश्व हिन्दू परिषद)

नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर

शनिवार 17.01.2026 एवं रविवार 18.01.2026

समापन समारोह : रविवार, दि. 18.01.2026, सुबह 11 बजे

मुख्य अतिथि : मा.श्रीमती रेखा गुप्ताजी, मुख्यमंत्री, दिल्ली
विशिष्ट अतिथि : मा.श्री आलोक कुमारजी, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद
विशिष्ट अतिथि : मा.श्री रविंदर इंद्रराज सिंह, समाज कल्याण मंत्री, दिल्ली
विशिष्ट अतिथि : मा.श्री अनिल मिश्रा (IRS), सेवानिवृत्त मुख्य आयुक्त, आयकर

मुम्बई के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन

डॉ. श्याम अग्रवाल MS, DOMS	डॉ. विशाल राठौर MS, DNB, DOMS	डॉ. अनुज बहुवा Cornea & Lasik Surgeon, DNB	डॉ. राहुल जैन MS, DOMS	डॉ. जुगल शाह M.S., M.B.B.S.
डॉ. प्रेम अग्रवाल MS, DOMS	डॉ. मयूर अग्रवाल DO, MS, DNB	डॉ. आरती अग्रवाल M.B.B.S., M.S., DNB	डॉ. आनंद जयपुरिया DO, MS	डॉ. सौरभ सोहन रामुका M.B.B.S., M.S.

द्वारा सभी ऑपरेशन किए जायेंगे।

सौजन्य : BEST ROADWAYS LIMITED 40

एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट, मुंबई

देश के 9 करोड़ वनवासी बंधुओं को संस्कार शिक्षा के माध्यम से विकास की मुख्य धारा में शामिल करने हेतु इस बार

श्री रामकथा

परम पूज्य श्री विजय कौशलजी महाराज की रसमयी वाणी में
मुख्य यजमान : श्री रामअवतारजी एवं गायत्रीदेवी मोदी

4 से 10 जनवरी 2026
11 जनवरी 2026, सुबह 10 से 1 बजे
कथा स्थल: विष्णु हनुमान पार्क, बांगुर नगर गोरेगांव - पश्चिम, मुम्बई

श्रीहरि रथ लोकार्पण || श्रीहरि रथ प्रायोजक || श्री सतीश अग्रवाल
|| आज की कथा || श्री राम राज्याभिषेक

दैनिक यजमान : श्री सुरेश भगेरिया परिवार | उत्सव यजमान : श्रीमती मीनू सुरेन्द्र गुप्ता

विनीत : सत्यनारायण काबरा, गोपाल कंदोई, विजय केडिया, कैलाश अग्रवाल, श्यामसुन्दर खेतान, गोबिन्द सराफ, अंजनी कुमार अग्रवाल, सुभाष पी. केडिया, संतोष तुलस्यान, राकेश पंसारी, गीतिका अग्रवाल, मंजू विजय केडिया, उषा अरुण गोयल, वर्षा अनिल सरावगी, गायत्री मोदी, ममता लोया, जागृति अनिल मानसिंहका, नैना नीरज अग्रवाल

सौजन्य : गोबिन्द सराफ - श्रीराम सिल्क मिल्स

जय श्री श्याम परिवार चूड़ीधाम ट्रस्ट, मुंबई

द्वारा आयोजित

आज 26वां श्री श्याम महोत्सव

रविवार 11 जनवरी 2026
रजियादेवी गजानंद हॉल, डी.जी.खेतान इंटरनेशनल स्कूल, सुन्दर नगर के पिछे मालाड-पश्चिम, मुंबई

अखण्ड ज्योत, अलौकिक झाँकी, छप्पनभोग, श्री राणीसती दादीजी का मंगलपाठ एवं सुमधुर भजनों का भक्तिमय उत्सव

श्री राणीसती दादीजी का मंगलपाठ
दोपहर 1.15 से सायं 6:15 बजे
|| संगीतमय मंगलपाठ वाचक ||
श्रीमती रितु शर्मा

महोत्सव कार्यक्रम
|| ज्योत प्रज्वलन || दोपहर 1 बजे
आरती : रात्रि 9 बजे
आप सपरिवार सादर आमंत्रित है।

भजनसंध्या
सायं 6:15 से रात्रि 9 बजे तक
आमंत्रित कलाकार
श्रीमती सरिता ओझा-कोलकाता, श्रीमती रितु शर्मा, श्री राकेश बावलिया

मुख्य अतिथि : श्री रामप्रकाशजी बूबना-चेयरमैन-शारदा प्रोपकेम लि.

मंगलपाठ यजमान : श्रीमती कुसुम सुशीलजी भीमराजका | वैलेट पार्किंग उपलब्ध रहेगी

The Nuttery | N2U2 | NUGLOW | N R KADMAWALA AND SONS www.thenuttery.in

TRAVEL TIMES

THE KINARA VILLAGE LONAVALA

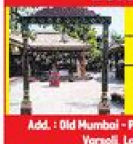

DELICIOUS FOOD
HERITAGE AMBIENCE
HERITAGE ROOMS AVAILABLE

Add. : Old Mumbai - Pune Highway, Vaksai Naka, Varsoli, Lonavala - 410401
Call : 9859639639 www.thekinaravillage.com

TO ADVERTISE IN THIS SECTION CALL JITESH DOMINIC: 9867407521

More TIMES interact ads on subsequent pages...

BOOK YOUR COMPUTER ADS
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
SCAN QR CODE

BOOK YOUR COMPUTER ADS
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
SCAN QR CODE

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 11-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMMANJ User: ajay.karekar Time: 01-10-2026 20:51 Color:

कच्छ और सौराष्ट्र

11 और 12 जनवरी, 2026

क्षेत्रीय आकांक्षाएँ, वैश्विक महत्वाकांक्षाएँ

प्रमुख क्षेत्र

- सिरेमिक्स
- MSMEs
- इंजीनियरिंग
- स्टार्टअप्स
- मिनरल्स
- पेट्रोकेमिकल्स
- फिशरीज
- टेक्सटाइल
- पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स
- कौशल विकास
- पर्यटन और संस्कृति
- कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण
- ग्रीन एनर्जी इकोसिस्टम
- मशिनरी और इक्विपमेन्ट
- ब्लू इकोनॉमी

सम्मेलन की मुख्य विशेषताएँ

- उद्घाटन समारोह
- क्षेत्र-विशिष्ट सेमिनार
- कंट्री सेमिनार
- पैनल डिस्कशन्स
- सीईओ राउन्ड टेबल सम्मेलन
- स्टार्टअप सम्मान समारोह
- B2B / B2G मीटिंग्स
- विशेष दौरे
- औद्योगिक दौरे
- क्षेत्रीय MSME सम्मेलन
- क्षेत्रीय पुरस्कार (MSMEs / आर्टिज़न)
- ट्रेड शो / प्रदर्शनी
- रिवर्स बायर-सेलर मीटिंग
- उद्यमी मेला
- विक्रेता विकास कार्यक्रम
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- समापन सत्र

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एक्ज़ीबिशन

11 से 15 जनवरी, 2026 | सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

द्वारा शुभारंभ

गरिमामय उपस्थिति

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

श्री हर्ष संघवी
माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

11 जनवरी, 2026, रविवार | 12:30 बजे | मारवाड़ी युनिवर्सिटी, राजकोट, गुजरात

''वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस से गुजरात के औद्योगिक उत्कर्ष की नई दिशा खुलेगी।''
- श्री हर्ष संघवी, माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात

भागीदार देश: Japan, Rwanda, South Korea, Ukraine

सीधा प्रसारण: CMOGuj CMOGuj CMOGujarat CMOGujarat vibrantgujarat vibrantgujarat vibrant_gujarat vibrantgujarat

भागीदार संस्थाएँ: icbc, JETRO, USINDIA, U.S.-India Business Council, THE WORLD BANK, ACMA, IACC Indo-American Chamber of Commerce, UBC, kotra, FCBI, AMCHAM

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in